रांची, मंगलवार
02.06.2026
वर्ष : 11, अंक : 180, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

सुप्रीम कोर्ट को पांच नए जज मिले

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उच्चतम न्यायालय के लिए पांच जजों की नियुक्ति की है। राष्ट्रपति ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अरुण पल्ली और उच्चतम न्यायालय में प्रैक्टिस कर रहीं वरिष्ठ वकील वी मोहन को उच्चतम न्यायालय का जज नियुक्त किया है। उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम ने 22 एवं 27 मई को हुई बैठक में इस आशय की अनुशंसा की थी। इन नियुक्तियों के साथ ही उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल संख्या 32 से 37 हो जाएगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 5 मई को उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने को लेकर उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अध्यादेश-2026 को मंजूरी दी थी। इस अध्यादेश को छह महीने के भीतर सरकार को संसद की मंजूरी भी लेनी होगी।

पश्चिम बंगाल में मंत्रिमंडल का विस्तार, 35 नये मंत्री शामिल

कोलकाता: पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने सोमवार को अपनी मंत्रिपरिषद का विस्तार कर 35 नये मंत्रियों को शामिल किया है। इसके साथ ही मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री समेत मंत्रियों की कुल संख्या 41 हो गयी है। विधानसभा चुनाव में पहली बार भारी बहुमत से जीत हासिल करने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने नौ मई को राज्य में सरकार गठित की थी। उस दिन श्री अधिकारी ने यहां ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ पांच अन्य मंत्रियों श्री दिलीप घोष, सुश्री अग्निमित्रा पॉल, श्री अशोक कीर्तनिया, श्री खुदीराम टुडू और श्री निसिथ प्रमाणिक ने भी शपथ ली थी। राज्यपाल आर. एन. रवि ने आज पूर्वाह्न 35 नये मंत्रियों को लोक भवन में आयोजित समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। इनमें 13 कैबिनेट मंत्री, 19 राज्य मंत्री और तीन स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री बनाये गये हैं।

मुख्यमंत्री के औचक निरीक्षण से प्रशासन में हलचल, कांटाटोली चौक पर ट्रैफिक व्यवस्था पर जताई नाराजगी

बिभा संवाददाता

रांची, 01 जून (हि.स.)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एक बार फिर अपने औचक निरीक्षण को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने बिना पूर्व सूचना के राजधानी रांची की सड़कों पर निकलकर यातायात व्यवस्था और आम लोगों की समस्याओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री कार्यालय ने भी उनके इस निरीक्षण की पुष्टि करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जनता की समस्याओं को नजदीक से समझने और व्यवस्था की वास्तविक स्थिति जानने के लिए स्वयं सड़कों पर उतरे।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर जारी संदेश में कहा गया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जनता की तकलीफों को करीब से समझने के लिए लगातार जमीनी स्तर पर निरीक्षण कर रहे हैं। इससे पहले भी दिसंबर 2025 और अप्रैल 2026 में उन्होंने इसी तरह अचानक विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर प्रशासनिक व्यवस्था का आकलन किया था।

मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, रविवार शाम मुख्यमंत्री अपने कांके रोड स्थित आवास से बिना किसी पूर्व कार्यक्रम के राजधानी की स्थिति का जायजा लेने निकल पड़े। इस दौरान वे अचानक रांची के सबसे व्यस्त यातायात केंद्रों में शामिल कांटाटोली चौक पहुंच गए। यहां उन्होंने यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया और अव्यवस्थित ट्रैफिक तथा सड़क किनारे अवैध पार्किंग को लेकर नाराजगी जताई।

मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद यातायात पुलिस अधिकारियों को व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अवैध पार्किंग और यातायात अव्यवस्था के कारण आम लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने अधिकारियों को ट्रैफिक प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने तथा सड़क अतिक्रमण पर सख्ती से कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री के अचानक निरीक्षण की सूचना मिलते ही प्रशासनिक और पुलिस महकमे में हलचल मच गई। उच्च अधिकारियों को तत्काल स्थिति की जानकारी दी गई और ट्रैफिक ड्यूटी पर तैनात कर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश जारी किए गए। हालांकि रविवार होने के कारण सामान्य दिनों की अपेक्षा सड़कों पर यातायात का दबाव अपेक्षाकृत कम था।

मुख्यमंत्री के निरीक्षण के अगले ही दिन सोमवार को रांची की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पुलिस प्रशासन सक्रिय नजर आया। वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन ने पुलिस अधीक्षक (यातायात) राकेश सिंह के साथ राजधानी के प्रमुख क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने अल्बर्ट एक्का चौक से लेकर अंजुमन प्लाजा तक यातायात व्यवस्था, पार्किंग और अतिक्रमण की स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान सड़क किनारे अवैध रूप से वाहन खड़े करने वाले चालकों, फुटपाथ और सड़क पर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों तथा अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पैदल यात्रियों के लिए निर्धारित मार्गों पर वाहन खड़े करने वालों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई। साथ ही पार्किंग स्टैंड में खड़े वाहनों को व्यवस्थित ढंग से पार्क कराने के निर्देश दिए गए।

एसएसपी ने ट्रैफिक पोस्टों पर तैनात अधिकारियों और जवानों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए यातायात संचालन को और बेहतर बनाने तथा आम जनता की सुविधा को प्राथमिकता देने को कहा। निरीक्षण के दौरान स्थानीय पुलिस उपाधीक्षक, संबंधित थाना प्रभारी और अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को एसआईआर और जनगणना के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रम संचालित किए जाएं : मुख्यमंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शिक्षा के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से निर्देश दिया है कि विद्यालयों में विशेष कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और जनगणना से संबंधित आवश्यक जानकारी दी जाए।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इन विषयों के प्रति जागरूक कर उन्हें समाज में सूचना के वाहक के रूप में विकसित किया जा सकता है, जिससे वे अपने परिवार एवं समुदाय को भी इन महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक कर सकें। इसके लिए विद्यालय स्तर पर कार्यशालाएं, जागरूकता सत्र एवं विशेष अभियान संचालित किए जाने पर भी जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री सोमवार को झारखंड मंत्रालय में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की समीक्षात्मक बैठक में बोल रहे थे।

बैठक में विभाग की ओर से संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों एवं पहलों की अद्यतन प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान विभागीय अधिकारियों ने योजनाओं के क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति, प्रमुख उपलब्धियों, चुनौतियों और भावी कार्ययोजना से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। समीक्षा के क्रम में मुख्यमंत्री ने योजनाओं के प्रभावी एवं परिणामोन्मुख संचालन पर विशेष बल देते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शी, समयबद्ध एवं लक्ष्य-आधारित ढंग से सुनिश्चित किया जाए।

बैठक के दौरान विभाग की ओर से संचालित विभिन्न प्रमुख योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में ई-कल्याण पोर्टल के संचालन एवं उसकी प्रभावशीलता, प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं के अंतर्गत लाभुकों को दी जा रही सहायता, मरांग गोमके पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को विदेश में उच्च शिक्षा के लिए दी जा रही सुविधाओं, साइकिल वितरण योजना की प्रगति, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत स्वरोजगार को बढ़ावा देने के प्रयासों की चर्चा की गई । इस दौरान योजनाओं की वर्तमान प्रगति, लाभुकों की संख्या, क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों और उनके समाधान के उपायों पर भी विस्तार से समीक्षा की गई।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत लाभान्वित लाभुकों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीधा संवाद स्थापित किया। इस दौरान उन्होंने लाभुकों से योजना के अंतर्गत प्राप्त ऋण, संचालित व्यवसाय, उससे हो रही आय, रोजगार सृजन की स्थिति और बैंकिंग प्रक्रियाओं से संबंधित अनुभवों की विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से यह जानने का प्रयास किया कि लाभुकों को व्यवसाय संचालन में किसी प्रकार की कठिनाई तो नहीं हो रही है और बैंकिंग संस्थानों की ओर से उन्हें समुचित सहयोग मिल रहा है या नहीं।

शेष पेज 10 पर

झारखंड मंत्रालय में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मिलीं केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड मंत्रालय में सोमवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने शिष्टाचार मुलाकात की। यह भेंट मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित उनके कार्यालय कक्ष में हुई।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी की इस मुलाकात के दौरान दोनों पक्षों ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में एक-दूसरे का अभिवादन किया। मुलाकात के बाद केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मुलाकात के दौरान राज्य के विकास, महिला एवं बाल कल्याण से जुड़ी योजनाओं तथा जनहित के विभिन्न मुद्दों पर भी सामान्य चर्चा हुई। हालांकि, इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है और न ही किसी विशेष विषय पर विस्तृत बयान जारी किया गया है।

राज्यसभा की 27 सीटों और 3 राज्यों की विधान परिषदों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने सोमवार को राज्यसभा की 27 सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव व उपचुनावों के साथ-साथ 3 राज्यों की राज्य विधान परिषदों के लिए होने वाले चुनाव से जुड़ी अधिसूचनायें जारी की है। इसके साथ ही आज से इनके लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

राज्यसभा के लिए 10 राज्यों की 24 सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव और महाराष्ट्र, तमिलनाडु और ओडिशा की एक-एक सीट के लिए उपचुनाव होना है। इसके लिए बिहार और कर्नाटक की विधानपरिषद के लिए क्रमशः 9 और 7 सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव तथा बिहार की एक विधानपरिषद सीट पर उपचुनाव होना है। आयोग के अनुसार द्विवार्षिक और उपचुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी और सहायक निर्वाचन अधिकारी की नियुक्त कर दी है।

चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया आज (1 जून) शुरू हो चुकी है और 8 जून दोपहर तीन बजे तक नामांकन भरे जा सकते हैं। नामांकन पत्रों की जांच 9 जून को होगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 11 जून है। मतदान 18 जून को सुबह 8:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक होंगे और उसी दिन शाम 5:00 बजे मतगणना की जाएगी।

श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम जलार्पण कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मंत्री

बिभा संवाददाता

देवघर। आगामी श्रावणी मेला 2026 के सफल संचालन को लेकर राज्य सरकार तैयारियों में जुटी हुई है। इसी क्रम में सोमवार को पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू देवघर पहुंचे और स्थानीय सर्किट हाउस में देवघर और दुमका जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

बैठक में देवघर विधायक सुरेश पासवान, सारठ विधायक उदय शंकर सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष किरण कुमारी सहित दोनों जिलों के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक के दौरान मंत्री ने श्रावणी मेला की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि श्रावणी मेला के दौरान देवघर आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम जलार्पण कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए श्रद्धालुओं के ठहराव, स्वास्थ्य सेवाओं, शौचालय, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मंत्री ने बताया कि पिछली समीक्षा बैठक के आधार पर एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया गया है। सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ टेंडर प्रक्रिया और अन्य आवश्यक कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि लगभग 90 प्रतिशत प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं और अब केवल कुछ औपचारिक अनुपालन (कम्प्लायंस) संबंधी कार्य शेष हैं। उन्होंने कहा कि बैठक में विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय और जिम्मेदारियों को लेकर चर्चा की गई। पिछले वर्ष देवघर-बासुकीनाथ मार्ग पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) और रेलवे विभाग के साथ भी समन्वय स्थापित किया गया है और संबंधित कार्यों को समय पर पूरा करने का आश्वासन मिला है।

मंत्री ने बताया कि देवघर और दुमका जिला प्रशासन की ओर से मेले के लिए आवश्यक संसाधनों एवं बजट की मांग संबंधी सूची प्राप्त हो चुकी है। रांची में संबंधित विभागों के साथ विचार-विमर्श कर समय पर राशि आवंटित करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

बैठक में झामुमो जिला अध्यक्ष संजय शर्मा, सुरेश साह, नीलम देवी, अजय नारायण मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मी भी उपस्थित थे।

भारत-म्यांमार के बीच सुरक्षा, आर्थिक सहयोग, संपर्क सुविधाओं के विस्तार पर बनी सहमति

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और म्यांमार ने आर्थिक एवं सुरक्षा सहयोग तथा संपर्क सुविधाओं के विस्तार पर सहमति व्यक्त की है। आधारभूत परियोजनाओं को लागू करने तथा व्यापार एवं द्विपक्षीय सहयोग में बढ़ोतरी का भी फैसला किया गया है। इसके साथ ही पड़ोसी देश की ओर से आश्वासन दिया गया है कि भारत के सुरक्षा हितों के खिलाफ उसकी भूमि का उपयोग नहीं होने दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग के बीच सोमवार को दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता हुई। चर्चा में व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, सीमा प्रबंधन, विकास सहयोग, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और क्षेत्रीय स्थिति पर विचार-विमर्श किया गया। दोनों देशों ने स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अंतरिक्ष क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।

राष्ट्रपति ह्लाइंग 30 मई से 3 जून तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। अप्रैल 2026 में पद संभालने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा है। मूल रूप से उन्हें ह्यइंटरनेशनल बिग कैट एलायंसह्न शिखर सम्मेलन में भाग लेना था, लेकिन सम्मेलन स्थगित होने के बाद इस अवसर का उपयोग द्विपक्षीय वार्ता के लिए किया गया। म्यांमार के राष्ट्रपति के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है। इसमें पांच कैबिनेट मंत्री, तीन उपमंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

वार्ता के बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने मंत्रालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि दोनों पक्षों ने लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए कनेक्टिविटी को महत्वपूर्ण बताया। इसके तहत कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट को शीघ्र पूरा करने और भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग के कालेवा-यागी खंड के जल्द निर्माण पर भी बल दिया गया। सचिव के अनुसार भारत ने म्यांमार की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति अपना समर्थन दोहराया है। वहीं म्यांमार के राष्ट्रपति ने आश्वासन दिया कि म्यांमार की भूमि का इस्तेमाल भारत-विरोधी गतिविधियों के लिए नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि म्यांमार भारत का पड़ोसी देश है, जिसके साथ 1,643 किलोमीटर लंबी सीमा साझा होती है। यह भारत की ह्यनेबरहुड फर्स्टह्न, ह्यएक्ट ईस्टह्न, ह्यमहासागरह्न और इंडो-पैसिफिक नीतियों के केंद्र में स्थित है। दिल्ली आगमन से पहले म्यांमार के राष्ट्रपति ने बिहार के महाबोधि मंदिर, महाबोधि धम्मईखा मठ और सुजाता मंदिर का दौरा किया। यह यात्रा दोनों देशों के गहरे बौद्ध, धार्मिक और जन-जन के संबंधों को दशार्ती है।

जेईई एडवांस : शुभम कुमार ने हासिल की पहली रैंक, लड़कियों में अरोही देशपांडे शीर्ष पर

एजेंसी

नई दिल्ली। संयुक्त प्रवेश परीक्षा (एडवांस्ड) 2026 के नतीजे सोमवार को घोषित हुए, जिसमें दिल्ली जोन के शुभम कुमार ने 360 में से 330 अंक हासिल कर-के शीर्ष स्थान प्राप्त किया जबकि लड़कियों में अरोही देशपांडे ने बाजी मारी। जेईई (एडवांस्ड) 2026 में कुल 56,880 अभ्यर्थी सफल हुए, जिनमें 10,107 छात्राएं और 46,773 छात्र शामिल हैं। परीक्षा में शामिल हुआ इकलौता 'थर्ड जेंडर' छात्र सफल नहीं हो सका।

दिव्यांग (पीडब्ल्यूडी) श्रेणी में 3,052 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 2,864 ने दोनों पेपर दिये और 887 सफल रहे। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली जोन के शुभम कुमार ने कॉमन रैंक लिस्ट (सीआरएल) में 360 में से 330 अंक हासिल करके पहला स्थान प्राप्त किया। इसी जोन की अरोही देशपांडे शीर्ष रैंक हासिल करने वाली छात्रा बनीं। उन्होंने 360 में से 280 अंक प्राप्त करके पूरे देश में 77वीं रैंक हासिल की।

कबीर छिल्लर ने 329 अंक प्राप्त करके दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि जतिन चाहर 319 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की द्वारा जारी परिणाम आंकड़ों के अनुसार 1,87,389 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 1,79,694 अभ्यर्थियों ने 17 मई को आयोजित जेईई (एडवांस्ड) 2026 के दोनों पेपर दिए। जोनवार परिणामों में आईआईटी मद्रास जोन से सर्वाधिक 14,294 अभ्यर्थी सफल हुए, इसके बाद आईआईटी बॉम्बे से 12,389 और आईआईटी दिल्ली से 10,697 अभ्यर्थियों ने सफलता हासिल की।

मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज का पहला दीक्षांत समारोह संपन्न, 133 विद्यार्थियों को मिला एमबीबीएस की डिग्री

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज (एमटीएमसी) में सोमवार को संस्थान का पहला दीक्षांत समारोह का आयोजित किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर कॉलेज के पहले एमबीबीएस बैच (सत्र 2020-21) के 133 विद्यार्थियों को चिकित्सा स्नातक (एमबीबीएस) की डिग्री प्रदान की गई। समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने कहा कि चिकित्सा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने नवोदित डॉक्टरों को संबोधित करते हुए कहा कि अस्पताल केवल रोगों के उपचार के केंद्र नहीं होते, बल्कि वे आशा, विश्वास और संवेदनशीलता के प्रतीक भी हैं। समाज के लोग बड़ी उम्मीदों के साथ अस्पतालों का रुख करते हैं, इसलिए डॉक्टरों का दायित्व केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें मरीजों के प्रति मानवीय दृष्टिकोण भी अपनाना चाहिए।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग ऐसे भारत के निर्माण में करें, जहां स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ, प्रभावी और मानवीय हों। उन्होंने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में सफलता का वास्तविक मापदंड केवल पेशेवर उपलब्धियां नहीं, बल्कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना भी है। अपने संबोधन में उन्होंने जमशेदपुर की सामाजिक और औद्योगिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह शहर सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि टाटा स्टील ने उद्योग के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसका लाभ पूरे क्षेत्र को मिल रहा है। समारोह में झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के शामिल होने का कार्यक्रम था, लेकिन व्यस्तताओं के कारण वे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सके। हालांकि उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से समारोह में भाग लेते हुए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कॉलेज प्रबंधन ने इस अवसर को संस्थान के इतिहास का महत्वपूर्ण पड़ाव बताते हुए कहा कि पहले एमबीबीएस बैच के विद्यार्थियों का सफलतापूर्वक स्नातक होना न केवल कॉलेज बल्कि पूरे झारखंड के लिए गर्व की बात है। प्रबंधन ने विश्वास जताया कि यहां से निकलने वाले युवा डॉक्टर राज्य और देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। दीक्षांत समारोह के दौरान विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करने के साथ-साथ उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन की भी सराहना की गई। मंच पर उपस्थित शिक्षकों, अभिभावकों और अतिथियों ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के चेहरों पर वर्षों की मेहनत के सफल परिणाम की खुशी साफ दिखाई दे रही थी।

प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र शिलान्यास को लेकर जिप अध्यक्ष उपाध्यक्ष नाराज

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के रनिया प्रखंड अंतर्गत सोदे व रनिया गाँव में फिफ्टिन फाइनेंस मद से जिला परिषद से दो प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बनना है। जिसका शिलान्यास स्थानीय सांसद कालीचरण मुण्डा और तोरपा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के जनप्रतिनिधि सुदीप गुड़िया ने मिलकर किया। इस कार्यक्रम में जिला परिषद के द्वारा होनेवाले कार्य पर जिला परिषद के अध्यक्ष उपाध्यक्ष का कहीं उल्लेख नहीं किये जाने पर विवाद गहरा गया है। केंद्र सरकार के फिफ्टिन फाइनेंस मद का जिला परिषद के द्वारा निर्माण होनेवाले इस भवन का शिलान्यास कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया और उपाध्यक्ष मंजु देवी को आमंत्रित ही नहीं किया गया और न ही शिलापट्ट में उनका नाम उद्धृत किया गया। वहीं कार्यक्रम में आमंत्रित तक नहीं किया गया। और तो और शिलान्यास कार्यक्रम तो कर दिया पर स्टिमिट तक भी उद्धृत नहीं किया गया। जो कि ये भवन कितने रुपए लागत से बनना है। इसके बारे में जिक्र तक नहीं किया गया।

स्टीमिट बोर्ड लगाकर पारदर्शिता के साथ होना चाहिए काम : कालीचरण

अस्पताल शिलान्यास करने आए सांसद कालीचरण मुण्डा? ने अभियंता को जमकर फटकार लगाया और नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जनहित में होनेवाले विकास कार्य में पारदर्शिता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्य ऐसा नहीं होता है। उन्होंने कहा कि लोगों को पता होना चाहिए कि किस मद का काम है और कितने की लागत से क्या क्या बनना है। यह जानना लोगों का हक है।

जिला परिषद अध्यक्ष उपाध्यक्ष का बोर्ड में नाम उद्धृत न करना राजनीति से भरा : मसीह

वहीं जिला परिषद के मद से बननेवाले प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र का शिलान्यास कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया जाना और शिलापट्ट में नाम उद्धृत न किया जाने से जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया और उपाध्यक्ष मंजु देवी ने नाराजगी व्यक्त की और आक्रोशित दिखे। जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया ने कहा कि राजनीति निजी स्वार्थ के लिए हमेशा ऐसा कराया जाता रहा है। जिला परिषद के द्वारा होनेवाले जनहित के कार्यक्रम की सूचना तक नहीं दी गयी और शिलान्यास किया गया। जो असंवैधानिक है। जिसके विभाग से कार्य होना है उसी के पदाधिकारियों को जानकारी न देना और उसके जानकारी के बगैर इस प्रकार कार्यक्रम करना अभियंता की जवाबदेही है। यहां तक कि शिलापट्ट में नाम तक उद्धृत नहीं किया गया जबकि तीन विधायक के प्रक्षेत्र के बराबर मेरा क्षेत्र जनप्रतिनिधि के रूप में आता है। इस शिलान्यास कार्यक्रम को रद्द होना चाहिए और सिस्टम के अनुसार, शिलान्यास होना चाहिए। जिसमें स्टिमिट ब्यौरा पट्ट भी हो और जनप्रतिनिधियों का नाम भी हो। इस प्रकार, केंद्र सरकार के फिफ्टिन फाइनेंस के मद से बनने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनने से पहले ही राजनीति गहरा गया है। जो कि नाराजगी ही नाराजगी भरा रहा।

संक्षिप्त खबरें

प्रत्येक महीने रक्तदान के लिए आनंद मार्ग सम्मानित

जमशेदपुर(बिभा) : प्रतीक संघर्ष फाउंडेशन के सम्मान समारोह कार्यक्रम बिष्टुपुर मिलानी हॉल में आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल को प्रत्येक महीने रक्तदान एवं पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करने के लिए प्रतीक संघर्ष फाउंडेशन के द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मान करने वाले अतिथि ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक श्रीकांत कटारे ,झारखंड पुलिस एसोसिएशन के सचिव संतोष महतो, जमशेदपुर ब्लड सेंटर के सचिव नलिनी राम मूर्ति ने अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर प्रत्येक महीने रक्तदान करने एवं पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करने के लिए आनंद मार्ग को सम्मानित किया। सम्मान ग्रहण करने वाले आनंद मार्ग के वरिष्ठ सन्यासी आचार्य प्रभद्रआनंद अवधूत, आचार्य मानवमित्रआनंद अवधूत , सुनील आनंद , टाटा वर्कर्स यूनियन के कमेटी मेंबर ज्ञान रंजन श्रीवास्तव एवं योगेश देव ने सम्मान ग्रहण किया।

भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता सह समाजसेवी आदित्य प्रसाद गुप्ता का निधन से शोक की लहर

खूँटी(बिभा)। नगर पंचायत क्षेत्र के डीएवी रोड निवासी, भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता, समाजसेवी एवं खूँटी रामनवमी महासमिति के पूर्व पदाधिकारी रहे आदित्य प्रसाद गुप्ता का सोमवार को निधन हो गया। वे 75 वर्ष के थे। लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे आदित्य प्रसाद गुप्ता ने राँची स्थित अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही खूँटी शहर और आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। पेशे से व्यवसायी रहे आदित्य प्रसाद गुप्ता सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक क्षेत्र में अपनी सक्रिय भूमिका के लिए जाने जाते थे। उनके निधन से उनकी वृद्ध माता, धर्मपत्नी एवं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। समाचार मिलते ही बड़ी संख्या में लोग उनके आवास पहुंचकर शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने लगे। वहीं लोग इस घटना से काफी मर्माहत हैं। पूर्व मुख्यमंत्री एवं खूँटी के पूर्व सांसद अर्जुन मुण्डा ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इसके अलावा कड़िया मुण्डा, नीलकंठ सिंह मुण्डा सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं गणमान्य लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त की। दिवंगत आदित्य प्रसाद गुप्ता की अंतिम यात्रा में शहर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। उनका अंतिम संस्कार तजना मुक्ति धाम में पूरे श्रद्धा और सम्मान के साथ किया गया। अंतिम यात्रा में उपस्थित लोगों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके सामाजिक, धार्मिक और संगठनात्मक योगदान को याद किया।

धँसे हुए लकड़ी पुल से आवागमन करने को मजबूर ग्रामीण, भारी वाहन का क्षेत्रों में आवागमन बाधित

खूँटी(बिभा) । जिले के रनिया प्रखंड अंतर्गत बेलकीदुरा पंचायत अंतर्गत जरागुटू के गाँव के पास मुख्य सड़क पर एक वर्ष पहले टूटा पुलिया अबतक नहीं बनाए जाने से ग्रामीणों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार जनप्रतिनिधियों को इसकी जानकारी देने के बावजूद अबतक पतला का निर्माण नहीं किया गया है। वहीं पुलिया ध्वस्त हो जाने से परेशान ग्रामीण स्वयं लकड़ी का पुल बनाकर पैदल चलने के लायक बना डाला था। लेकिन वो भी धँस गया है। जिससे खतरा मोल लेकर विद्यार्थी वृद्ध सहित सारे लोग पुलिया पार करते हैं। ग्रामीण बतलाते हैं कि यह पुल विगत दो वर्ष पहले बारिश से ढह गया था। इस पुलिया के टूट जाने से अनेकों गाँव का रास्ता बाधित हो गया है। यहाँ तक कि पश्चिम सिंहभूम से लोग आवागमन करते थे वो भी बंद हो गया है। अब ग्रामीणों को चिंता सताने लगी है कि अगर बरसात से पहले पुल को दुरुस्त नहीं किया जाएगा तो फिर बरसात में आवागमन के लिए काफी दिक्कत हो सकती है। वहीं अभी तो किसी तरह पार होने के लिए श्रमदान करके लकड़ी व बाँस से पुल बनाया था। लेकिन वो पुल भी धंस गया है। ग्रामीणों ने बताया कि अपने क्षेत्र का विकास करने के नाम पर मतदान तो किये थे पर अब जनप्रतिनिधि भी नहीं सुन रहे हैं। ग्रामीण जनप्रतिनिधियों से पुल निर्माण के लिए गुहार लगा चुके हैं। लेकिन अबतक कोई पहल नहीं हुआ है। लोगों ने बताया कि अगर पुल नहीं बनेगा तो बरसात के मौसम में आवागमन बाधित हो जाएगी।

गोलमुरी गोलीकांड का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः गोलमुरी थाना क्षेत्र में हाल के दिनों में हुई दो गोलीबारी की घटनाओं का जमशेदपुर पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया है। मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त हथियार, जिंदा गोली और एक चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है।

सीनियर एसपी पीयूष पांडे ने बताया कि 26 और 27 मई की रात को गोलमुरी थाना क्षेत्र में हुई फायरिंग की घटनाओं के संबंध में गोलमुरी थाना कांड संख्या 60/2026 और 61/2026 दर्ज किए गए थे। घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया था।

जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचना के आधार पर चार आरोपियों की पहचान की। गिरफ्तार आरोपियों में विक्की सिंह गिल उर्फ कुंडी, रविन्द्र कुमार ठाकुर, बलराम सिंह उर्फ छोटू और अमन सिंह शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि विक्की सिंह गिल को पहले ही कन्हैया यादव हत्याकांड में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है, जबकि शेष तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।पूछताछ के दौरान आरोपियों ने गोलीबारी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। उनकी निशानदेही पर एक लोडेड पिस्टल, एक जिंदा कारतूस तथा एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है। गोलीबारी की घटनाओं से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। जांच में किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आने पर उसके विरुद्ध भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की इस कार्रवाई को गोलमुरी क्षेत्र में हाल में हुई फायरिंग की घटनाओं के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा सभी अपराधियों की पुरानी आपराधिक इतिहास रहा है

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर डालसा अधिकार मित्र ने दिलाया धूम्रपान न करने का संकल्प, चलाया विशेष जागरूकता अभियान

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। नालसा एवं झालसा के निदेर्शानुसार विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) जमशेदपुर द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में एक सघन जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज को नशे के चंगुल से मुक्त कराना और लोगों को स्वस्थ जीवन शैली के प्रति प्रेरित करना था। इसी कड़ी में जमशेदपुर के मानगो क्षेत्र में डालसा पीएलवी (अधिकार मित्र) नागेन्द्र कुमार , दिलीप जायशवाल एवं प्रकाश शांडिल के नेतृत्व में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान डालसा के पीएलवी सदस्यों ने स्थानीय लोगों को नशा के प्रति जागरूक किया और उन्हें तंबाकू के सेवन करने से होने वाले खतरों के प्रति सचेत किया। इस विशेष मौके पर उपस्थित सभी लोगों को तंबाकू एवं किसी भी प्रकार का धूम्रपान नहीं करने की सामूहिक शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने हाथ उठाकर यह संकल्प लिया कि वे न केवल स्वयं नशीले मादक पदार्थों का परित्याग करेंगे, बल्कि अपने परिवार और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। लोगों को जीवन में कभी भी नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करने का कड़ा संकल्प दिलाया गया जागरूकता अभियान के दौरान डालसा पीएलवी ने तंबाकू एवं नशीले मादक पदार्थों के सेवन से शरीर पर पड़ने वाले घातक दुष्प्रभावों की विस्तार से जानकारी दी।

जंगली हाथी ने मुरुचकेल में किया उपद्रव, रमेश सिंह का आम बागवानी को किया तहस-नहस

खूँटी (बिभा)। जिले के जरियागढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्रामीण इलाकों में जंगली हाथियों का उपद्रव से लोग काफी परेशान हैं। विगत रविवार की रात मुरुचकेल गांव में जंगली हाथी ने गांव में घुस गया और स्थानीय किसान रमेश सिंह के आम बागवानी को तहस-नहस कर दिया। इससे फल लगे पेड़ को क्षतिग्रस्त करने से किसान को भारी नुकसान हुआ है। वहीं झामुमो नेता राहुल केशरी ने बताया कि आज दिन हाथियों से ग्रामीण तबाह हैं। वहीं रमेश सिंह को काफी उम्मीदें थी कि आम फल से आर्थिकोपार्जन होगा और पेड़ बढ़ेगा तो गरीबी दूर होगी। लेकिन हाथियों का उपद्रव से भारी नुकसान हो गया है। उन्होंने वन विभाग से मुआवजा भरपायी का आग्रह किया है।

तैलीक साहू महासभा का चुनाव प्रशासनिक निगरानी में कराने की मांग को लेकर सौंपा मांग पत्र

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। अखिल भारतीय तैलीक साहू महासभा, पूर्वी सिंहभूम के चुनाव को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। सोमवार को महासभा के वर्तमान पदाधिकारियों और समर्थकों (राकेश साहू एण्ड टीम) ने अनुमंडल पदाधिकारी, धालभूम को ज्ञापन सौंपकर प्रशासनिक निगरानी में निष्पक्ष चुनाव कराने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि 31 मई को एग्रिको क्लब हाउस में चुनाव संचालन समिति सह प्रेक्षक समिति के अध्यक्ष हरिहर प्रसाद की अध्यक्षता में आमसभा आयोजित की गई थी। आरोप है कि सभा के दौरान संचालन समिति के सदस्य विनोद गुप्ता ने बिना सर्वसम्मति के द्वारिका प्रसाद को अध्यक्ष घोषित कर दिया, जिसका बड़ी संख्या में उपस्थित सदस्यों ने विरोध किया। इसके बाद सभा में मौजूद कई सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने राकेश साहू को अध्यक्ष घोषित कर दिया। एक ही संगठन में दो अध्यक्षों की घोषणा से समाज में असमंजस और आक्रोश की स्थिति उत्पन्न हो गई है। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि चुनाव संचालन समिति का गठन अध्यक्ष, महासचिव एवं कोषाध्यक्ष के चुनाव के लिए किया गया था, लेकिन समिति अपने दायित्वों का निर्वहन करने में विफल रही। वर्तमान कमेटी को 18 अप्रैल 2026 को भंग कर चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। राकेश साहू समर्थक गुट ने आरोप लगाया है कि चुनाव संचालन समिति में नियमों के विरुद्ध पूर्व कमेटी के कुछ पदाधिकारियों को शामिल किया गया, जिससे विवाद बढ़ा। साथ ही पूर्व अध्यक्ष राजकिशोर प्रसाद पर सात वर्षों के कार्यकाल का लेखा-जोखा प्रस्तुत नहीं करने का आरोप भी लगाया गया है। राकेश साहू ने उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उनकी छवि धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि उनके पास सभी आवश्यक दस्तावेज सुरक्षित हैं और समाज उचित समय पर इसका जवाब देगा। ज्ञापन सौंपने वालों में जिला कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार, महामंत्री पप्पू साहू, वरीय उपाध्यक्ष रंजीत कुमार साव, प्रवक्ता चंदन काशी, जिला सचिव अशोक साहू, राजेश गुप्ता, कमलेश साहू, गणेश नंद, सागर साहू, प्रवीण साहू, राकेश गुप्ता, अखिलेश साहू, गौतम साहू, प्रवीण कुमार, दिलीप साहू समेत अन्य सदस्य शामिल थे।

तेजगति वाहन की चपेट में आने से महिला की मौत

खूँटी (बिभा)। जिले के तोरपा थाना क्षेत्र अंतर्गत तोरपा डोड़मा सड़क दुघर्टना का पर्याय माना जाने लगा है। जिससे आए दिन जान से लोगों को हाथ धोना पड़ रहा है। इसी क्रम में रविवार की दोपहर गुमला जिले के कमडरा थाना क्षेत्र निवासी एतवारी देवी का सड़क दुघर्टना में निधन हो गया। रायकेरा टोलंगाटोली निवास 50 वर्षीय एतवारी भेंगरा अपने मायके उयुर गाँव जा रही थी। जो रविवार की दोपहर वाहन से उतर कर पैदल चली ही थी कि एक अज्ञात तेजगति वाहन चपेट में ले लिया। इस दुर्घटना से एतवारी गम्भीर रूप से घायल हो गयी । जिसे सदर अस्पताल खूँटी भेजा गया । लेकिन एतवारी की मौत हो गयी। बताया जाता है कि एतवारी के पति का स्वर्गवास हो चुका है और वह निसंतान है। वहीं सदर अस्पताल में पड़ा शव का पुलिस मृत्यु समीक्षा पत्र भरकर अन्त्यपरीक्षण कराया और परिजनों को सौंप दिया। इधर गांव में शोक का माहौल है।

खलारी में मानवता की मिसाल, रक्तदान शिविर में 50 लोगों ने बढ़ाया मदद का हाथ

बिभा संवाददाता

खलारीः सामाजिक दायित्व और मानव सेवा की भावना को मजबूत करते हुए खलारी प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 50 लोगों ने रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी योगदान दिया ।कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी प्रणव अंबष्ठ, पुलिस उपाधीक्षक रामनारायण चौधरी और थाना प्रभारी राम कुमार वर्मा ने संयुक्त रूप से किया ।उद्घाटन के बाद अधिकारियों ने रक्तदान के महत्व पर चर्चा करते हुए लोगों को इस नेक कार्य से जुड़ने के लिए प्रेरित किया ।अधिकारियों ने कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि किसी की जिंदगी बचाने का माध्यम है ।उन्होंने लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील करते हुए बताया कि रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित प्रक्रिया है और इससे स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता ।रिम्स ब्लड बैंक की टीम ने डॉ. उमेश कुमार सिंह के नेतृत्व में शिविर में रक्त संग्रहण का कार्य किया ।आयोजनकताओं के अनुसार गर्मी के दिनों में ब्लड बैंकों में रक्त की मांग बढ़ जाती है, जबकि उपलब्धता कम हो जाती है ।इसी चुनौती को देखते हुए रक्तदान महादान टीम और लापता हेल्प डेस्क के सहयोग से इस शिविर का आयोजन किया गया ।शिविर में डॉ. इरशाद आलम, पंकज प्रसाद, मुन्नू शर्मा, मुखिया पुतुल देवी, तेजी किस्पोट्टा, मलका मुंडा, शैलेश सिंह, आलोक चौहान, दीपक प्रसाद, संतोष सिंह, बीपीओ विनय कुमार, आदित्यनाथ झा, विकास कुमार, योगेश कुमार, अभिषेक चौहान और संजय कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।रक्तदान शिविर में युवाओं समेत विभिन्न वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। आयोजन समिति ने सभी रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहित और मानव सेवा से जुड़े कार्यक्रमों को जारी रखने की बात कही। गर्मी में रक्त संकट से निपटने के लिए आयोजित शिविर में युवाओं ने दिखाई विशेष भागीदारी, अधिकारियों ने रक्तदान को बताया जीवन बचाने वाला महादान।

रोहिणी ओबी डम्प में डीजल चोरी की साजिश विफल, 100 लीटर डीजल बरामद

बिभा संवाददाता

खलारी। क्षेत्र में डीजल चोरी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सीआईएसएफ ने रविवार देर रात रोहिणी ओबी डम्प क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए करीब 100 लीटर डीजल बरामद किया ।हालांकि सीआईएसएफ टीम की भनक लगते ही चोरी में शामिल लोग अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए ।जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में डीजल चोरी और अन्य अवैध गतिविधियों की रोकथाम को लेकर सीआईएसएफ की क्राइम एवं इंटेलिजेंस विंग (सीआईडब्ल्यू) लगातार निगरानी अभियान चला रही है ।रविवार रात भी टीम रोहिणी ओबी डम्प क्षेत्र में गश्त और निगरानी कर रही थी। इसी दौरान संदिग्ध गतिविधियां दिखाई देने पर जवानों ने तत्काल क्षेत्र की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया ।तलाशी के दौरान घटनास्थल से दो प्लास्टिक गैलनों में रखा लगभग 100 लीटर डीजल बरामद किया गया ।सीआईएसएफ के पहुंचते ही चोरी में शामिल लोग मौके से भाग निकले। बरामद डीजल को आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद रोहिणी परियोजना प्रबंधन को सौंप दिया गया ।सीसीएल प्रबंधन के अनुसार बरामद डीजल की अनुमानित कीमत करीब 14,700 रुपये है। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय संपत्तियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और कोयला, डीजल तथा अन्य सरकारी संपत्तियों की चोरी में शामिल लोगों के विरुद्ध आगे भी लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी ।सीआईएसएफ की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय डीजल एवं कोयला चोरी गिरोहों में हड़कंप मच गया है। वहीं लगातार चलाए जा रहे विशेष निगरानी अभियानों से अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में सफलता मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने राज्य में भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण का दिया निर्देश

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड मंत्रालय में सोमवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में परिवहन विभाग तथा राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विभागीय कार्यप्रणाली, योजनाओं की अद्यतन प्रगति और लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई।

मुख्यमंत्री ने आमजन को सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध सेवाएं सुनिश्चित करने पर विशेष बल देते हुए कहा कि सभी विभाग अपनी सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए तकनीक का व्यापक उपयोग करें। उन्होंने परिवहन सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और भूमि संबंधी मामलों के त्वरित निष्पादन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिया।

राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्य में भूमि अभिलेखों के व्यापक और चरणबद्ध डिजिटलीकरण को प्राथमिकता के आधार पर लागू करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि डिजिटलीकरण की प्रक्रिया पूर्ण होने पर आम नागरिकों को भूमि क्रय से पूर्व संबंधित भूमि की स्थिति के संबंध में संपूर्ण और अद्यतन जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर सहज रूप से उपलब्ध हो सकेगी। नागरिक यह जान सकेंगे कि संबंधित भूमि सरकार की ओर से अधिग्रहण-अर्जन की प्रक्रिया में है, अधिग्रहित की जा चुकी है या पूर्णतः मुक्त है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से रैयतों एवं आमजनों को पारदर्शी और विश्वसनीय जानकारी प्राप्त होगी, जिससे भूमि क्रय-विक्रय से संबंधित अनिश्चितता और विवादों में उल्लेखनीय कमी आएगी।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि भूमि संबंधी सभी महत्वपूर्ण अभिलेखों को डिजिटलीकृत कर उन्हें एकीकृत पोर्टल से जोड़ा जाए, ताकि किसी भी स्तर पर सूचना के अभाव या विसंगति की स्थिति उत्पन्न न हो।

इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने अधिग्रहित भूमि के संबंधित विभागों और उपयोगकर्ता एजेंसियों को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से हस्तांतरण की प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि डिजिटलीकरण के माध्यम से विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बेहतर होगा, जिससे परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी और भूमि से संबंधित प्रशासनिक प्रक्रियाएं अधिक सुगम एवं प्रभावी बनेंगी।

मुख्यमंत्री ने खासमहल भूमि से संबंधित लीज नवीनीकरण, लीज हस्तांतरण और भूमि के प्रयोजन परिवर्तन (चेंज ऑफ लैंड यूज) की प्रक्रियाओं को अधिक सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में जटिलताओं के कारण आमजनों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जिसे दूर करना आवश्यक है। इस दिशा में सभी प्रक्रियाओं का मानकीकरण करते हुए उन्हें ऑनलाइन एवं ट्रैकिंग-आधारित प्रणाली से जोड़ने पर भी बल दिया गया, ताकि आवेदनों की स्थिति की निगरानी सुगमता से की जा सके।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि खासमहल अंतर्गत सभी लीजधारकों का व्यापक स्तर पर सर्वेक्षण और मैपिंग कराया जाए, जिससे प्रत्येक लीजधारक का अद्यतन डाटाबेस तैयार हो सके। इसके साथ ही, सभी लीज से संबंधित दस्तावेजों का पुनः सत्यापन (री-वेरिफिकेशन) सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी प्रकार की विसंगति, फजीवाड़ा या अभिलेखीय त्रुटियों को समय रहते चिन्हित कर सुधारा जा सके। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया भविष्य में भूमि प्रबंधन को अधिक सुदृढ़ और विश्वसनीय बनाएगी।

परिवहन विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पंचायत स्तर पर कैंप लगाकर ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सुविधा मिल सके। मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिलावार मैपिंग, रूट चार्ट निर्माण एवं सड़क नेटवर्क के विकास पर जोर दिया गया।

रांची स्मार्ट सिटी में विकसित किए जा रहे ट्रैफिक पार्क के प्रजेंटेशन का अवलोकन करते हुए मुख्यमंत्री ने वहां उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह पार्क आमजन, विशेषकर बच्चों और युवाओं को मनोरंजन के माध्यम से यातायात नियमों, संकेतों एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री ने जमशेदपुर में स्थापित किए जा रहे इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइवर ट्रेनिंग एंड रिसर्च (आईडीटीआर) की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को इसे निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण रूप से क्रियाशील बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संस्थान के माध्यम से व्यावसायिक एवं प्रशिक्षित चालकों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे सड़क सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा और दुर्घटनाओं में कमी लाने में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षण की गुणवत्ता, आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता तथा प्रशिक्षुओं के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण की व्यवस्था को प्राथमिकता देने पर बल दिया।

संक्षिप्त खबरें

प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से की मुलाकात

रांची(बिभा)। झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने सोमवार को नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष से झारखंड से संबंधित विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। यह जानकारी प्रदेश अध्यक्ष ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

ब्राउन शुगर के साथ एक आरोपित गिरफ्तार

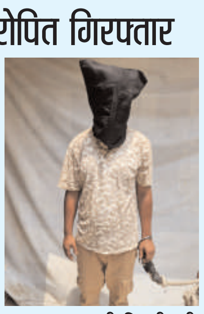

रांची(बिभा)। अरगोड़ा थाना पुलिस ने ब्राउन शुगर के साथ एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित का नाम संदीप डे बताया गया है। इसके पास से 3.54 ग्राम ब्राउन शुगर और एक मोबाईल फोन बरामद किया गया है। वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि अरगोड़ा थाना क्षेत्र के हरमू मैदान तरफ एक व्यक्ति के जरिये बाहर से लाकर ब्राउन शुगर की बिक्री की जा रही है, जिससे क्षेत्र के युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। सूचना के बाद पुलिस अधीक्षक (नगर) पारस राणा के निर्देशन एंव पुलिस उपाधीक्षक हटिया नीरज कुमार के नेतृत्व में अरगोड़ा थाना से छापेमारी टीम का गठन कर छापेमारी के लिए निर्देश दिया गया। टीम की ओर से त्वरित कार्रवाई करते हुए हरमू क्षेत्र में छापेमारी की गई, जिसमें हरमू मैदान से एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से अवैध ब्राउन शुगर बरामद की गई।

रिम्स कर्मियों का फूटा गुस्सा, तीन महीने से वेतन नहीं मिलने पर धरना

रांची(बिभा): झारखंड की राजधानी रांची स्थित रिम्स के कर्मियों ने सोमवार को तीन महीने से वेतन भुगतान नहीं होने के विरोध में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया. इस दौरान कर्मचारी निदेशक कार्यालय पहुंचे और रिम्स प्रशासन व स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. कर्मचारियों ने अपनी मांगों को जल्द पूरा करने और ओपीएस सिस्टम लागू करने की मांग उठाई. प्रदर्शन कर रहे कर्मियों ने स्पष्ट किया कि वे कार्य बहिष्कार नहीं कर रहे हैं. मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वार्ड और अपने कार्यस्थलों पर जूनियर कर्मचारियों को तैनात कर प्रदर्शन में शामिल हुए हैं.

पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन को अब आश्वासन नहीं, एक्शन चाहिए

रांची(बिभा)। पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन, साउथ छोटानागपुर की वार्षिक आमसभा सोमवार को कटहल मोड़ स्थित लाल गुटवा बैंक्वेट हॉल में हुई। रांची, गुमला, खूंटी, सिमडेगा, लोहरदगा के 200 से अधिक डीलरों ने तेल कंपनियों की सप्लाई नाकामी और मनमानी पर आक्रोश जताया। अध्यक्ष राजहंस मिश्रा ने कहा कि डीलर एडवांस पैसा जमा कर रहे हैं। फिर भी पंप ड्राई पड़े हैं। पहले 3 दिन का स्टॉक हाथ में रहता था। अब 3 से 4 दिन बीत जाते हैं और तेल नहीं आता। ये लापरवाही डीलरों को अव्यवस्थित कर रही है। श्री मिश्रा ने कहा कि ह्यकंपनियां रोज मैसेज करती हैं-स्टॉक की कमी नहीं, पर ग्रामीण और हाईवे के पंप हफ्ते भर बंद हैं। उपभोक्ता लाइन में, डीलर बदनाम। मॉनिटरिंग पूरी तरह फेल है। राजहंस मिश्रा ने चेताया कि पारदर्शी काम नहीं हुआ तो आंदोलन की रूपरेखा तय होगी। डीलर राष्ट्र सेवा कर रहे हैं, भिखारी नहीं। सम्मान और व्यवहारिक नीति दें। मीटिंग में 5 सूत्री मांग पत्र तेल कंपनियों को सौंपने का निर्णय लिया गया। डीलरों का एक स्वर में कहा कि अब आश्वासन नहीं, एक्शन चाहिए। मंच संचालन मानस सिन्हा ने किया। इस अवसर पर नीरज भट्टाचार्य, पूनम तिग्गा, कमलेश सिंह, सुदीप तिग्गा, विनीत लाल, अपूर्व पोद्दार, कुणाल कच्छप, दीपक, अमित सोनी, सुबोध दुबे, विनोद रंजन, निपुण मृणाल, प्रशांत चौधरी, प्रमोद कुमार,राहुल जायसवाल सहित 5 जिलों के 200 अधिक डीलर मौजूद रहें। बैठक के मुख्य मुद्दे : सप्लाई ठप। एडवांस के बाद भी 3-4 दिन नो सप्लाई। डिपो पर 7-8 घंटे लाइन। इंडेंट सिस्टम ध्वस्त। कमीशन शोषण पेट्रोल-डीजल के दाम दोगुने, कमीशन 10 साल से वही। पंप चलाना घाटे का सौदा। पारदर्शिता शून्य। कंपनियों ने डीलर से संवाद बंद कर दिया। स्टॉक की सच्चाई छिप रही है। कम्युनिकेशन गैप से हो रही डीलरों को दिक्कत। उपभोक्ता परेशान प्लास्टिक गैलन/बोतल बैन से किसान, अस्पताल, स्कूल, होटल का जनरेटर बंद। सिर्फ पेसो जेरिकेन की जिद पर पंपों पर रोज झगड़ा। इस पर उचित मार्गदर्शन ऑयल कंपनियां दें।

कार्य में लापरवाही पर बेड़ो अंचल निरीक्षक और कर्मचारी को शोकॉज

बिभा संवाददाता

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने सोमवार को समाहरणालय सभागार में आयोजित जनता दरबार में आम लोगों की समस्याएं सुनी। जनता दरबार में जहां जरूरतमंदों को तत्काल सहायता उपलब्ध करायी गयी, वहीं सरकारी कार्यों में लापरवाही और अनावश्यक विलंब पर प्रशासन का सख्त रुख भी देखने को मिला। विभिन्न प्रखंडों और अंचलों से पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिये और कई मामलों में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करायी।

जनता दरबार में बेड़ो निवासी माधुरी तिर्की ने म्यूटेशन से जुड़ी समस्या रखते हुए बताया कि एलआरडीसी कोर्ट के आदेश के बावजूद उनका नामांतरण नहीं किया जा रहा है और उन्हें लगातार अंचल कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने तत्काल अंचल अधिकारी, बेड़ो से दूरभाष पर बात कर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अंचल निरीक्षक और कर्मचारी को शोकॉज करने के निर्देश दिया और लंबित मामले का जल्द निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा।

दिव्यांगों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

बेड़ो प्रखंड निवासी 25 वर्षीय आकाश उरांव की समस्या सुनते ही उपायुक्त ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें राज्य सरकार की इलेक्ट्रिक ट्राईसाईकिल उपलब्ध करायी। जनता दरबार से लौटते समय आकाश स्वयं इलेक्ट्रिक ट्राईसाईकिल पर सवार होकर निकले। बेड़ो के ही 67 वर्षीय दिव्यांग बालकिशुन साहू को भी जनता दरबार में राज्य सरकार की इलेक्ट्रिक ट्राईसाईकिल दी गयी।

जनता दरबार में पंजी-2 सुधार, लगान रसीद निर्गत करने, दाखिल-खारिज, भूमि सीमांकन, अवैध कब्जा, ऑनलाइन जमाबंदी त्रुटि, रैयती भूमि विवाद, भूमि अभिलेख सुधार और राजस्व अभिलेखों में विसंगतियों से जुड़े कई मामले सामने आये।

उपायुक्त ने संबंधित अंचल अधिकारियों, भूमि सुधार उप समाहर्ता और राजस्व कर्मियों को निष्पादन योग्य मामले का तेजी से निष्पादन के निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राजस्व मामलों में अनावश्यक विलंब या आमजन को कार्यालयों का चक्कर लगवाने की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाएगा और दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों और कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

जनता दरबार में वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, सर्वजन पेंशन योजना और मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का लाभ नहीं मिलने संबंधी आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा को सभी मामलों की जांच कर पात्र लाभुकों को जल्द योजनाओं से आच्छादित करने का निर्देश दिया।

जनता दरबार में इलाज के लिए आर्थिक सहायता, आयुष्मान भारत योजना से संबंधित, छात्रवृत्ति, विद्यालय नामांकन, आवास योजना, पेयजल सुविधा, सड़क निर्माण, विद्युत आपूर्ति, रोजगार सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े आवेदन भी प्राप्त हुए। उपायुक्त ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिया।

सरेंडर करनेवाले नक्सली की पत्नी को भूमि का आवंटन

जनता दरबार में पूर्व में आवेदन देने वाली ठाकुरमनी देवी को भी महत्वपूर्ण राहत मिली। ठाकुरमनी देवी के पति ने नक्सली गतिविधियों को छोड़कर आत्मसमर्पण किया था। सरकार की ओर से भूमि बंदोबस्ती भी की गयी थी, लेकिन संबंधित भूमि रहने योग्य न कहकर उन्होंने वैकल्पिक भूमि आवंटन के लिए आवेदन दिया था। जिला प्रशासन की पहल पर उन्हें नगड़ी मौजा में 04 डिसमिल भूमि आवंटित की गयी। भूमि बंदोबस्ती से संबंधित दस्तावेज प्राप्त करते हुए उन्होंने राज्य सरकार और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

जेएसएलपीएस के सीईओ ने हनी माइग्रेशन सेंटर का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसायटी (जेएसएलपीएस) के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी (सीईओ) अनन्य मित्तल ने कहा कि हनी वैल्यू चेन परियोजना के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को मधुमक्खी पालन, शहद उत्पादन एवं विपणन से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

वे सोमवार को रांची जिले के नगड़ी एवं इटकी प्रखंड अंतर्गत हनी वैल्यू चेन परियोजना के तहत गठित झारखंड मधु आजीविका फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (एफपीसी) से जुड़ी आजीविका सखी मंडल की मधु पालक दीदियों की ओर से संचालित हनी माइग्रेशन सेंटर के निरीक्षण के दौरान संबोधित कर रहे थे।

निरीक्षण के दौरान अनन्या मित्तल ने मधु पालक दीदियों से मधुमक्खी पालन और शहद उत्पादन से संबंधित गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने शहद की पैकेजिंग व्यवस्था एवं हनी बॉक्स का अवलोकन किया और व्यवसाय की विभिन्न बारीकियों पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि उत्पाद की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उसे निरंतर बनाए रखना आवश्यक है। साथ ही झारखंड में उत्पादित शहद को अन्य राज्यों के बाजारों तक पहुंचाने एवं इस व्यवसाय का विस्तार करने के लिए योजनाबद्ध प्रयास किए जाने चाहिए, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण महिलाओं को रोजगार एवं आय के अवसर प्राप्त हो सकें।

इस अवसर पर हनी वैल्यू चेन परियोजना के एसपीएम संजय दास, डीपीएम अभिषेक चांद, डीएम एंटरप्राइज, डीएम एसएमआईबी, नगड़ी एवं इटकी प्रखंड के बीपीएम, प्रखंड टीम, एफपीसी के निदेशक मंडल के सदस्य, एफपीसी से जुड़ी मधु पालक दीदियां सहित अन्य प्रखंड स्तरीय कर्मी उपस्थित थे।

पर्यावरण बचाने को लेकर 3 जून को साइक्लोथॉन-वॉकाथॉन में दौड़ेगी रांची

बिभा संवाददाता

रांची : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर झारखंड वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से एक से 5 जून तक राज्यभर में पर्यावरण सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान स्वच्छता अभियान, मानव श्रृंखला, ट्रेकिंग, बर्ड वॉचिंग, वॉकाथान, साइक्लोथान, चित्रकला प्रतियोगिता और पर्यावरण संरक्षण पर कार्यशाला का आयोजन होगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में संजीव कुमार प्रधान मुख्य संरक्षक, एस आर नितेश, मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी झारखंड और श्रीकांत वर्मा डीएफओ रांची ने दी ।कार्यक्रम की शुरूआत एक जून को जैव विविधता पार्क में स्वच्छता अभियान और 'सेव अर्थ' मानव श्रृंखला के साथ हो गई । 2 जून को होरहाप इको-टूरिज्म साइट पर स्वच्छता अभियान, ट्रेकिंग और पक्षी अवलोकन कार्यक्रम होगा। 3 जून को सुबह 6 बजे से वन भवन डोरंडा से ऑक्सीजन पार्क तक साइक्लोथोन और पलाश हॉल से हिनू चौक तक वॉकाथॉन का आयोजन होगा, जिसमें आम नागरिकों, विद्यार्थियों और स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल हो सकेंगे। 4 जून को पलाश हॉल में स्कूली बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता होगी। वहीं 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर मुख्य समारोह के साथ पर्यावरण सप्ताह का समापन किया जाएगा। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारीयों और कर्मचारियों ने स्वयं मैदान में उतरकर यह दिखाया कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक विचार नहीं, बल्कि जीवनशैली और सामूहिक जिम्मेदारी है। 1 जून को लालगुटवा स्थित जैव विवधता उद्द्यानमें विशाल स्वच्छता अभियान चलाया गया साथ ही सेव अर्थ मानव श्रंखला बनाकर चरति संरक्षण के सामूहिक सन्देश दिया गया।

अखिल भारतीय कोल एग्जीक्यूटिव्स एसोसिएशन का वार्षिक स्थापना दिवस समारोह संपन्न

बिभा संवाददाता

रांची: अखिल भारतीय कोल एग्जीक्यूटिव्स एसोसिएशन का वार्षिक स्थापना दिवस समारोह रांची के होटल ले-लैक में गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में कोल इंडिया एवं उसकी अनुषंगी कंपनियों के सेवारत और सेवानिवृत्त 100 से अधिक अधिकारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री नीलेंदु कुमार सिंह ने अपने संबोधन में अधिकारियों से संबंधित विभिन्न मुद्दों के समाधान हेतु हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के हितों की रक्षा तथा सेवानिवृत्ति के बाद भी उनके बीच संवाद, सहयोग और सहभागिता बनाए रखने में संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने एसोसिएशन के कार्यों की सराहना करते हुए स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं।

समारोह के विशिष्ट अतिथि भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के पूर्व अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री ए. के. सिंह ने अधिकारियों के बेहतर स्वास्थ्य और संतुलित जीवनशैली की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि योग न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है तथा इसके नियमित अभ्यास से स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन जीया जा सकता है।

इस अवसर पर एआईएसीई के मुख्य प्रधान महासचिव पी. के. सिंह राठौर ने संगठन की गतिविधियों, उपलब्धियों तथा भविष्य की योजनाओं की जानकारी देते हुए सदस्यों से संगठन को और अधिक सशक्त बनाने में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। समारोह में उपस्थित अधिकारियों ने संगठन की एकता, पारस्परिक सहयोग और पेशेवर हितों की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ ।

झामुमो का बूथ से पंचायत तक संगठन मजबूत करने का अभियान शुरू

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और आगामी जनगणना को लेकर संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने का अभियान शुरू कर दिया है।

पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर पंचायत से लेकर बूथ स्तर तक कार्यकताओं और बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) को संगठित और प्रशिक्षित करने की पहल तेज कर दी गई है। इसी क्रम में झामुमो के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता विनोद पांडेय सोमवार से राज्यव्यापी संगठनात्मक दौरे पर निकल गए हैं। पार्टी के कार्यक्रम के अनुसार दो जून को चाईबासा, 03 जून को पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां और 04 जून को सिमडेगा में संगठनात्मक बैठकें आयोजित की जाएंगी। इन बैठकों में जिला, प्रखंड और बूथ स्तर के पदाधिकारियों के साथ बीएलए भी भाग लेंगे। विनोद पांडेय ने कहा कि झामुमो का लक्ष्य हर बूथ तक पहुंचकर लोगों को जागरूक करना और संगठन को मजबूत बनाना है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से जुड़े मुद्दों का राजनीतिक उपयोग कर रही है।

उन्होंने झारखंड के बकाया अधिकार, खनिज संपदा में हिस्सेदारी, महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की आय और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) जैसे मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन और जनता से सीधा संवाद ही भविष्य की राजनीतिक चुनौतियों का प्रभावी जवाब होगा।

झामुमो संयोजक मंडल सदस्य पदाधिकारियों को प्रखंडवार मिली जिम्मेवारी

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रांची जिला संयोजक मंडल की ओर से सोमवार को कांके स्थित एक बैंक्विट हॉल में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से रांची जिला अंतर्गत आठ प्रखंडों के हर बूथों के लिए बीएलए-2 और 10 सदस्यीय बूथ कमेटी गठन करने के लिए केंद्रीय सदस्य और जिला संयोजक मंडली के सदस्यों को अहम जिम्मेवारी दी गई। बैठक की अध्यक्षता रांची जिला संयोजक मंडली प्रमुख मुश्ताक आलम ने की। उन्होंने बताया कि प्रखंडवार बुढमू और कांके प्रखंड के लिए पवन जेड़िया और सोनू मुंडा को, इटकी प्रखंड के लिए समनुर मंसूरी को, सिल्ली, सोनाहातू और राहे प्रखंड के लिए अश्विनी शर्मा और झब्बू लाल महतो को, ओरमांझी और नगड़ी प्रखंड के लिए अंतू तिर्की को, अनगड़ा और नामकुम प्रखंड के लिए हेमलाल मेहता को, मांडर और चान्हो प्रखंड के लिए जयवंत तिग्गा को, खलारी और रातू प्रखंड के लिए धर्मेंद्र सिंह को, लापुंग, बेड़ो, बुंडू और तमाड़ प्रखंड के लिए मुश्ताक आलम और वीरू तिर्की को अहम जिम्मेवारी दी गई है। मुश्ताक आलम ने बताया कि बैठक में निर्देशानुसार सभी केंद्रीय सदस्यों एवं जिला संयोजक मंडली के सदस्यों को निर्देश दिया गया है कि प्रखंडों के पदाधिकारी और वरिष्ठ सदस्यों से समन्वय स्थापित करें। आगामी 15 जून तक सभी प्रखंडों के प्रत्येक बूथ में बीएलए-2 और 10 सदस्यीय बूथ कमेटी का गठन (संपर्क संख्या एवं व्हाट्सएप संख्या सहित) करें। जिसे अनिवार्य रूप से गठन की कार्यवाही पुस्तिका संलग्न करते हुए केंद्रीय कार्यालय के समक्ष सौंपें।

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई-एलएचएस-एलसीजी-24ए-4ई-एजेड, दिनांक 27.05.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के लिए एकल पैकेट प्रणाली में खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। बोलीदातागण सिर्फ बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है तथा ऐसे प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** हावड़ा मंडल-निम्नलिखित के संबंध में सिग्नलिंग कार्य-अनुसूची ए1-एईएन/आजिमगंज के अधीन रेलवे के रिलिविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट सं. 24ए/4(ई) के स्थान पर नए सीमित ऊंचाई के सबवे के निर्माण के लिए सिग्नलिंग लागत। अनुसूची ए2- एईएन/आजिमगंज के अधीन रेलवे के रिलिविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट सं. 24ए/4(ई) के स्थान पर नए सीमित ऊंचाई के सबवे के निर्माण के लिए टेलीकॉम लागत। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 1,63,19,659.67; **बयाना राशि/बोली सुरक्षा:** रु. 3,26,400; **निविदा दस्तावेज की कीमत:** रु. 0.00; **बोली शुरू होने की तारीख:** 08.06.2026. **समापन अवधि:** 12 महीने। **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 22.06.2026 को 15.00 बजे। **निविदा अपलोडिंग की तारीख एवं समय:** 27.05.2026 को 18.48 बजे। (HWH-117/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

जिला स्तरीय युवा संवाद चौपाल यात्रा कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

देश और राज्य के विकास में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण:रंजन

बिभा संवाददाता

बोकारो। युवा राष्ट्रीय जनता दल, बोकारो जिला द्वारा आयोजित जिला स्तरीय युवा संवाद चौपाल यात्रा कार्यक्रम जिलाध्यक्ष संदीप पासवान की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में युवा राष्ट्रीय जनता दल झारखंड प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष रंजन कुमार शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रंजन कुमार ने कहा कि देश और राज्य के विकास में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से सामाजिक न्याय, संविधान, शिक्षा, रोजगार और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए संगठित होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल सदैव युवाओं, छात्रों, किसानों और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लड़ता रहा है। युवा राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अवधेश सिंह यादव ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा और सहभागिता से ही संगठन मजबूत होगा तथा सामाजिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होगा।

राष्ट्रीय जनता दल बोकारो जिलाध्यक्ष बुद्धनारायण यादव ने युवाओं को संगठन की ताकत बताते हुए उन्हें जनहित के मुद्दों पर आगे बढ़कर कार्य करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर बोकारो जिला प्रभारी संजय यादव, प्रदेश महासचिव अजय यादव तथा प्रदेश महासचिव जितेंद्र नारायण यादव ने भी अपने विचार व्यक्त किए और युवाओं को पार्टी की विचारधारा से जुड़कर संगठन को मजबूत बनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष संदीप पासवान ने कहा कि जिला स्तरीय युवा संवाद चौपाल यात्रा का उद्देश्य युवाओं की समस्याओं, सुझावों और आकांक्षाओं को सुनना तथा उन्हें सामाजिक न्याय की विचारधारा से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि युवाओं की भागीदारी से ही एक सशक्त और समतामूलक समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष आशीष मोदी, जिला महासचिव सुनील कुमार, जिला महानगर अध्यक्ष मनोज यादव, चास प्रखंड अध्यक्ष कंचन पासवान, प्रखंड सचिव अर्जुन हाजरा, दीपक पासवान सहित बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता, पार्टी पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ तथा उपस्थित युवाओं ने सामाजिक न्याय, शिक्षा, रोजगार और युवाओं के अधिकारों की लड़ाई को और मजबूती से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

जिला कांग्रेस का आरोप: धनबाद सांसद को कांग्रेस फोबिया, अपने क्षेत्र की घटनाओं पर मौन

बिभा संवाददाता

बोकारो। जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कांग्रेस जिला अध्यक्ष जवाहर लाल महथा ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि धनबाद सांसद और पूर्व नेता प्रतिपक्ष को कांग्रेस फोबिया हो गया है। महथा ने आरोप लगाया कि सांसद अपने क्षेत्र में हो रही गंभीर घटनाओं पर चुप रहते हैं, जबकि अन्य जिलों में जाकर कांग्रेस और उसके नेताओं पर निराधार बयानबाजी करते हैं।

महथा ने कहा कि हाल के दिनों में संथाल लाघला चंदनकियारी में किसन मोदक के घर घुसकर मारपीट की गई और इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हुई – यह वही विधानसभा क्षेत्र रहा है जिससे सांसद चुनकर मंत्री और बाद में नेता प्रतिपक्ष बने थे – बावजूद इसके सांसद ने इस प्रकरण पर कोई टिप्पणी तक नहीं की। दूसरी ओर, उन्होंने कहा, बेरमो की घटना पर सांसद अनर्गल बयान देते हैं। महथा ने यह भी कहा कि सांसद के संसदीय क्षेत्र में आए दिन गोलीबारी जैसी घटनाएँ होती रहती हैं, फिर भी वहाँ से सांसद की कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलती न ही वे घटनास्थल पर जाते हैं।

महथा ने आगे आरोप लगाया कि भाजपा नेता सस्ती लोकप्रियता के लिए कांग्रेस पर बिना आधार के, झूठे आरोप लगाते रहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेताओं का जनसरोकार या जनकल्याण में कोई रुचि नहीं है; वे समाज में हिन्दू-मुस्लिम, दलित-पिछड़ा जैसे विभाजन पैदा कर उसे तोड़ने और वैमनस्य फैलाकर सत्ता का सुख पाना चाहते हैं।

प्रेस वार्ता में जिला उपाध्यक्ष देवाशीष, अशोक मिश्रा, प्रेम राय, राज कुमार विद्यार्थी और युवा कांग्रेस अध्यक्ष नितेश भारद्वाज सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

दामोदर नदी में डूबने से युवक की मौत, तीसरे दिन में मिला युवक का शव

बोकारो(बिभा)। बोकारो के चंद्रपुरा प्रखंड अंतर्गत राजा बेड़ा स्थित दामोदर नदी में डूबने से 32 वर्षीय विकास कुमार सिंह की मौत हो गई। बताते चले की विकास कुमार सिंह भंडारीदह विनोद बिहारी चौक के पास के रहने वाले थे। जो शनिवार से लापता था.। परिजनों के द्वारा काफी खोजबीन करने के उपरांत उसकी बाइक राजा बेड़ा पुल के पास से बरामद की गई थी। जबकि उसका कपड़ा नदी के उस पार दक्षिणी तट पर राजा बेड़ा भंडारी दह के साथ खटिया घाट के पास से बरामद की गई। जिसे परिजनों एवं स्थानीय लोगों को युवक की नदी में डूबने की आशंका हुई तथा इसकी सूचना प्रशासन को प्राप्त होने के उपरांत गोताखोरों को नदी में उतारने तथा खोजबीन करने के लिए खेतको से गोताखोरों को बुलाया गया। गोताखोरों के द्वारा काफी खोजबीन करने के बाद भी दूसरे दिन युवक का कोई आता पता नहीं चला। तथा आज सोमवार को गोताखोरों के द्वारा पुनः खोजबीन की गई उसके उपरांत गोता खोरों को नदी में खोज बिन करने के लिये नदी में उतारा गया। इसके उपरांत 32 वर्षीय विकास कुमार की शव नदी से बरामद की गई। शव मिलते हैं परिजनों एवं स्थानीय लोगों में शोक की लहर दौर गई.। तथा परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हैं।

बोकारो जिले के भंडारीदह रेलवे ट्रैक पर मिला युवती का शव

बोकारो(बिभा) । बोकारो जिले के चंद्रपुरा थाना क्षेत्र के चंद्रपुरा भंडारीदह रेल ट्रैक पर एक युवती का शव पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस सूत्रों ने आज यहां बताया कि आस पास के लोगों से एवं सोशल मीडिया के माध्यम से पता चला कि यह शव सोनी कुमारी उम्र करीब 20 वर्ष पता घटियारी गोसाईडीह थाना चंद्रपुरा का है। परिजनों एवं उनके आस पास के लोगों से पूछताछ करने पर पता चला कि बच्ची का शारीरिक एवं मानसिक विकाश सामान्य नहीं होने के कारण वह अवसाद में रहती थी। रेल पुलिस ने बताया कि चंद्रपुरा जंक्शन स्टेशन नंबर 16/31 के पास पोल के पास दूसरी रेलवे लाइन से एक युवती की लाश बरामद की गयी। मरने वाले ने हल्के आसमानी रंग की पूरी बाजू की शर्ट और गहरे नीले रंग की पूरी लंबाई की पैंट पहनी हुई थी। शक है कि उसकी मौत सफर के दौरान ट्रेन से गिरने से हुई। पुलिस शव को अन्तपरीक्षण के लिए चास सदर अस्पताल भेजकर मामले की जांच कर रही है।

कसमार में किशोरियों को दी गई पाक्सो एक्ट और कानूनी अधिकारों की जानकारी

बोकारो(बिभा)। कसमार प्रखंड के पोंडा पंचायत भवन में किशोरियों के अधिकारों और सुरक्षा को लेकर एक दिवसीय कानूनी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सामाजिक संस्था 'सहयोगिनी' द्वारा आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य किशोरियों को पाक्सो एक्ट तथा महिला हिंसा के खिलाफ बने कानूनों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में उपस्थित तेनुघाट न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता विजय किशोर गौतम ने किशोरियों को कानूनन प्राप्त अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने पाक्सो एक्ट की बारीकियों को समझाते हुए कहा लड़कियों को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना चाहिए। कानून उनकी सुरक्षा के लिए बेहद सख्त है, बस जरूरत है सही समय पर आवाज उठाने और जागरूक रहने की। इस मौके पर सहयोगिनी संस्था के निदेशक गौतम सागर ने बोकारो जिले में महिलाओं और किशोरियों के सशक्तिकरण व सुरक्षा के लिए संस्था द्वारा चलाई जा रही विभिन्न गतिविधियों और भावी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन संस्था की समन्वयक कुमारी किरणने किया। इस जागरूकता शिविर में ग्रामीण किशोरियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने अधिकारों से जुड़े सवाल भी पूछे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से नीतू मुर्मू, साक्षी कुमारी, रिया कुमारी, रुमा कुमारी, पायल कुमारी, कविता कुमारी, उमा मुंडा और रिया रजवार सहित कई अन्य किशोरियाँ व स्थानीय लोग उपस्थित थे।

एसपी के निर्देश पर थाना प्रभारी ने वाहन जांच अभियान चलाया

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो के बालीडीह एनएच पर सोमवार को पुलिस ने व्यापक वाहन जांच अभियान चला कर राहगीरों और चालक-यानों को सुरक्षा के प्रति सख्त चेतावनी दी। बोकारो पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा के निर्देश पर बालीडीह थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह की अगुवाई में चलाए गए एंटी क्राइम चेकिंग अभियान में यातायात नियमों का उल्लंघन कर रहे कई वाहन रुके और जांच की गई। कुछ लोगों को चेतावनी दी गई तो कुछ के चालान भी कटे।

थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह ने कहा कि खुद की सुरक्षा की रक्षा के लिए बाइक चलाते समय सिर पर हेलमेट और कार में सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि सीट बेल्ट व हेलमेट न पहनकर यात्रा करना सीधे अपने जीवन को खतरे में डालने के समान है। अभियान के दौरान पुलिस ने छोटी-बड़ी सभी चलती गाड़ियाँ चेक कीं और नियमों का पालन सुनिश्चित करवाया।

प्रभारी ने बताया कि प्रशासन की लगातार सख्ती के कारण चालानों की संख्या में वृद्धि हुई है और लोगों में जागरूकता भी बढ़ रही है। उन्होंने आम जनता से अपील की कि ट्रैफिक नियमों का पालन कर अपनी और दूसरों की जान की सुरक्षा करें।

पुलिस ने बताया कि ऐसे अभियान नियमित अंतराल पर जारी रहेंगे ताकि सड़क सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सके और दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

जेईई एडवांस्ड 2026 में डीएवी सेक्टर-4 के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

बोकारो। डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4, बोकारो के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा और परिश्रम का उत्कृष्ट परिचय देते हुए देश की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस 2026 में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। विद्यालय की छात्रा अमर ज्योति ने जेईई एडवांस्ड में 10249वीं रैंक प्राप्त कर विद्यालय एवं अपने अभिभावकों का नाम गौरवान्वित किया। वहीं विद्यालय के छात्र एम.डी. फैजान रजा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 4780वीं रैंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इसके अतिरिक्त विद्यालय के कई विद्यार्थियों ने जेईई एडवांस में सफलता अर्जित की है। विद्यालय के प्राचार्य श्री एस. के. मिश्रा ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा, जेईई एडवांस्ड जैसी कठिन एवं प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षा में सफलता प्राप्त करना अत्यंत गौरव की बात है विशेषकर अमर ज्योति एवं एम.डी. फैजान रजा ने यह सिद्ध कर दिया है कि समर्पण, नियमित अध्ययन और आत्मविश्वास के बल पर किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। मैं जेईई एडवांस्ड क्वालीफाई करने वाले सभी विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। विद्यालय के शिक्षकों ने भी इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ की।

चास कॉलेज प्रशासनिक विभाग और परिक्षार्थी के बीच नोकझोक, पुलिस पहुंची

बिभा संवाददाता

बोकारो । इमामुल हई खान लॉं कालेज बोकारो के परीक्षार्थी और चास कालेज चास के प्रशासनिक विभाग के साथ सोमवार को जमकर नोकझोक हुई। परीक्षाथीर्यो की मनोदशा को देखकर कालेज प्रशासन को पुलिस की सहारा लेनी पड़ी। परीक्षा समाप्त के पश्चात शाम साढ़े छः बजे तक लॉ के परीक्षर्थी चास कालेज चास के प्राचार्य से माफी मांगने की बात को लेकर अड़े हुए थे वही चास कालेज चास के परीक्षा नियंत्रक डाक्टर रामप्रवेश कुमार ने बताया की एक परीक्षार्थी जिसका नाम सौरव कुमार है ने अपने प्रवेश पत्र में नकल (चीटिंग) करने के उद्देश्य से पूरा लिखकर लाया गया था। वह परीक्षार्थी परीक्षा के प्रारंभिक दिन में ही नकल करते हुए पकड़ा गया। इससे क्षुब्ध परीक्षाथीर्यो ने उसी दिन परीक्षा नियंत्रक और अन्य विक्षिको के साथ दुर्व्यवहार करने लगे। आज परीक्षा के अंतिम दिन सोमवार को सभी परीक्षार्थी एकजुट होकर कालेज प्रशासन के विरुद्ध नारे बाजी करने लगे। हालात अनियंत्रित होते देख कालेज प्रशासन को पुलिस बल का सहारा लेना पड़ा।

क्या है मामला

इमामूल हाइ खान लॉ कालेज के सेमेस्टर वन के छात्र छात्राओ का परीक्षा 22 मई से 1 जुन तक चास कालेज चास में चल रहा था। चास कालेज चास के केंद्राधीक्षक और परीक्षा नियंत्रक द्वारा विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के निर्देशनुसार शांतिपूर्ण ढ़ंग परीक्षा संचालित हो रहा था। नकल से रोकने से परीक्षार्थी और कालेज प्रशासन के बीच परीक्षा के प्रथम दिन से ही मनमुटाव चल रहा था। प्रवेश पत्र में साफ तौर से बिंदुवार निर्देशित किया गया है की परीक्षार्थी लेखन सामग्री के अलावे बोतल वाला पानी ही लेकर परीक्षा कक्ष में प्रवेश कर सकते है परंतु परीक्षार्थी इस नियम को धत्ता बताते हुए मोबाइल के साथ परीक्षा कक्ष में जाने की जिद्ध कर रहे थे। इसी बात को लेकर परीक्षा के अंतिम दिन नोकझोक और हाथापाई हुई।

ओएनजीसी सीबीएम, परिसंपत्ति प्रबंधक टीआर उन्नीकृष्णन सेवानिवृत्त, राजीव कुमार सिन्हा ने संभाला पदभार

बिभा संवाददाता

बोकारोः ओएनजीसी सीबीएम परिसंपत्ति, बोकारो के परिसंपत्ति प्रबंधक टी.आर. उन्नीकृष्णन नायर दिनांक 31 मई को सेवानिवृत्त हो गए। श्री नायर ने 01 अप्रैल 2025 को बोकारो एसेट का कार्यभार संभाला था और एक वर्ष के अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ दर्ज कीं।

कार्यकाल के दौरान ओएनजीसी सीबीएम, बोकारो ने हजारीबाग जिले के नॉर्थ करनपुरा ब्लॉक से गैस की बिक्री शुरू कर दी है, जिससे कंपनी को नियमित राजस्व प्राप्त होने लगा है और सरकार को रॉयल्टी भी उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अतिरिक्त, बोकारो जिले के झरिया क्षेत्र में गैस मुद्रीकरण को लेकर भी स्पष्ट प्रगति हुई है और वहां से जल्द ही गैस की बिक्री शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है।

श्री नायर के दिशा-निर्देशन में कंपनी ने अपने सीएसआर कार्यक्रमों को भी सक्रिय रूप से आगे बढ़ाया।

नये परिसंपत्ति प्रबंधक के रूप में राजीव कुमार सिन्हा ने 01 जून 2026 को पदभार ग्रहण किया। उद्योग जगत में 35 वर्षों से अधिक का समृद्ध अनुभव रखने वाले श्री सिन्हा का करियर तकनीकी और प्रबंधकीय दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने 1991 से 2003 तक मुंबई हाई और बी एंड एस एसेट के ऑफशोर कंस्ट्रक्शन ग्रुप में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाईं। इसके बाद 2003 से 2021 तक वे हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय में रहे और वहाँ मुख्य तकनीकी अधिकारी के पद तक पहुँचे। 2021 से 2024 के दौरान उन्होंने नाज़िरा (असम) में फ्रंट एंड जियोमैटिक्स और प्रमुख प्रोजेक्ट्स का नेतृत्व किया। बोकारो आगमन से पूर्व (2024-2026) वे मेहसाणा में एसईएम-5 तथा तकनीकी सेल एवं विपणन प्रभारी के रूप में कार्यरत थे।

कंपनी के सूत्रों ने बताया कि श्री सिन्हा के दीर्घकालिक तकनीकी ज्ञान और प्रबंधकीय कौशल से सीबीएम परिसंपत्ति, बोकारो को और अधिक तकनीकी मजबूती तथा व्यवसायिक विस्तार मिलने की सम्भावना है। स्थानीय विकास एवं ऊर्जा मुद्रीकरण के आयोजन और सीएसआर पहलों को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने की उम्मीद जताई जा रही है।

चेक बाउंस व धोखाधड़ी मामलों में हरला पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

बोकारो । हरला थाना पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में नॉन-बेलेबल वारंट के आधार पर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पहला मामला सीपी केस संख्या.-1347/25 के संबंध में है, जिसमें नियोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 के तहत चेक बाउंस होने का आरोप है। गिरफ्तार व्यक्ति अजय कुमार (पिता मनोज कुमार विश्वकर्मा), निवासी सेक्टर-08/बी, स्ट्रीट-36, क्वार्टर नंबर 2410, हरला थाना इलाके का निवासी है। उसे अदालत में पेश करने के लिए हिरासत में लिया गया है।

दूसरा मामला पूर्ण मामला नंबर 2000719/2015 है, जिसमें धोखाधड़ी व साजिश (धाराएँ 420 और 120(बी)) का आरोप है। इस मामले के नॉन-बेलेबल वारंट पर युधिष्ठिर कुशवाहा (पिता अल बाबू महतो), निवासी सेक्टर-08/सी, क्वार्टर नंबर 1384 को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों को प्रथम द्दष्टया अदालत के समक्ष पेश करने के लिए पुलिस ने नियंत्रित कर रखा है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

हरला थाना के अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद आरोपियों को उचित सुरक्षा व कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस ने कहा कि आरोपों की निष्पक्ष जांच कर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। मामले से जुड़े दस्तावेज और जांच पर अभी और विवरण मिलने बाकि हैं। स्थानीय लोगों ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई से कानून का पालन करने वाले नागरिकों में राहत की भावना होती है, जबकि आरोपियों के संबंधियों ने गिरफ्तारी पर आपत्ति जताई है। हरला थाना न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने तक मामले की गोपनीयता बनाए रखने की अपील कर रहा है।

चिन्मय विद्यालय बोकारो का जेईई एडवांस 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन

आर्यन ने ऑल इंडिया रैंक 1097 एवं एहर श्रेणी में 128वीं रैंक प्राप्त कर विद्यालय में किया सर्वोच्च प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

बोकारो। जेईई मेन्स (सेशन-1 एवं सेशन-2) में उल्लेखनीय सफलता के बाद चिन्मय विद्यालय बोकारो के विद्यार्थियों ने जेईई एडवांस 2026 में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया है। सोमवार को परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में उत्साह और खुशी का माहौल छा गया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती, अध्यक्ष श्री बिस्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव श्री महेश त्रिपाठी, प्राचार्य श्री सूरज शर्मा, वरीय उप-प्राचार्य श्री नर्मेन्द्र कुमार तथा उप-प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। इस अवसर पर स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती ने विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर उनकी सफलता का उत्सव मनाया।

प्राप्त परिणामों के अनुसार, आर्यन ने ऑल इंडिया कॉमन रैंक लिस्ट में 1097वीं रैंक तथा जनरल ईडब्ल्यूएस श्रेणी में 128वीं रैंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त ईशान सिन्हा ने 2584वीं रैंक, के. सूर्या नारायण ने 9738वीं रैंक, प्रियांशु राज ने 15338वीं रैंक (ईडब्ल्यूएस रैंक-2082), आदित्य रंजन ने 15388वीं रैंक, नारायण रॉय ने 15755वीं रैंक, ऋशु राज ने 18372वीं रैंक (ईडब्ल्यूएस रैंक-4941), सिद्धांत सिन्हा ने 24285वीं रैंक तथा अभी कुमार ने 26095वीं रैंक (ओबीसी-एनसीएल रैंक-7415) प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी ने सभी सफल विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की उपलब्धियां ही किसी शिक्षण संस्थान की वास्तविक पहचान होती हैं।

विद्यालय के प्राचार्य श्री सूरज शर्मा ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि चिन्मय विद्यालय बोकारो सदैव शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुशासन और मूल्य-आधारित शिक्षा के लिए जाना जाता रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है।

जेईई एडवांस्ड में डीपीएस बोकारो का उल्लेखनीय प्रदर्शन, अमन रहा टॉपर

बिभा संवाददाता

बोकारो : इंजीनियरिंग की संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) एडवांस्ड- 2026 में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन के साथ शानदार सफलता पाई है। सोमवार को जारी परीक्षा परिणाम के अनुसार समाचार भेजे जाने तक 16 विद्यार्थियों के सफल होने की सूचना है। विद्यालय के छात्र अमन राज अमन ने अखिल भारतीय स्तर पर एससी कैटेगरी में 651वां रैंक लाकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इसी कैटेगरी के तन्मय कुमार 970वें रैंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वहीं, मेधावी छात्र अनुज ने कॉमन रैंक लिस्ट (सीआरएल) में एआईआर 3513 के साथ उम्दा प्रदर्शन किया। इनके अलावा सभी श्रेणियों को मिलाकर सूर्यांश, क्रांति कृष महतो, कुमार अनमोल, ध्रुव सत्यम, रिद्धिम गुप्ता, सैयद अरहम अशरफ, आयुष राज आदि ने भी अच्छी सफलता प्राप्त की। अन्य सफल छात्र-छात्राओं के नाम आने की भी संभावना है। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विदित हो कि जेईई मेन की परीक्षाएं दो सत्रों में आयोजित की गई थीं। पहला सत्र 21-29 जनवरी 2026 के बीच हुआ था, जबकि दूसरा सत्र 02 से 08 अप्रैल, 2026 की अवधि में संपन्न हुआ था। वहीं, एडवांस्ड की परीक्षा 17 मई, 2026 को आयोजित की गई थी।

2025 बैच के 7 परीक्ष्यमान पदाधिकारियों ने उपायुक्त, एसपी और उप विकास आयुक्त से किया शिष्टाचार मुलाकात

बिभा संवाददाता

लातेहारः भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) 2025 बैच (प्रथम चरण) के 7 (सात) परीक्ष्यमान पदाधिकारियों ने आज उपायुक्त लातेहार, पुलिस अधीक्षक व उप विकास आयुक्त से शिष्टाचार मुलाकात की। उपायुक्त ने सभी प्रशिक्षु पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए उन्हें प्रशासनिक सेवा के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया,उपायुक्त संदीप कुमार ने अधिकारियों को प्रशासनिक सेवा के दौरान जनहित, संवेदनशीलता और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का दिया संदेश,कहा कि प्रशिक्षण काल में प्राप्त अनुभव भविष्य में बेहतर प्रशासनिक निर्णय लेने में सहायक सिद्ध होंगे वर्ष 2025 बैच के सात प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने सोमवार को लातेहार उपायुक्त संदीप कुमार, पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव व उप विकास आयुक्त सैयद रियाज अहमद से शिष्टाचार भेंट की।इस अवसर पर उपायुक्त ने अधिकारियों का स्वागत करते हुए उन्हें प्रशासनिक सेवा के दौरान जनहित, संवेदनशीलता और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संदेश दिया।उपायुक्त ने कहा कि किसी भी अधिकारी के लिए क्षेत्रीय भ्रमण और जमीनी स्तर की समझ अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनने तथा योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करने की सलाह दी। साथ ही लातेहार जिले की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत से भी उन्हें अवगत कराया।उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, उनके प्रभावी क्रियान्वयन, प्रशासनिक प्रक्रियाओं तथा जिले में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी भी दी। उपायुक्त ने कहा कि प्रशिक्षण काल में प्राप्त अनुभव भविष्य में बेहतर प्रशासनिक निर्णय लेने में सहायक सिद्ध होंगे।प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षु अधिकारी बेतला राष्ट्रीय उद्यान, लोध जलप्रपात, पलामू किला तथा नेतरहाट का भ्रमण कर वहां की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विशेषताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार दिनेश कुमार, गोपनीय पदाधिकारी श्रेयांस, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चन्दन,जिला खेल पदाधिकारी अभिनेष त्रिपाठी एवं अन्य मौजूद थें।

सभी थाना प्रभारी संवेदनशील स्थलों को चिन्हित कर सीसीटीवी कैमरे लगाने का तैयार करें प्रस्ताव : एडीजी

बिभा संवाददाता

रांची। अपर पुलिस महानिदेशक, मुख्यालय (एडीजी) सह पुलिस महानिरीक्षक मनोज कौशिक ने सोमवार को रांची के पुलिस कार्यालय कक्ष में विधि-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण एवं अनुसंधान से संबंधित एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की।

बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची, पुलिस अधीक्षक (नगर), पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), अपर पुलिस अधीक्षक (कोतवाली), सभी पुलिस उपाधीक्षक एवं जिले के सभी थाना प्रभारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान जिले की विधि-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, अनुसंधान की प्रगति और विभिन्न विशेष अभियानों की विस्तृत समीक्षा की गई। अपर पुलिस महानिदेशक सह पुलिस महानिरीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि अपने-अपने थाना क्षेत्रों में ऐसे संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण स्थलों को चिन्हित करें, जहां अपराध नियंत्रण एवं निगरानी के उद्देश्य से सीसीटीवी कैमरों की आवश्यकता है। साथ ही, पूर्व से स्थापित सीसीटीवी कैमरों की समीक्षा करते हुए अतिरिक्त आवश्यक स्थलों का चयन कर वहां बेहतर गुणवत्ता का सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में जिले में कार्यरत पीसीआर, टाइगर मोबाइल, शक्ति कमांडो, हाईवे पेट्रोलिंग एवं अन्य गश्ती दलों के कार्यों की समीक्षा की गई। गश्ती व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने, संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने और त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए।

अनुसंधान संबंधी मामलों की समीक्षा के क्रम में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, अत्याचार निवारण अधिनियम से संबंधित कांडों के अनुसंधान, पीड़ितों को विधिसम्मत सहायता उपलब्ध कराने, समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने और निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप कांडों के निष्पादन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, वैज्ञानिक साक्ष्यों के उपयोग तथा आरोप-पत्रों के समय पर समर्पण पर विशेष बल दिया गया।

बैठक में गुमशुदा बच्चों से संबंधित मामलों की भी समीक्षा की गई। इस संबंध में मानक कार्यप्रणाली (एसओपी) के अनुरूप कार्रवाई सुनिश्चित करने, प्रत्येक मामले में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने तथा बच्चों की शीघ्र बरामदगी के लिए निर्देश दिया गया।

एनडीपीएस अधिनियम से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए मादक पदार्थों के अवैध व्यापार एवं तस्करी के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। सभी पुलिस उपाधीक्षकों एवं थाना प्रभारियों को मादक पदार्थों की बिक्री, परिवहन और वितरण से संबंधित सूचनाओं का संकलन कर उसके आधार पर प्रभावी छापेमारी एवं विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने करने के लिए निर्देशित किया गया। विशेष रूप से विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों के आसपास के क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने तथा आवश्यकतानुसार विशेष अभियान एवं छापेमारी चलाने का निर्देश दिया गया।

इसके अतिरिक्त 10 जून से 25 जून तक जिले के विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों में मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के संबंध में व्यापक जन-जागरूकता अभियान संचालित करने का निर्देश दिया गया, ताकि युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जा सके। बैठक में संगठित अपराध, रंगदारी, आपराधिक गिरोहों एवं अन्य आपराधिक गैंगों की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए उनके विरुद्ध प्रभावी एवं निरंतर कार्रवाई करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सक्रिय अपराधियों की पहचान, उनके आर्थिक एवं आपराधिक नेटवर्क का विश्लेषण और विधिसम्मत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

पत्रकार रितेश खंडेलवाल की पुत्री के निधन से शहर में शोक की लहर

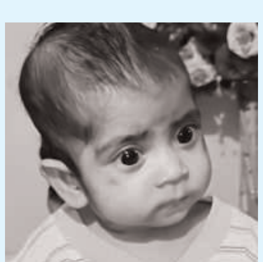

हजारीबाग(बिभा) : शहर के युवा पत्रकार रितेश खंडेलवाल की 13 माह की नन्हीं सुपुत्री के असामयिक निधन से पूरे शहर में शोक की लहर दौड़ गई। मासूम बालिका के निधन का समाचार सुनकर पत्रकारिता जगत, सामाजिक संगठनों एवं विभिन्न वर्गों के लोगों ने गहरा दुःख व्यक्त किया। इतनी कम उम्र में एक मासूम बच्ची का इस संसार से विदा हो जाना सभी के लिए अत्यंत पीड़ादायक और हृदय विदारक घटना रही। लोगों ने ईश्वर से दिवंगत बालिका की पवित्र आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।निधन का समाचार मिलते ही हजारीबाग के पत्रकारों के बीच शोक की लहर फैल गई। विभिन्न पत्रकार समूहों एवं सोशल मीडिया मंचों पर श्रद्धांजलि और शोक संदेशों का सिलसिला लगातार चलता रहा। कई पत्रकारों, समाजसेवियों एवं शुभचिंतकों ने परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।मारवाड़ी युवा मंच ने भी गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत बालिका को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बताया कि बालिका की अंतिम यात्रा रविवार संध्या 6 बजे हजारीबाग स्थित उनके आवास से निकाली गई।अंतिम यात्रा में शहर के गणमान्य नागरिकों, पत्रकारों, सामाजिक कार्यकताओं एवं बड़ी संख्या में शुभचिंतकों ने शामिल होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।इस दुःखद अवसर पर उपस्थित लोगों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत बालिका की आत्मा को शांति प्रदान करें और परिवार को इस असहनीय क्षति को सहन करने का संबल दें।

ग्रीष्मकालीन वुशु प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

रांची(बिभा) : रांची जिला वुशु एसोसिएशन एवं झारखंड वुशु एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में बिरसा मुंडा स्टेडियम स्थित वुशु हॉल में आयोजित 10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन वुशु प्रशिक्षण शिविर का आज विधिवत शुभारंभ किया गया। शिविर का उद्घाटन झारखंड सेपक टकरा एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री उदय साहु ने किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास, अनुशासन एवं समर्पण के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में झारखंड वुशु एसोसिएशन के सचिव श्री शैलेन्द्र दुबे, वुशु कोच श्री दीपक गोप सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे। शिविर में रांची जिले के खिलाड़ियों के साथ-साथ राज्य के अन्य जिलों के खिलाड़ी भी भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान खिलाड़ियों को वुशु खेल की विभिन्न तकनीकों, कौशल एवं प्रतियोगितात्मक तैयारियों का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर 10 जून 2026 तक संचालित होगा। आयोजकों ने खिलाड़ियों से शिविर का अधिकतम लाभ उठाकर अपने खेल कौशल को और बेहतर बनाने का आह्वान किया है।

महली जनजाति विकास मंच के केंद्रीय समिति की बैठक 7 को

रांची(बिभा) : एएमटीईडब्ल्यूटी के अध्यक्ष ने बताया कि 07 जून 2026, दिन रविवार को महली जनजाति विकास मंच, झारखंड प्रदेश की केंद्रीय समिति के पुनर्गठन हेतु पुराना विधान सभा भवन सभागार धुर्वा रांची में चुनाव कार्यक्रम निर्धारित है। चूंकि ऑल महली ट्राइब एंप्लॉई वेलफेयर ट्रस्ट (एएमटीईडब्ल्यूटी) महली समुदाय से संबंधित एक सामाजिक एवं कल्याणकारी ट्रस्ट है, अतः समाज के विभिन्न वर्गों में इस प्रकार की संभावनाएं एवं चर्चाएं उत्पन्न होना स्वाभाविक है कि उक्त चुनाव कार्यक्रम में ट्रस्ट की किसी प्रकार की भूमिका अथवा सहभागिता हो सकती है। उक्त संदर्भ में एएमटीईडब्ल्यूटी ने बताया कि महली जनजाति विकास मंच, झारखंड प्रदेश के केंद्रीय समिति पुनर्गठन संबंधी निर्धारित चुनाव कार्यक्रम में ट्रस्ट की प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से किसी प्रकार की कोई भूमिका, सहभागिता अथवा आधिकारिक संलिप्तता नहीं है। यदि ट्रस्ट के कोई सदस्य उक्त कार्यक्रम में शामिल होते हैं अथवा किसी प्रकार की सहभागिता निभाते हैं, तो वह उनका पूर्णतः व्यक्तिगत विषय माना जाएगा। यह जानकारी एएमटीईडब्ल्यूटी के अध्यक्ष ने विज्ञप्ति जारी कर दी।

उपायुक्त ने लोक नायक जयप्रकाश केन्द्रीय कारा, खुला जेल सह पुनर्वास केंद्र एवं निर्माणाधीन शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज परिसर का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

हजारीबागः उपायुक्त हेमन्त सती ने सोमवार को लोक नायक जयप्रकाश नारायण केन्द्रीय कारा, हजारीबाग का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संपूर्ण जेल परिसर का भ्रमण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने मुलाकाती कक्ष पहुंचकर कैदियों के परिजनों से बातचीत की तथा कैदियों के लिए लाई जा रही सामग्रियों की जांच प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने कारा परिसर में संचालित पारा लीगल सेल के वॉलेंटियर से बातचीत कर कैदियों को उपलब्ध कराई जा रही विधिक सेवाओं की जानकारी प्राप्त की।

उपायुक्त ने जेल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण करते हुए पेयजल व्यवस्था, शौचालय, शेड, सीसीटीवी सर्विलांस रूम, वॉच टावर एवं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने होमगार्ड जवानों के कार्यों का भी जायजा लिया। इसके अलावा जेल परिसर के भीतर संचालित प्रिंटिंग प्रेस, फाइल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट, हैंडलूम एवं पावरलूम इकाई का निरीक्षण कर वहां संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने कारा के किचेन, अस्पताल वार्ड तथा दवाओं की उपलब्धता की भी जांच की और आवश्यक निर्देश दिए।

हजारीबाग खुला जेल सह पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण

इसके उपरांत उपायुक्त ने हजारीबाग खुला जेल सह पुनर्वास केंद्र का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने सजायाफ्ता कैदियों से बातचीत कर उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली। सभी कैदियों के आधार कार्ड निर्माण की स्थिति की समीक्षा की। परिसर में स्थित पशु शेड का निरीक्षण किया गया। इस दौरान कैदियों ने पशुपालन के क्षेत्र में प्रशिक्षण की इच्छा व्यक्त की, जिस पर उपायुक्त ने शीघ्र प्रशिक्षण की व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया।

निमार्णाधीन मेडिकल कॉलेज अस्पताल का निरीक्षण

अपने भ्रमण के क्रम में उपायुक्त श्री हेमन्त सती ने निमार्णाधीन शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वहां चल रहे निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिति का अवलोकन किया। मौके पर उपस्थित मेडिकल कॉलेज अस्पताल के प्राचार्य को आवश्यक निर्देश दिए तथा कार्यकारी एजेंसी को निर्माण कार्य में तेजी लाने को कहा। साथ ही मेडिकल कॉलेज के संपूर्ण मानचित्र एवं प्रगति से संबंधित बिंदुओं के साथ विस्तृत बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया।पुराने समाहरणालय भवन परिसर का भ्रमण

इसके पश्चात उपायुक्त ने पुराने जिला समाहरणालय परिसर का भ्रमण कर वहां स्थित पुराने एवं निष्क्रिय भवनों की वर्तमान उपयोगिता एवं संभावित उपयोग के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि निरीक्षण का उद्देश्य व्यवस्थाओं की समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

आश्रम में दिव्यांग,मंदबुद्धि निराश्रितों की सेवा एवं कराया गया भोजन

जरूरतमंदों की सेवा ही ईश्वर की सच्ची अराधनाः संजय सर्राफ

बिभा संवाददाता

रांची : परमहंस डा० संत शिरोमणी श्री श्री 108 स्वामी सदानंद जी महाराज के सानिध्य मे एम.आर.एस.श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट रांची के द्वारा संचालित विगत 2 वर्षों से चल रहे पीड़ित मानव सेवा के पावन तीर्थ स्थल श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम पुंदाग के प्रांगण में सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम (सत्य-प्रेम सभागार) राँची में आश्रम में रह रहे 48 मंदबुद्धि दिव्यांग निराश्रित प्रभु जी एवं आश्रम में रहकर उनकी सेवा करने वाले सेवादार साथियों के बीच विभिन्न व्यंजनों के साथ अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसादी का विधिवत आश्रम के किचन में स्वादिष्ट एवं पौष्टिक भोजन बनवाकर भोजन खिलाया जा रहा है।सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि 16 मई से 31मई तक 16 दिनों मे 3560 निराश्रित प्रभुजी एवं उनकी देखभाल करने वाले सेवादार साथियों के बीच अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसाद का वितरण किया गया। उन्होंने बताया कि कई लोगों ने सहयोग देते हुए स्वयं भोजन सेवा का दायित्व निभाया, इसके अलावे कई लोगों द्वारा आश्रम में रह रहे निराश्रितो, मंदबुद्धि, दीनबंधुओं के लिए खाद्य सामग्री एवं जरूरत के समान प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि सेवा कार्यों को समाज के हर वर्ग का सहयोग और प्रोत्साहन मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानव प्रभु सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। जरूरतमंदों की सेवा ही ईश्वर की सच्ची अराधना है। अन्नपूर्णा सेवा के पुनीत कार्य में ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, मनोज कुमार चौधरी,निर्मल छावनिका, सज्जन पाड़िया, पुजारी अरविंद पांडे, पुरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल,सुरेश अग्रवाल,नन्द किशोर चौधरी, संजय सर्राफ, सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

मंगुरा ग्राम में काष्ठ कला प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ, महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की पहल

बिभा संवाददाता

हजारीबागः ईचाक प्रखंड अंतर्गत मंगुरा ग्राम में 01 जून को मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड की टूलकिट वितरण योजना के तहत काष्ठ कला प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण विश्वकर्मा औद्योगिक स्वावलंबी समिति द्वारा संचालित किया जा रहा है।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 07 दिवसीय होगा। प्रथम बैच में कुल 10 महिलाओं को काष्ठ कला का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को काष्ठ कला से संबंधित विभिन्न तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी, ताकि वे इस कला में दक्ष होकर स्वरोजगार के अवसर प्राप्त कर सकें।

मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड की टूलकिट वितरण योजना के अंतर्गत 90 प्रतिशत अंशदान पर विश्वकर्मा औद्योगिक स्वावलंबी समिति को काष्ठ कला से संबंधित मशीनें एवं टूलकिट उपलब्ध कराई गई हैं। इन संसाधनों के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना, उनके कौशल का विकास करना तथा उन्हें स्वरोजगार के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। यह पहल ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ग्रामीणों की एकजुटता और हक की जीतः बालूमाथ में भारी विरोध के बाद एनटीपीसी माइनिंग प्रोजेक्ट की जनसुनवाई रद्द

ग्राम सभा की अनदेखी और असंवैधानिक प्रक्रिया को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगाः अनीता देवी

बिभा संवाददाता

लातेहार/बालूमाथः बालूमाथ प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड (एनएमएल) को आवंटित 'नॉर्थ धाधु ईस्टर्न पार्ट कोल माइनिंग प्रोजेक्ट' के लिए आयोजित की गई जनसुनवाई को ग्रामीणों के भारी और चौतरफा विरोध के कारण जिला प्रशासन को रद्द करना पड़ा। इस अवसर पर प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों का नेतृत्व करते हुए लातेहार जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने प्रशासन और कंपनी प्रबंधन की तानाशाही के खिलाफ मजबूती से आवाज उठाई। बैठक में जिले के वरिष्ठ पदाधिकारी, स्थानीय अंचल अधिकारी , प्रखंड विकास पदाधिकारी और एनटीपीसी के उच्च अधिकारी मौजूद थे। जैसे ही जनसुनवाई की प्रक्रिया शुरू हुई, वैसे ही जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी और प्रभावित पंचायतों से आए सैकड़ों ग्रामीणों ने स्थान और प्रक्रिया को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया और नारेबाजी शुरू कर दी। ग्रामीणों के अटूट हौसले और भारी विरोध को देखते हुए अंततः अधिकारियों को आज की जनसुनवाई रद्द करने की घोषणा करनी पड़ी। इस ऐतिहासिक जीत पर प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों को बधाई देते हुए जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी ने अपना आधिकारिक वक्तव्य जारी किया, आज की जनसुनवाई का रद्द होना बालूमाथ के जागरूक ग्रामीणों, आदिवासियों और किसानों के अधिकारों की बड़ी जीत है। जिला प्रशासन और एनटीपीसी प्रबंधन बंद कमरों और प्रखंड मुख्यालयों में बैठकर ग्रामीणों के भाग्य का फैसला नहीं कर सकते। पेसा कानून और संविधान की पांचवीं अनुसूची हमें यह अधिकार देती है कि क्षेत्र के जल, जंगल और जमीन से जुड़ा कोई भी फैसला बिना 'ग्राम सभा' की अनुमति के नहीं लिया जा सकता। प्रशासन प्रभावित पंचायतों को छोड़कर दूर मुख्यालय में जनसुनवाई कराकर ग्रामीणों की आवाज दबाना चाहता था, जिसे हमारी एकजुटता ने नाकाम कर दिया। अनीता देवी ने कंपनी और अधिकारियों को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए आगे कहा प्रोजेक्ट की पर्यावरण प्रभाव रिपोर्ट , विस्थापन और पुनर्वास नीति और स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की शर्तों पर पूरी तरह से अपारदर्शी रुख अपनाया गया है। पूर्व के प्रोजेक्ट्स में विस्थापित हुए लोग आज भी दर-दर भटक रहे हैं, हम बालूमाथ के लोगों के साथ ऐसा अन्याय दोबारा नहीं होने देंगे। हमारी स्पष्ट मांग है कि इस जनसुनवाई को पूरी तरह निरस्त माना जाए और भविष्य में जब भी कोई चर्चा हो, वह किसी सरकारी परिसर में नहीं बल्कि सीधे प्रभावित गांवों की 'ग्राम सभा' के बीच पूरी पारदर्शिता के साथ हो।

उन्होंने साफ किया कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन विकास के नाम पर विनाश और स्थानीय लोगों की आजीविका को उजाड़ना किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। एक जनप्रतिनिधि के रूप में वे अंतिम सांस तक ग्रामीणों के जल, जंगल, जमीन और उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेंगी।इस मौके पर प्रभावित क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों के मुखिया, वार्ड सदस्य, ग्राम प्रधान और हजारों की संख्या में महिला एवं पुरुष ग्रामीण उपस्थित थे, जिन्होंने अपनी जमीन और भविष्य की रक्षा के लिए इस आंदोलन को सफल बनाया।

डीपीएस रांची के विद्यार्थियों ने जेईई एडवांस्ड 2026 में लहराया परचम

बिभा संवाददाता

रांची : दिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों का परिचय देते हुए संयुक्त प्रवेश जेईई) एडवांस्ड 2026 में शानदार प्रदर्शन किया है। विद्यालय के छात्र स्नेहल राज सिंह ने ऑल इंडिया रैंक 635 तथा कैटेगरी रैंक 107 प्राप्त कर टॉपर बने।

अन्य उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में शिवम कुमार सिंह (एआईआर 2031), धैर्य सिंह (एआईआर 4843), अक्षत ओम (एआईआर 6640), आमिर फैसल (एआईआर 9783) केशव बजाज (एआईआर 9790), आदित्य राज (एआईआर 11568), संस्कार रॉय (एआईआर 12789), प्रज्ञान रंजन (एआईआर 12971), श्लोक मोदी (एआईआर 13363), रौनक श्रीवास्तव (एआईआर 14127), वैभव पंकज (एआईआर 17253 एवं कैटेगरी रैंक 2372), मोहित देवघरिया (एआईआर 19655), आदिल अफजल (एआईआर 20293), विधि वैष्णवी (एआईआर 20489), सौम्या अग्रवाल (एआईआर 20711), सात्विक प्रसाद (एआईआर 20828), अंकित महापात्रा (एआईआर 22120), ताबिश माज (एआईआर 22138), आयुष आरव (एआईआर 25995) तथा देव पडिया (एआईआर 27701) शामिल हैं।

विद्यार्थियों की इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए डीपीएस रांची की प्राचार्या डॉ. जया चौहान ने कहा कि जेईई एडवांस्ड 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देती हूँ। उनकी सफलता उनके कठोर परिश्रम, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता के प्रति समर्पण का परिणाम है। मैं हमारे समर्पित शिक्षकों एवं सहयोगी अभिभावकों को भी बधाई देती हूँ, जिनके मार्गदर्शन और प्रोत्साहन ने इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह शानदार प्रदर्शन डीपीएस रांची की शैक्षणिक संस्कृति और मूल्यों को दशार्ता है।

भारत ने श्रमिकों, किसानों, एमएसएमई के लिए खाड़ी देश में अवसरों के द्वार खोले

लेखक

पीयूष गोयल

1 जून से लागू हो रहा भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस मिशन की एक निर्णायक उपलब्धि है, जिसका लक्ष्य नए बाजार खोलने और रोजगार सृजन को गति देने के जरिये भारत के छात्रों, कारीगरों, महिलाओं, किसानों, मछुआरों और एमएसएमई के लिए वैश्विक समृद्धि के मार्ग बनाना है।

भारत और ओमान के बीच गहरे आर्थिक संबंध हैं और लोगों के आपसी संबंध प्रगाढ़ हैं। ओमान में लगभग 7 लाख भारतीय रहते हैं, जिनमें वे व्यापारी परिवार भी शामिल हैं, जिनकी जड़ें 200झ300 साल पुरानी हैं। ओमान से भारत को भेजी जाने वाली वार्षिक धनराशि लगभग 2 बिलियन डॉलर है, जबकि देश में 6,000 से अधिक भारतीय उद्यम कार्यरत हैं।

दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से सुदृढ़ करता है। यह तुरंत ही ओमान में 98% टैरिफ लाइनों के लिए 100 प्रतिशत शुल्क मुक्त बाजार पहुंच की सुविधा देता है, जिसमें 99.38 प्रतिशत निर्यात शामिल है।

यह सीईपीए से पहले की प्रणाली की तुलना में एक उल्लेखनीय सुधार को दशार्ता है। पहले की प्रणाली में केवल 15.3 प्रतिशत भारतीय निर्यात ओमान में शून्य शुल्क के साथ प्रवेश कर सकते थे। भारत की ऐसी वस्तुएं, जिन पर वर्तमान में ओमान में 5 प्रतिशत आयात शुल्क लगता है और जिनकी कीमत लगभग 3.64 बिलियन डॉलर के निर्यात के बराबर है, अब काफी अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएंगी।

भारत के एमएसएमई क्षेत्र के लिए, यह समझौता परिवर्तनकारी हो सकता है, क्योंकि सीईपीए से लाभान्वित होने वाले कई क्षेत्रों में छोटे व्यवसायों की प्रमुखता है। लोहा और इस्पात, वस्त्र, चमड़ा, वाहन कल-पुर्जे और औद्योगिक उपकरण जैसे कुछ क्षेत्रों में एमएसएमई को बड़े अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर मिलने की उम्मीद है, जिससे उत्पादन, निवेश और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

बढ़ती वैश्विक अस्थिरता के युग में, सीईपीए भारतीय निर्यातकों को, जो आर्थिक मंदी और बढ़ते व्यापार बाधाओं का सामना कर रहे हैं, अपने बाजारों को विविध बनाने और परंपरागत बाजारों पर निर्भरता कम करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

रोजगार सृजन झ यह व्यापार समझौता श्रम-गहन क्षेत्रों जैसे वस्त्र और परिधान, चमड़ा और जूते, खाद्य प्रसंस्करण, समुद्री उत्पाद, रत्न और आभूषण और कुछ इंजीनियरिंग क्षेत्रों को लाभ पहुँचाता है, जो भारत के प्रमुख रोजगार प्रदाता हैं।

ओमान को होने वाले वस्त्र निर्यात में वृद्धि से उत्पादन में बढ़ोतरी होगी और तिरुपुर, सूरत, लुधियाना, पानीपत, कोयंबटूर, करूर, भदोही, मुरादाबाद, जयपुर और अहमदाबाद जैसे प्रमुख क्लस्टर में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। भारत भर के कारीगर और बुनकर भी अपने उत्पादों की उच्च अंतरराष्ट्रीय मांग से लाभान्वित होंगे।

भारत भर में, विशेष रूप से तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में, साथ ही महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों समेत चमड़ा और जूता के प्रमुख केंद्रों में भी रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

रत्न और आभूषण क्षेत्र एक अन्य उदाहरण है, जो दिखाता है कि सीईपीए रोजगार वृद्धि को किस प्रकार तेज करेगा। भारत के पास पहले से ही कटे और पॉलिश किए हुए हीरे, सोने और चांदी के आभूषण तथा हस्तनिर्मित आभूषण उत्पादन में मजबूत क्षमताएं हैं। शुल्क बाधाओं के हटने से, भारतीय निर्यातकों को यूरोपीय और एशियाई प्रतिस्पर्धियों पर निर्णायक बढ़त मिलेगी। उद्योग जगत का अनुमान है कि अगले तीन वर्षों में ओमान को होने वाला निर्यात बढ़ कर 150 मिलियन डॉलर तक हो सकता है। इससे पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, राजस्थान और गुजरात के आभूषण निर्माण केन्द्रों में महत्वपूर्ण रोजगार संभावनाएं सृजित होने की उम्मीद है।

किसान और मछुआरे - घरेलू किसानों और संवेदनशील कृषि हितों की सुरक्षा के लिए, भारत ने गेहूं, चावल, मक्का, मोटे अनाज, डेयरी, फल, सब्जियां, खाद्य तेल, तिलहन, चाय, कॉफी और शहद जैसे प्रमुख उत्पादों पर कोई टैरीफ छूट नहीं दी है।

घी, शहद, मीठे बिस्कुट, अंडे और कुछ मिष्ठान्न उत्पादों में भारत को प्रतिद्वंद्वियों पर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलेगा, जिससे देश के कृषि उत्पादों की मांग बढ़ेगी और ग्रामीण आय में वृद्धि होगी।

यह समझौता भारत के राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) प्रमाणन की स्वीकृति और मान्यता भी प्रदान करता है, जो भारतीय किसानों को ओमान में, जो एक प्रमुख खाद्य आयातक है, जैविक उत्पाद बेचने के लिए विशाल अवसर देगा।

समुद्री उत्पादों में भी विशाल संभावनाएँ हैं, जिनका अब तक उपयोग नहीं हो पाया है। 2022 और 2024 के बीच ओमान का समुद्री उत्पादों का आयात लगभग 119 मिलियन डॉलर था। भारत से आयात केवल 7.75 मिलियन डॉलर था, जिससे भारतीय समुद्री खाद्य निर्यात जैसे झींगा और जमे हुए कटलफिश के लिए विशाल अवसर मौजूद हैं। श्रम-गहन समुद्री उत्पाद उद्योग मछली पकड़ने, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, शीत-श्रृंखला लॉजिस्टिक्स और निर्यात संचालन में अतिरिक्त नौकरियाँ उत्पन्न कर सकता है।

दवा और पारंपरिक चिकित्सा - यूएसएफडीए, ईएमए, यूके एमएचआरए और टीजीए जैसे नियामकों द्वारा अनुमोदित भारतीय दवाएं 90 दिनों के भीतर ओमान में स्वचालित विपणन प्राधिकार प्राप्त करेंगी – जो भारतीय फार्मा निर्यातकों के लिए एक बड़ी सफलता है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि सीईपीए भारत की पारंपरिक चिकित्सा सेवाओं के लिए अवसर पैदा करता है। यह पारंपरिक चिकित्सा में संयुक्त अनुसंधान की व्यवस्था करता है।

सेवाएँ और आवागमन - समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू सेवा और आवागमन में निहित है। ओमान ने भारत के लिए विशिष्ट निर्यात क्षेत्रों में व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताएँ व्यक्त की है, जिनमें पेशेवर सेवाएँ, कंप्यूटर और आईटी सेवाएँ, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन, अनुसंधान और विकास तथा पर्यावरण सेवाएँ शामिल हैं। लेखा, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, निर्माण, शिक्षा और परामर्श जैसे क्षेत्रों में भारतीय पेशेवरों को बेहतर बाजार पहुँच से लाभ मिलने की उम्मीद है।

महत्त्वपूर्ण रूप से, ओमान ने भारतीय पेशेवरों और श्रमिकों के लिए आवागमन प्रतिबद्धताओं में वृद्धि पर सहमति व्यक्त की है। अंतर-कॉर्पोरेट स्थानांतरित कर्मियों और संविदा सेवा प्रदाताओं को चार साल तक रहने की अनुमति दी जाएगी, जबकि व्यवसाय आगंतुकों और स्वतंत्र पेशेवरों को आसान अस्थायी प्रवेश की सुविधा मिलेगी। इसने अंतर-कॉर्पोरेट स्थानांतरित कर्मियों के लिए ऊपरी-सीमा को 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है।

विकसित देशों के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की मोदी सरकार की पहल प्रत्येक भारतीय के जीवन को बेहतर बनाने के प्रधानमंत्री के मिशन का हिस्सा है।

ओमान के साथ समझौता याद दिलाता है कि व्यापार; विकास, रोजगार सृजन और साझा समृद्धि का एक शक्तिशाली उपकरण है। एक विभाजित और संरक्षणवादी दुनिया में, पीएम मोदी स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि एक नया, आत्मविश्वासी भारत पीछे नहीं हटेगा। यह साझेदारियों, प्रतिस्पर्धा और वैश्विक सहभागिता के माध्यम से आगे बढ़ेगा।

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं।)

संपादकीय

पंजाब के संकेत

सही मायने में पंजाब के हालिया स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों के आधार पर अगले साल की शुरूआत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए निर्णायक निष्कर्ष तो नहीं निकाले जा सकते। हां, लेकिन इन परिणामों से महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत जरूर मिलते हैं। निस्संदेह, लोकतंत्र की इस छोटी इकाई, नगर निकाय चुनावों में राज्य स्तर का व्यापक परिदृश्य तो नहीं उभरता, बल्कि स्थानीय मुद्दे इन चुनावों में निर्णायक भूमिका जरूर निभाते हैं। वैसे पिछले ट्रेंड के आधार पर कहा जा सकता है कि ऐसे चुनावों में राज्य के सत्ताधारी दल को लाभ निश्चित रूप से मिलता है। इसका कारण यह भी है कि प्रभावी व संपन्न लोग सत्तारूढ़ दल के करीब आना चाहते हैं। मतदाता यह मानकर चलते हैं कि विकास निधि और प्रशासनिक सहायता उन क्षेत्रों में सहज व सरलता से पहुंचती है, जहां सत्तारूढ़ दल से जुड़े प्रत्याशी चुनाव जीतते हैं। इस तथ्य की पुष्टि एक बार फिर से हुई है, जब इन निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी ने शानदार जीत हासिल की है। कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही जबकि भाजपा और अकाली दल निर्दलीय उम्मीदवारों से भी पीछे रह गए। वास्तव में इन आंकड़ों को सावधानी से देखना चाहिए। दरअसल, स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान कुल मतदान का प्रतिशत 64 फीसदी रहा, लेकिन नगर निगमों में यह भागीदारी 60 फीसदी रही, जो बड़े शहरों में मतदाता की सुस्ती को दशार्ता है। सही मायने में स्थानीय निकाय चुनावों में आमतौर पर मतदाताओं की भागीदारी असमान और कम रही है। माना जाता है कि विधानसभा चुनाव में मतदान आमतौर पर अधिक होता है और राजनीतिक मुद्दे व्यापक होते हैं। इसके बावजूद, यह चुनाव निष्कर्ष विपक्ष के लिए चिंताजनक वास्तविकता को दशार्ता है। पंजाब में पांव पसारते नशीली दवाओं के कारोबार, अपराध, कानून व्यवस्था और सरकार की शासन संबंधी नीतियों को लेकर विपक्ष की कड़ी आलोचना के बावजूद, विपक्षी दल जनता की असंतुष्टि को वोटों में तब्दील करने में विफल ही रहे हैं। कांग्रेस गुटबाजी और नेतृत्व की अनिश्चितता से जूझ रही है। वहीं दूसरी ओर शिअद अभी भी बेअदबी विवाद और किसान आंदोलन के राजनीतिक नतीजों से उबरने के लिए संघर्ष कर रहा है। हालांकि, भाजपा राज्य के चुनावी परिदृश्य में अभी भी एक मामूली खिलाड़ी ही साबित हुई है, मगर ऐसा लगता है कि उसने 2027 के लिए पहले से ही तैयारी शुरू कर दी है। जट सिख केवल सिंह ढिल्लों की पंजाब भाजपा अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति महत्वपूर्ण है। भाजपा ने अपने पारंपरिक शहरी-हिंदू आधार से आगे बढ़ने के प्रयास का संकेत दिया है। निस्संदेह, अभी विधानसभा चुनाव का रास्ता खासा लंबा है।

चिंतन-मनन

समानता का संदेश

पैगंबर मोहम्मद साहब ने मक्का विजय के बाद एक नीग्रो गुलाम बिलाल को पवित्र काबा की छत पर चढ़कर नमाज के लिए अजान देने का हुक्म दिया। बिलाल ने कुछ ही समय पहले इस्लाम अपनाया था। जब वह पवित्र काबा की छत पर चढ़ा तो कुछ कुलीन अरब नागरिक चिल्लाकर बोले, ओह! बुरा हो उसका, वह काला हब्शी अजान के लिए पाक काबा की छत पर चढ़ गया।

अश्वेतों के प्रति यह पूर्वाग्रह देख पैगंबर मोहम्मद साहब परेशान हो गए। उन्होंने कहा, ऐ लोगो! यह याद रखो कि सारी मानव जाति केवल दो श्रेणियों में बंटी है। पहली धर्मनिष्ठ, खुदा से डरने वाली, जो खुदा की दृष्टि में सम्मानित है। दूसरी जो उल्लंघनकारी, अत्याचारी, अपराधी, निर्दयी और कठोर है, जो खुदा की नजर में गिरी हुई है। संसार के सभी लोग एक ही आदमी की औलाद हैं।

अल्लाह ने आदम को मिट्टी से पैदा किया था। इसकी सत्यता का प्रमाण पवित्र कुरआन में इन शब्दों में दिया गया है :ऐ लोगो! हमने तुमको एक मर्द और एक औरत से पैदा किया और तुम्हारी विभिन्न जातियां और वंश बनाए, ताकि तुम एक दूसरे को पहचानो। असल में अल्लाह की निगाह में तुममें सबसे अधिक सम्मानित वह है, जो अल्लाह से सबसे ज्यादा डरने वाला है। अल्लाह पूरी तरह खबर रखने वाला है।

मोहम्मद साहब ने अपने अनुयायियों को हमेशा रूप-रंग, जाति-नस्ल, ऊंच-नीच या किसी भी किस्म के भेदभाव से दूर रहने को कहा। इन उपदेशों से अरब प्रभावित हुए और उन्होंने उनका पूरी तरह पालन किया। उन्होंने इस्लाम अपनाने वाले गुलाम नीग्रो लोगों से अपनी बेटियां ब्याह कर उनसे सम्मानजनक संबंध बनाए।

गुटखा प्रतिबंधित फिर भी 42 फीसद बढ़े ओरल कैंसर के मरीज

सनत जैन

केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा ओरल कैंसर के मामलों को रोकने के लिए पिछले 12 वर्षों से गुटखा प्रतिबंध लागू कर रखा है। इसके बाद भी ओरल कैंसर के मरीजों की संख्या कम होने के स्थान पर साल-दर-साल बढ़ती चली जा रही है। सरकारी दावे और जमीनी हकीकत दोनों एक दूसरे के विपरीत हैं। 1 अप्रैल 2012 को मध्य प्रदेश सरकार ने गुटके पर प्रतिबंध लगाया था, उसके बाद गुटखा कंपनियों ने तुम डाल-डाल हम पात-पात की नीति अख्तियार करते हुए पैकिंग को बदल दिया। पान मसाला और तंबाकू की पैकिंग को अलग-अलग करते हुए ग्राहकों को पान मसाला के साथ तंबाकू के पैकेट को भी साथ में दिया जाने लगा, जिसके कारण सरकार ने जो प्रतिबंध लगाया था वह एक छलावा बनकर रह गया है। सरकार के आदेश पर गुटखा की पैकिंग में यह चेतावनी भी प्रकाशित की जाने लगी कि गुटखा खाना जानलेवा है। इस प्रकार प्रतिबंध लगाते समय जो सरकार ने सोचा था ठीक उसके विपरीत परिणाम देखने को मिल रहे हैं। तंबाकू और पान मसाला की पैकिंग अलग-अलग होने के कारण पहले निश्चित मात्रा में गुटखा के पाउच के साथ मिली हुई तंबाकू आती थी, लेकिन जब से पैकिंग अलग हुई है उसके बाद लोगों ने ज्यादा तंबाकू खाना शुरू कर दिया है, वह अपनी इच्छा के अनुसार पान मसाले में तंबाकू मिला लेते हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश के जवाहरलाल नेहरू कैंसर अस्पताल के जो आंकड़े सामने आए हैं उसके अनुसार पिछले 14 वर्षों में ओरल कैंसर के मामले 42 फीसदी तक बढ़ गए हैं। हर साल इसमें वृद्धि देखने को मिल रही है। 2012 में इस अस्पताल में 1836 ओरल कैंसर के मरीज आए थे जो 2025 में बढ़कर 2614 हो गए। यह केवल एक कैंसर हॉस्पिटल का आंकड़ा है। देश में इस बीच में कई कैंसर के नए अस्पताल खुले हैं, उनमें भी ओरल कैंसर के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती चली जा रही है। कैंसर हॉस्पिटल और डॉक्टरों द्वारा इस पर चिंता व्यक्त की जा रही है। सरकार के प्रतिबंध लगाने के बाद गुटखा खाने वालों की संख्या पहले की तुलना में और ज्यादा बढ़ी है। पान मसाला और तंबाकू की अलग-अलग पैकिंग होने के कारण तंबाकू बड़े पैमाने पर खाई जा रही है। ओरल कैंसर के मरीज जो गुटखा खाते हैं कुछ समय के बाद उनका मुंह पूरा नहीं खुलता है। तंबाकू में मौजूद हानिकारक नाइट्रोसामाइंस गलों के अंदर की कोशिकाओं के डीएनए को सीधे नुकसान पहुंचाते हैं। इसके बाद इसमें ट्यूमर बनने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। पान मसाला में चूना मुंह की त्वचा को नुकसान पहुंचता है। तंबाकू में मौजूद निकोटिन और कसीनोजेनिक रसायन खून के साथ मिलकर तेजी के साथ ट्यूमर बनाने की प्रक्रिया में शामिल होते हैं, जिसके कारण ओरल कैंसर के मरीज का मुंह पूरा नहीं खुल पाता है, उसे खाने-पीने में तकलीफ होने लगती है। लगातार दर्द बढ़ता चला जाता है। ऐसी हालत में ओरल कैंसर के मरीज को ठीक कर पाना बहुत मुश्किल होता है। सरकार तरह-तरह के नियम और कानून बनाती है लेकिन उनका पालन कागजों तक सीमित होकर रह जाता है। जमीनी हकीकत ठीक इसके विपरीत होती है। गुटखा के इस कारोबार में भारी पैसा गुटका कंपनी कमाती हैं, जितना गुटका एक नंबर में बिकता है उससे कई गुना ज्यादा गुटका दो नंबर में बिकता है, जिसके कारण सरकार को एक्साइज ड्यूटी और जीएसटी का बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है। विज्ञापनों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है लेकिन पान पसंद पान मसाला के नाम पर बड़े पैमाने पर विज्ञापन प्रकाशित किए जाते हैं। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया में गुटका कंपनियों के विज्ञापन पहले की तुलना में और भी बढ़ गए हैं। सरकार के पास सही आंकड़े उपलब्ध नहीं होते हैं। गुटखा कंपनियों के इस कारोबार में खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की कोई निगरानी नहीं होती है। इसके पास निगरानी करने के लिए पर्याप्त संख्या में अधिकारी और कर्मचारी ही नहीं है। ऐसी स्थिति में खाद्य सुरक्षा के नाम पर गुटखा कंपनियों से वसूली करके यह विभाग आंख मूंद लेता है। गुटका का उत्पादन और विक्रय अघोषित तरीके से होने के कारण पुलिस, आयकर विभाग, जीएसटी, एक्साइज विभाग इत्यादि सभी की मिलीभगत होती है जिसके कारण ओरल कैंसर को रोकने के लिए सरकार द्वारा समय-समय पर जो भी प्रयास किए गए हैं वह सब कागजों तक सीमित रह गए हैं।

आईपीएल 26 का खिताब आरसीबी के नाम लेकिन भव सूर्यवंशी की शानदार बल्लेबाजी

संजय गोस्वामी

आईपीएल के 2926 के मैच में बिहार के एक 15 वर्ष के लड़के वैभव सूर्यवंशी राजस्थान रॉयल का नाम बैटिंग में चर्चा में है निश्चित रूप अभी तक के क्रिकेट इतिहास में पहली बार इतने कम उम्र के खिलाड़ी ने जाने माने वेस्टइंडीज के ओपनर बल्लेबाज क्रिस गेल के रिकॉर्ड की बराबरी की है जो उनके हुनर और मेहनत को दशार्ता है वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और उन्होंने जनवरी 2024 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया। वह भारत के सबसे कम उम्र के लिस्ट ए क्रिकेट में पदार्पण करने वाले खिलाड़ी हैं, और आईपीएल में पदार्पण करने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय खिलाड़ी भी हैं उन्होंने चार वर्ष की आयु में क्रिकेट खेलना शुरू किया। प्रारंभ में उन्हें उनके पिता ने प्रशिक्षित किया, और बाद में नौ वर्ष की आयु में उन्होंने समस्तीपुर की एक क्रिकेट अकादमी में प्रशिक्षण लेना शुरू किया। सूर्यवंशी का संबंध मुजफ्फरपुर जिला से भी गहरा रहा है, जहाँ उन्होंने एक इनडोर स्टेडियम में अभ्यास किया और अपने एक रिश्तेदार के घर पर रहते थे।सूर्यवंशी ने जनवरी 2024 में बिहार की ओर से मुंबई के खिलाफ प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया, उस समय उनकी आयु 12 वर्ष और 284 दिन थी। इस उपलब्धि के साथ वे बिहार के लिए रणजी ट्रॉफी खेलने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी और भारत के चौथे सबसे कम उम्र के प्रथम श्रेणी क्रिकेटर बने। उन्होंने युवराज सिंह (15 वर्ष 57 दिन) का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जबकि अलीमुद्दीन का रिकॉर्ड अब भी कायम है, जिन्होंने 1942-43 सीजन में राजपुताना की ओर से 12 वर्ष और 73 दिन की आयु में पदार्पण किया था।लेकिन जब हम लोग अपने समय 1985 के दौर में खेला करते थे तो वहाँ भी उस समय नए अच्छे क्रिकेटर भी खेला करते थे मुझे याद है कि हम लोग अपने नानी घर नयागांव में खाना खाने के बाद आम के पेड़ के निचे क्रिकेट खेलते थे वहाँ भी ग्राउंड था लेकिन उसमें बहुत अच्छा खेल सिर्फ मनोरंजन के लिए हुआ करता था कुछ वहाँ के लोग देखते और शाबाशी देते थे उस समय ना हेलमेट था ना सही मजबूत जूता और पैड बस काम चल जाता था लेकिन क्रिकेट में बैटिंग और बॉलिंग दोनों करना सभी पसन्द करते थे भले ही स्पिन हो जो ऊपर क्रम के बल्लेबाज होते वो ज्यादातर स्पिन बॉलिंग ही करते ताकि थकान कम हो दरअसल क्रिकेट में दो मुख्य बैटिंग और बॉलिंग और बारी-बारी से होने वाली विधाएँ हैं, जिनमें बैटिंग करने वाली टीम के खिलाड़ी रन बनाने की कोशिश करते हैं, और फील्डिंग करने वाली टीम के बॉलर गेंद को इस तरह फेंकने की कोशिश करते हैं कि बैटर आउट हो जाएँ या रन बनाने से रुक जाएँ।हालांकि विकेटकीपिंग भी बहुत अच्छा होता है क्योंकि हमसे अगर पूछिए तो सबसे मेहनत का काम विकेटकीपिंग का होता है नयागांव से हमलोग छपरा के मैदान से एक अच्छी टीम के साथ खेलने निकलें रात भर खूब प्रैक्टिस किया और 5 बजे सुबह की ट्रेन से 2घंटे में छपरा पहुँच गए वहाँ भी टीम तैयार थी मैदान में बहुत से लोग मैच देखने आए थे हमारी टीम टॉस हार गई और पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया मेरे भाईसाहब और उनके दोस्त ने ओपनिंग की उस समय हम लोगों ने गलब्स पैड बॉल अच्छे क्वालिटी के लिए थे और एक हार्ड प्लास्टिक के कैप को अंदर डालते थे शुरूआत में एक तेज गेंदबाज ने पहली ही बॉल पर बोल्ड कर दिया और उस ओवर में मात्र 3 रन ही बना दूसरे ओवर में एक और विकेट रन आउट हो गया और 5 रन बने फिर 3 ओवर में 1और कैच आउट ठीक बाउंड्री लाइन पर हुआ 5 ओवर में तीन विकेट पर 14 रन था जैसे ही 30 रन पर एक स्टंप आउट हुआ मुझे मौका मिला खेलने का और पहली ओवर में एक कट मारा जो बाउंड्री लाइन पर रोका गया मैं लेफ्ट हैंड से बैटिंग करता था फिर हमने देखा बॉल में बहुत गति है तो छोड़ दिया और कभी वाइड तो कभी विकेटकीपर से छूटता और 4 रन बाई में मिल जाता था फिर एक बॉल आया और गलती से टच हुआ और कैच हुआ इसतरह 30 ओवर के मैच में कुल 102 रन बने दूसरी टीम को बल्लेबाजी के लिए उतरा तो उसके भी विकेट गिरते कभी स्कोर बढ़ता रहा एक समय 94 रन पर 6 विकेट था तो ऐसा लग रहा था मैच हाथ से निकल गया लेकिन हारते देख मुझे बोलिंग दिया और मेरे एक ओवर में दो फूल टॉस बॉल पर दो कैच हुआ और उस ओवर में मात्र 4 रन मिला अब दबाब बैट्समैन पर आया और 8 विकेट गिर चूंके थे अब जीत के लिए 4 रन की जरुरत थी तभी दूसरे गेंदबाज ने तेज बॉल की और एक और विकेट गिरा जो विकेटकीपर के हाथों कैच हुआ और अंतिम बल्लेबाज मात्र एक रन पर एलवीडब्लू आउट हुआ मैच 1 रन से जीत गया फिर वहाँ के विधायक ने ट्राफी दि उस दिन इतना थकने के बावजूद नींद नहीं आया बाद में पटना सिटी कॉलेज में एक ग्राउंड था वहाँ हमलोग दोस्तों के साथ मिलकर खेला करते और मेरी आदत थी बॉल को स्वीप करना कभी शून्य पर आउट कभी 50 रन के ऊपर बन जाता था एक बार पटना के मोनुलहक स्टेडियम में रेलवे और सहकारी विभाग बिहार सरकार ने एक टीम बना कर मैच कराया था जिसमें कपिलदेव, अमरनाथ, सबाकरीम, मनिंदर सिंह जैसे खिलाड़ियों ने भाग लिया जो 4 दिन तक चली और मैं वहाँ पहली बार स्टेडियम में मैच देखने गया वह समय था 1987 के विश्वकप से पहले का और मेरे सामने मनिंदर सिंह दिखे और ऑटोग्राफ लिया वहाँ और टीवी में मैच देखने का मजा अलग था बाद में जब 1991 के आसपास टेनिस बॉल का जमाना आया तो खुब मजा आया उसमें छोटे बच्चे से लेकर बड़े सभी खेलते थे मेरी बैटिंग काफी प्रैक्टिस के बाद सुधार हुआ और जब आप प्रैक्टिस करते हैं तो समझ में आता है किसे मारना है टप्पा खा कर कहाँ गिर सकती है और कैसे मारना है हमने एक बात गौर की कि उस समय यदि आईपीएल होता तो कुछ लोग को अवसर मिल सकता था क्योंकि वो सुबह से शाम तक ग्राउंड पर ही समय निकाल देते थे उस समय 1987 के वर्ल्ड कप में ब्लैक एंड वाइट टीवी पर देखने का अलग मजा था गांव में पोर्टबल टीवी होती और बिजली रहे ना रहे कार बैटरी से मैच देख लेते थे अब नए जमाने में क्रिकेट खेल और फैशन दोनों हो गया है लेकिन उस समय क्रिकेट एक खेल था जब 1987 में इंग्लैंड और इंडिया का सेमीफइनल हुआ तो इंडिया जीतते जीतते रह गया 251 रन का टारगेट था और इंडियन बल्लेबाज कभी आउट होते कभी टिके रहते सारी उम्मीद कपिलदेव पर टिकी थी लेकिन 35 रन बनाकर जैसे ही आउट हुए विकेट गिरना चालू हो गया और टीम कुछ रनो के अंतर से हार गई सब जगह मायूसी था सुबह निकला तो कोई चेतन शर्मा की बैटिंग पर अफसोस कर रहा था तो कोई किरण मोरे तो कोई कपिलदेव पर और पुरी दिन यही चर्चा चली उस समय हमलोग पटना के मंगल तालाब और सिटी स्कूल के ग्राउंड में मैच खेलते थे अच्छा मैच होता उस समय बल्ला भी मामलू होता और गेंद भी काफी हार्ड होता था अगर गलती से लगा तो सर फट जाएगा मुझे अच्छा बल्ला खरीदने का मन तो बहुत था लेकिन पैसे की कमी से वो लकड़ी वाला ही चल जाता था बाद में मेरे मामा ने जो कोलकत्ता में रहते थे उन्हें भी क्रिकेट में रूचि थी एक कायदे का बैट खरीदा था कड़ी मेहनत, अभ्यास और बल्लेबाज के खिलाफ कैसे खेलना है, इसके लिए थोड़ी समझदारी–ये सब जरूरी हैं। बिना अभ्यास के आप लाइन और लेंथ पर महारत हासिल नहीं कर पाएँगे, जो बल्लेबाज को हराने की कुंजी है। क्रिकेट में आपकी लाइन और लेंथ की बुनियादी बातें सही होनी चाहिए। गेंद में एक लूप (घुमाव) होना चाहिए। यह लूप–जिसे हम पहले फ़्लाइट कहते थे–लगातार बना रहना चाहिए। समय के साथ, आप इस लूप को बढ़ाते हैं और इसे अपने हिसाब से ढालते हैं। आप पहले बल्लेबाज को एक जगह पर रोकते हैं और फिर अपना जाल बिछाते हैं–और वह धीरे-धीरे उसमें फँस जाता है। लेकिन ये बातें इतनी आसानी से नहीं सीखी जातीं। शीर्ष स्तर तक पहुँचने के लिए सालों-साल की मेहनत लगती है। लाइन, लेंथ और नियंत्रण केवल बहुत ज्यादा कड़ी मेहनत और अभ्यास से ही हासिल किया जा सकता है। कोई भी आपको यह सिखा नहीं सकता। आईपीएल के 2026 के मैच में रॉयल चैलेंजर्स बगलौर जीती तो जरूर है लेकिन गुजरात टाइटन ने कुछ धीमा खेला और रन ज्यादा बना ही नहीं पायी क्योंकि गुजरात टाइटन ने मात्र 154 रन का स्कोर किया जो 20-20 के क्रिकेट में मामूली स्कोर होता है राशिद खान को बाद में लाया गया अगर 2 सरें या तीसरे ओवर में लाते तो 1-2 विकेट जब उस समय गिरते तो दबाब होता और बाद में रोमांचक हो सकता था क्योंकि यह पिच में स्पिन था लेकिन जीत तो जीत है विराट कोहली ने शानदार पारी खेली बाद में मैच एक तरफा हो गया चलो कोई भी जीते टीम तो इंडिया के राज्यों के नाम पर है इसलिए इसमें मनोरंजन हुआ. आर सी बी को जीत की बधाई व शुभकामनायें।

आज ही किचन से बाहर निकालकर फेंक दें ये 5 चीजें

किचन सिर्फ भूख मिटाने की जगह नहीं है, बल्कि यह हमारे घर में सेहत का मंदिर भी है. लेकिन, फैशन के नाम पर हम एल्युमिनियम, प्लास्टिक और नॉन-स्टिक कोटेड बर्तनों का इस्तेमाल करते हैं, जो हमारे शरीर को जहर दे रहे हैं. हमारे पुरखों के इस्तेमाल किए गए मिट्टी और लोहे के बर्तनों की जगह हम रंगीन प्लास्टिक के बर्तन पसंद करके, हम अनजाने में खुद के लिए कई परेशानियां खड़ी कर रहे हैं. इन बर्तनों से निकलने वाले टॉक्सिन खाने को खराब कर देते हैं और इस तरह धीरे-धीरे हमारी सेहत को कमजोर करते हैं

हमारा किचन एक लैबोरेटरी की तरह है. हम इसमें मौजूद वस्तुओं और सामग्रियों के साथ लगातार प्रयोग करते रहते हैं. इस प्रोसेस में, सुविधा के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले नॉन-स्टिक पैन पर लगी टेफ्लॉन कोटिंग ज्यादा तापमान के संपर्क में आने पर जहरीली गैसें छोड़ती है और हार्मोनल इम्बैलेंस का कारण बनती है. इसके अलावा, नेशनल हेल्थ रिसर्च सेंटर द्वारा किए गए एक अध्ययन में यह बताया गया है कि प्लास्टिक के बर्तनों में गर्म चीजें रखने से माइक्रोप्लास्टिक के कण भोजन में मिल सकते हैं, जिससे कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियां होने का खतरा पैदा हो सकता है.

वहीं, एक वेबसाइट पर छपी एक स्टडी में कहा गया है कि एल्युमीनियम के बर्तनों में खाना पकाने से खाने में मेटल के छोटे-छोटे कण आ सकते हैं और इससे नर्वस सिस्टम पर असर पड़ सकता है. इसके अलावा, आजकल हम जो माइक्रोवेव ओवन के प्लास्टिक के बर्तन इस्तेमाल करते हैं और सफाई के लिए इस्तेमाल होने वाले हार्ड केमिकल क्लीनर सांस और पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा सकते हैं. खाना पकाने के बर्तनों से लेकर खाना स्टोर करने के तरीकों तक, छोटी-छोटी गलतियां लंबे समय तक चलने वाली बीमारियों की

वजह बन सकती हैं. इसलिए, किचन में इस्तेमाल होने वाली चीजों की क्वालिटी और उनके असर के बारे में पता होना जरूरी है. मिट्टी, पीतल और स्टील के बर्तन, जो जितना हो सके नेचर के करीब हों, इस्तेमाल करने से हमारी सेहत सुरक्षित रहेगी. इस बारे में, आइए जानें हमारे कमरों में मौजूद नुकसानदायक चीजों, उनसे होने वाले नुकसान और उनके विकल्पों के बारे में...

प्लास्टिक की चीजें और कटिंग बोर्ड

हमारे किचन में आधी चीजें प्लास्टिक की बनी होती हैं. जब गर्म खाना प्लास्टिक के कंटेनर में रखा जाता है या प्लास्टिक के चम्मच इस्तेमाल किए जाते हैं, तो ब्क्क (बिस्फेनॉल) जैसे नुकसानदायक केमिकल खाने में मिल जाते हैं. इसी तरह, जब सब्जियां प्लास्टिक के कटिंग बोर्ड पर काटी जाती हैं, तो प्लास्टिक के छोटे-छोटे कण खाने में चले जाते हैं. इसलिए, इन कणों के शरीर में जाने का खतरा रहता है. इसलिए, प्लास्टिक की चीजों के बजाय कांच, स्टेनलेस स्टील या लकड़ी से बनी चीजों का इस्तेमाल करना बेहतर है.

खरोंच वाले नॉन-स्टिक पैन

जब नॉन-स्टिक कुकवेयर पर टेफ्लॉन कोटिंग पर खरोंच लग जाती है या वह ज्यादा तापमान के संपर्क में आता है, तो उससे पीएफएएस नाम की जहरीली गैस निकलती है. समय के साथ, ये गैसें हार्मोनल असंतुलन और कई बीमारियों का कारण बन सकती हैं. इसलिए, नॉन-स्टिक कोटिंग के खराब हो जाने के बाद ऐसे कुकवेयर का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए. इसकी जगह स्टेनलेस स्टील का इस्तेमाल करना बेहतर विकल्प है.

एल्युमिनियम कुकवेयर और फॉइल

एल्युमिनियम, स्वभाव से, एक रिएक्टिव मेटल है. खासकर जब एसिडिक खाने की चीजें जैसे नींबू का रस, टमाटर, या इमली एल्युमिनियम के बर्तनों में पकाई जाती हैं या एल्युमिनियम फॉइल में लपेटी जाती हैं, तो मेटल के कण खाने में मिल सकते हैं और सेहत के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं. इसलिए, एल्युमिनियम के बर्तनों का इस्तेमाल करने के बजाय स्टेनलेस स्टील या मिट्टी के कुकवेयर चुनना सही रहता है.

खाना पकाने के बाद बर्तन धोने के लिए इस्तेमाल होने वाले स्पॉन्ज लगातार गीले रहते हैं, जिससे ऐसा माहौल बनता है जहां ई. कोलाई या साल्मोनेला जैसे बैक्टीरिया पनप सकते हैं। इसलिए, इन स्पॉन्ज को रेगुलर गर्म पानी में भिगोकर साफ करना चाहिए. इन्हें कम से कम हर 15 दिन में बदलना सबसे अच्छा है, या फिर सिलिकॉन स्क्रबर का इस्तेमाल करें.

मेलामाइन टेबलवेयर

आजकल, बहुत से लोग मेलामाइन टेबलवेयर का इस्तेमाल कर रहे हैं. जब इन बर्तनों में गर्म खाना या सूप रखा जाता है, तो इनमें मौजूद केमिकल खाने में मिल सकते हैं. इसलिए, इसके बजाय कांच या सिरेमिक के बर्तन और प्लेट इस्तेमाल करना बेहतर है.

सिर्फ 10 रुपए की छाछ से डैंड्रफ और खुजली होगी छूमंतर, जानिए बालों में इसे लगाने का सही तरीका

आजकल बाल झड़ना आम समस्या बन चुकी है। जिससे महिलाओं से लेकर पुरुष तक परेशान हैं लेकिन टेंशन तब बढ़ जाती है जब बाल तेजी से और हर मौसम में झड़ने लगते हैं। इन समस्याओं के लिए लोग महंगे शैंपू और ट्रीटमेंट पर काफी पैसा खर्च करते हैं, लेकिन बालों की देखभाल के लिए छाछ को एक आसान और असरदार विकल्प माना जाता है। छाछ में मौजूद पोषक तत्व स्कैल्प को साफ रखने और बालों की कई समस्याओं को कम करने में मदद कर सकते हैं।

छाछ बालों के लिए वरदान

आयुर्वेद विशेषज्ञों के मुताबिक, छाछ में लैक्टिक एसिड, प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन बी और अच्छे बैक्टीरिया पाए जाते हैं। लैक्टिक एसिड एक प्राकृतिक क्लींजर की तरह काम करता है। यह स्कैल्प पर जमी गंदगी, अतिरिक्त तेल और मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है। जब स्कैल्प साफ रहती है, तो बालों की जड़ों तक ऑक्सीजन और पोषण बेहतर तरीके से पहुंच पाता है। इससे स्कैल्प ज्यादा साफ होती है।

डैंड्रफ और खुजली की समस्या में भी छाछ काफी मददगार

डैंड्रफ और खुजली की समस्या में भी छाछ काफी मददगार मानी जाती है। कई बार स्कैल्प पर फंगल संक्रमण या गंदगी जमा होने की वजह से खुजली और सफेद परत बनने लगती है। छाछ में मौजूद प्राकृतिक एसिड और प्रोबायोटिक तत्व स्कैल्प का संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। इससे फंगल संक्रमण कम होता है और खुजली से राहत मिलती है। विशेषज्ञ कहते हैं कि अगर सप्ताह में एक या दो बार छाछ का इस्तेमाल किया जाए, तो धीरे-धीरे डैंड्रफ की समस्या कम होने लगती है।

सूखे और बेजान बालों के लिए फायदेमंद

आयुर्वेद विशेषज्ञों की मानें तो, सूखे और बेजान बालों के लिए भी छाछ को फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद प्रोटीन और फैट बालों को प्राकृतिक नमी देने में मदद करते हैं। यही वजह है कि छाछ बालों पर एक प्राकृतिक कंडीशनर की तरह काम करती है।

जब बालों में नमी बनी रहती है तो वे ज्यादा मुलायम और चमकदार बनते हैं। खासकर गर्मियों में धूप और पसीने की वजह से बाल जल्दी रूखे हो जाते हैं। ऐसे में छाछ स्कैल्प को ठंडक पहुंचाने का भी काम करती है।

बालों में छाछ लगाने का क्या है सही तरीका ?

एक्सपर्ट्स बताते है कि, बालों में छाछ लगाने का तरीका भी बेहद आसान है। सबसे पहले ताजी छाछ लें। इसके बाद इसे हाथों या कॉटन की मदद से स्कैल्प और बालों की लंबाई पर अच्छे से लगाएं। लगभग 20 से 30 मिनट तक इसे बालों में लगा रहने दें ताकि इसके पोषक तत्व स्कैल्प तक पहुंच सकें। इसके बाद हल्के शैंपू से बाल धो लें।

टैटू से हो सकता है संक्रमण

आजकल युवाओं में टैटू बनाना फैशन के साथ ही स्टेटस सिंबल भी बनता जा रहा है पर क्या आपके इसके खतरे जानते हैं।

टैटू का शौक रखते हैं और नया-नया टैटू बनवाया है तो इसकी खास देखभाल करना भी बहुत जरूरी है। खासकर 24 घंटे तो इसकी विशेष देखभाल जरूरी है। टैटू आर्टिस्ट भी सलाह देते हैं कि टैटू गुदबाते समय बैक्टिरियल संक्रमण से बचाना बहुत जरूरी है। इनके अनुसार टैटू बनवाने के बाद कई सावधानियों का ध्यान जरूर रखना चाहिए।

24 घंटे तक इस पर पट्टी बंधी होनी चाहिए क्योंकि इतने पर तक इस पर बैक्टैरियल इंफेक्शन हो सकता है। इसलिए टैटू वाली सतह को धूल और हर तरह के इंफेक्शन से बचाने की जरूरत है।

24 घंटे बाद पट्टी हटाने के बाद हल्के ठंडे या गुनगुने पानी से टैटू एरिया को धोना चाहिए। इसे बिल्कुल भी न खरोंचें किसी भी तरह की सक्रैचिंग करने से बचें। अगर 24 घंटे बाद इसमें कुजली होती है तो डॉक्टर को दिखाएं।

पहले तीन दिन तक इसमें प्रोएक्टिव ऑइनमेंट लगाएं। इसके अलावा लोशन और माइश्चराइजर लगाने से भी बचें।

टैटू वाले एरिया पर खुशबू वाला लोशन लगाने से बचें, क्योंकि इसमें अल्कोहल होता है।

इसके अलावा इसे धूप से बचाकर रखें, क्योंकि धूप से टैटू का रंग कमजोर हो जाता है।

फिट रहने के लिए जिम की जरूरत नहीं, बस रोज सीढ़ियां चढ़ने की आदत डाले, मिलेंगे ढेरों फायदे

आजकल होटल हो, ऑफिस हो या फिर शॉपिंग मॉल हम में से ज्यादातर लोग आने-जाने के लिए सीढ़ियों की बजाय लिफ्ट का इस्तेमाल करते हैं। सामने सीढ़ियों का विकल्प मौजूद होते हुए भी हम लिफ्ट के इंतजार में खड़े रहते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ के अनुसार,अगर आप भी ऐसे लोगों की कैटेगरी में आते हैं तो आज से सीढ़ियां चढ़ना शुरू कर दीजिए क्योंकि इसके एक दो नहीं अनेक फायदे हैं। ऐसे में आइए जान लीजिए सीढ़ियां चढ़ने से सेहत को कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं।

सीढ़ियाँ चढ़ना इतना असरदार व्यायाम क्यों है?

सीढ़ियाँ चढ़ना कार्डियो और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग का मिलाजुला रूप है हर सीढ़ी आपके ग्लूट्स, क्वाड्स, काफ्स और कोर मसल्स को सक्रिय करती है, जिससे हृदय गति बढ़ती है। थोड़े समय के लिए भी सीढ़ियाँ चढ़ने से कार्डियोवस्कुलर फिटनेस में सुधार होता है, निचले शरीर की ताकत बढ़ती है और कैलोरी बर्न होती है।

पैरों की मांसपेशियां मजबूत

सीढ़ियां चढ़ने के एक नहीं कई फायदे हैं। सीढ़ियां चढ़ना एक बेहतरीन व्यायाम है, जो बिना किसी उपकरण के किया जा सकता है। इससे पैरों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, वजन नियंत्रण में रहता है और शरीर की सहनशक्ति बढ़ती है।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल

नियमित रूप से सीढ़ियां चढ़ने से हृदय स्वस्थ रहता है, ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है और कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी संतुलित रहता है। इसके अलावा यह आदत पूरे दिन ऊर्जा से भर देती है। सुबह ऑफिस या घर में सीढ़ियां चढ़कर शुरू किया गया दिन ज्यादा सक्रिय और तरोताजा रहता है।

तनाव कम व मूड बेहतर

विशेषज्ञों का कहना है कि 'एक्टिव बॉडी' बनाए रखने के लिए ऐसी छोटी आदतें बहुत महत्वपूर्ण हैं। इस छोटी सी आदत से बेहतर हार्ट हेल्थ होती है, ज्यादा एनर्जी और स्फूर्ति मिलती है, पैर और हड्डियां मजबूत होती हैं। वजन नियंत्रण में रहता है, सांस संबंधित समस्याएं दूर होती हैं और तनाव कम व मूड बेहतर होता है।

एनएचएम ने लोगों से अपील की है कि जहां भी संभव हो, लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करें। अगर ऑफिस की मंजिल ज्यादा ऊंची है तो कम से कम कुछ मंजिलें सीढ़ियों से चढ़कर शुरू करें। धीरे-धीरे इस आदत को बढ़ाया जा सकता है।

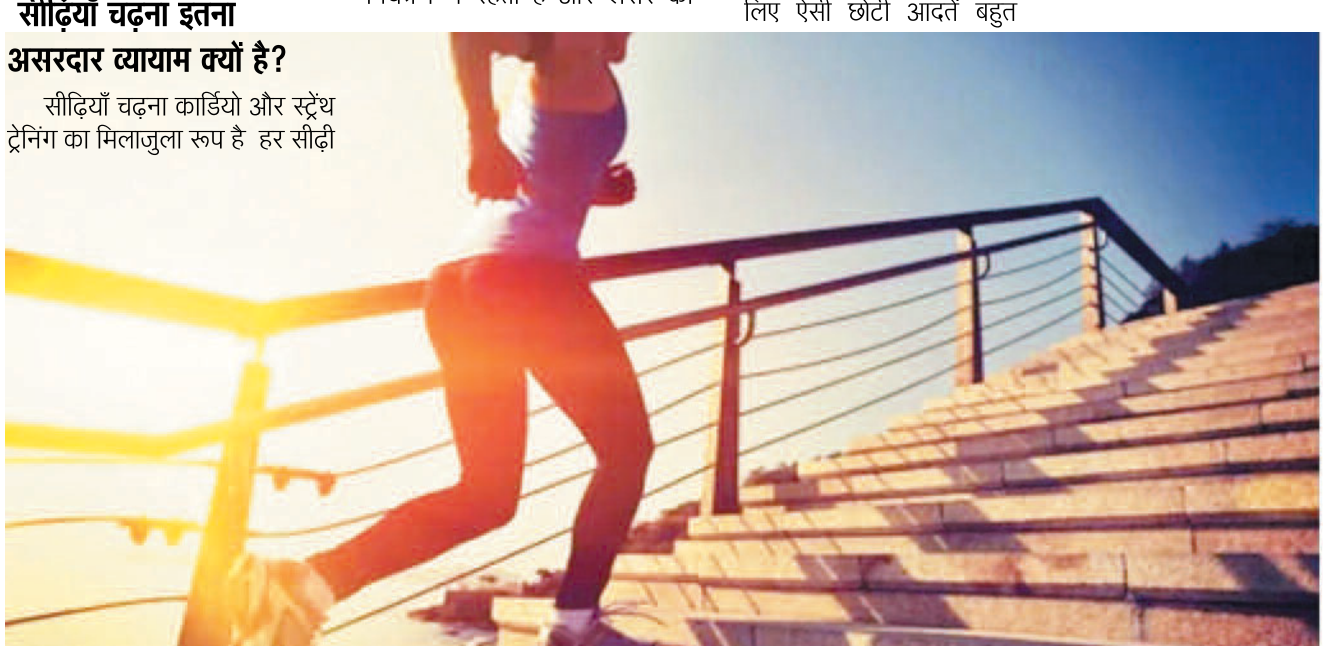

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली की सड़कों पर की गई हरियाली भगवान भरोसे, पीडब्ल्यूडी की लापरवाही उजागर

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल दिल्ली को प्रदूषण से बचाने के लिए जिस हरियाली पर जोर दिया जा रहा है, इस शहर में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा सड़कों पर की गई हरियाली भगवान भरोसे है। रखरखाव की जाने वाली दिल्ली की प्रमुख सड़कों पर की गई हरियाली को बचाने के लिए पानी देने के नाम पर खानापूर्ति हो रही है। ऐसे में कई जगह हरियाली और झाड़ियां सूख चुकी है, इन्हें तैयार करने पर विभाग की मेहनत और पैसे पर पानी फिर रहा है। उधर विभाग का है दावा हरियाली बचाने के लिए नियमित पानी दिया जा रहा है, मगर तापमान अधिक होने के कारण इसे नुकसान हो रहा है। पीडब्ल्यूडी के पास हैं 1440 किलोमीटर लंबी सड़के पीडब्ल्यूडी की बात करें तो इस विभाग के पास 1440 किलोमीटर लंबी सड़के हैं जो दिल्ली की प्रमुख सड़के हैं, इन सब सड़कों की चौड़ाई 60 फीट से अधिक है इनमें कई ऐसी सड़के हैं जिनको दिल्ली के आवागमन की रीढ़ माना जाता है, इनमें रिंग रोड और बाहरी रिंग रोड, बारापुला एलिवेडेट कॉरिडोर जैसे प्रमुख मार्ग भी शामिल हैं। पर्यावरण की दृष्टि से शहर को बेहतर बनाने और सड़कों को सुंदर दिखने के लिए विभाग द्वारा हर साल बड़े स्तर पर इन सड़कों पर पौधारोपण किया जाता है। जिनमें नए पौधे और पेड़ के साथ-साथ झाड़ियां भी लगाई जाती हैं। मगर हर साल इनमें से काफी एरिया खाली हो जाता है और पौधे गायब हो जाते हैं। इसका कारण यह है कि तापमान बढ़ने पर पौधे सूख जाते हैं। यह समय अप्रैल से जून 3 महीने तक रहता है। विभाग की लापरवाही हर साल दिखती है। विभाग में पूर्व में रहे एक वरिष्ठ अधिकारी की मानें तो विभाग के पास संसाधनों की कोई कमी नहीं है, मगर अधिकारियों की लापरवाही के चलते हरियाली पर पर पानी फिर जाता है।

रेल यात्रियों के लिए गुड न्यूज, दिल्ली से जम्मू-कश्मीर का सफर होगा आसान; 1 साल से रद ट्रेनें फिर चालू

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर जाने वाले यात्रियों की परेशानी अब दूर होगी। पिछले वर्ष भारी वर्षा और बाढ़ के कारण रावी नदी का पानी बहुत बढ़ गया था। तेज बहाव की वजह से कठुआ और माधोपुर के बीच पुल का एक पिलर क्षतिग्रस्त हो गया था। इस कारण सुरक्षा के कारणों से ट्रेनों के परिचालन को रोक दिया गया था। कई ट्रेनें पिछले एक साल से निरस्त थीं। इससे जम्मू कश्मीर जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। अब क्षतिग्रस्त पुल को ठीक कर दिया गया है। निरस्त ट्रेनें चलाने की घोषणा कर दी गई है। 30 मई को उत्तर रेलवे के रेलवे संरक्षा आयुक्त दिनेश चंद देशवाल ने पुल का निरीक्षण और गति परीक्षण करने के बाद ट्रेन संचालन को मंजूरी दे दी है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यह पुल पठानकोट-जम्मू-श्रीनगर रेल मार्ग का अहम हिस्सा है। इसके खुलने से जम्मू-कश्मीर आने-जाने वाले यात्रियों और मालगाड़ियों को सीधा लाभ होगा। कटड़ा और जम्मू जाने वाले श्रद्धालुओं को भी सुविधा मिलेगी। इस पुल की बहाली से ट्रेनों का संचालन समय पर होगा, साथ ही अमरनाथ यात्रा व ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान विशेष ट्रेनों के संचालन में आसानी होगी।

खाली कराया जाएगा यमुना बाजार घाट, 300 से ज्यादा आशियाने... 15 दिन का अल्टीमेटम खत्म; अब गरजेगा बुलडोजर

नई दिल्ली, एजेंसी। जून माह में कभी भी कश्मीरी गेट स्थित यमुना बाजार घाट के किनारे रहने वाले पंडों को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। डीडीए की तरफ से इस संबंध में दी गई 15 दिन की मोहलत 30 मई को खत्म हो गई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत अन्य जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर उन्होंने घाट के 300 मीटर के दायरे में अपने पुनर्वास की मांग की थी, लेकिन अब तक इस पर कोई निर्णय नहीं हो सका है। इस बीच, पंडा एसोसिएशन हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। शुक्रवार को मामले में सुनवाई में कोर्ट ने पंडों को कोई सीधी राहत नहीं दी है। जिला प्रशासन ने डीएमए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर 300 से अधिक आवासों को खाली करने का आदेश दिया है। नोटिस में ओ जोन में बसावट को अवैध बताते हुए उनके लिए 15 दिन का नोटिस दिया था। उसकी मियाद तो 15 मई को पूरी हो गई थी। इसके बाद डीडीए ने घाट के किनारे से लोगों को जाने के लिए अतिरिक्त 15 दिन (30 मई) का समय दिया था। अब यह अवधि भी बीत चुकी है। इसके पहले उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू व मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना बाजार क्षेत्र का निरीक्षण कर इसके कायाकल्प पर जोर दिया था। सरकार की योजना यहां स्थित 30 घाटों के सुंदरीकरण व हरियाली के साथ मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की है। वहीं, यहां रहने वाले पंडों का कहना है कि वह कई पीढ़ियों से यहां रहते आए हैं। इसलिए उन्हें नहीं हटाया जाए। जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले में वह डीडीए व संबंधित निकायों के आदेश पर अमल करेंगे।

दिल्ली में 45 साल पुराने मकानों को ढहाया, होटल-दुकान समेत 143 इमारतें ध्वस्त; अर्धसैनिक बलों की 10 कंपनी तैनात

नई दिल्ली, एजेंसी। भारी पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती के बीच रविवार को शालीमार गांव में 45 साल पुराने अवैध कब्जों को ध्वस्त कर दिया। 14 घंटे से ज्यादा समय चली इस कार्रवाई के दौरान दर्जनभर बुलडोजर की मदद से 143 इमारतों व ढांचों में से अधिकांश को ढहा दिया गया, इनमें ज्यादातर बहुमंजिला भवन हैं। इमारतों में 40-50 दुकानों के अलावा कुछ होटल भी चल रहे थे। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अर्ध सैनिक बलों की 10 कंपनी तैनात की गई। आजादपुर अंडरपास से मैक्स अस्पताल रोड सुबह चार बजे से लेकर रात आठ बजे तक आवाजाही के लिए पूर्णतः बंद रहा। पल-पल की गतिविधि पर नजर रखने के लिए गांव के आसमान पर दिनभर ड्राने मंडराते रहे। डीडीए, पीडब्ल्यूडी, राजस्व, नगर निगम, पुलिस समेत कई एजेंसियों के अधिकारी-कर्मचारियों की संयुक्त टीम की देखरेख में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के विधानसभा क्षेत्र के शालीमार गांव में बनीं अवैध इमारतों पर रविवार तड़के चार बजे बुलडोजर कार्रवाई शुरू हुई।

143 अवैध इमारतों में से ज्यादातर को ढहा दिया : पुलिस ने कल देर रात को शालीमार गांव में आजादपुर अंडरपास से लेकर मैक्स अस्पताल टी-प्वाइंट तक रोड को दोनों ओर बैरिकेडिंग लगाकर बंद कर दिया। अवैध निर्माण वाली जगह की चारों ओर से घेराबंदी की गई। इस जगह तक मीडिया समेत किसी को भी जाने की इजाजत नहीं थी। दिनभर अवैध ढांचे गिराने का काम चलता रहा। शाम छह बजे तक 143 अवैध इमारतों में से ज्यादातर को ढहा दिया गया। गत 10 जनवरी को किए गए संयुक्त सर्वेक्षण में पाया गया कि निर्धारित 30 मीटर राइट आफ-वे के भीतर कुल 143 अनधिकृत पक्के निर्माण पाए गए हैं, इनमें लगभग 19.5 मीटर क्षेत्र में मौजूदा सड़क है, जबकि लगभग 10.5 मीटर क्षेत्र अतिक्रमण के कारण अवरुद्ध है।

लोगों ने खुद अवैध निर्माण तोड़े : बता दें कि राजस्व विभाग ने इस क्षेत्र में बनी लगभग 143 इमारतों को खाली करने के लिए 30 मई तक का अल्टीमेटम दिया था। 29 मई को सुप्रीम कोर्ट ने राहत देने से इन्कार कर दिया था। इसी दिन से लोगों ने खुद अवैध निर्माण तोड़ने शुरू किए, इस दौरान बड़ी संख्या में लोग अपना सामान समेट कर अन्यत्र चले गए। इस बीच, उत्तर पश्चिम दिल्ली जिले की डीसीपी आकांक्षा यादव ने हालात का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्र में अर्धसैनिक बलों की 10 कंपनी तैनात की गई हैं। ड्रोन से निगरानी की जा रही है।

प्रभावित पात्र परिवार को तीन लाख रुपये की विशेष सहायता : मध्य-उत्तर जिले के डीएम एसएस परिहार ने बताया कि दिल्ली सरकार ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए प्रभावित पात्र परिवारों के लिए विशेष सहायता पैकेज भी घोषित किया है। इसके अंतर्गत प्रत्येक पात्र परिवार अथवा इकाई को तीन लाख रुपये की एकमुश्त एक्स-ग्रेशिया सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त जिन परिवारों के पास दिल्ली में कोई वैकल्पिक आवास उपलब्ध नहीं है, उन्हें सावदा घेवरा स्थित आवासीय इकाइयों में 11 माह तक लाइसेंस आधारित अस्थायी आवास सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। यह कार्रवाई न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में की जा रही है। संबंधित भूमि अधिग्रहित सरकारी भूमि है, जो डीडीए के मास्टर प्लान में सार्वजनिक सड़क के रूप में चिन्हित है तथा रोड नंबर-320 के निर्धारित राइट आफ वे का हिस्सा है। यह सड़क शालीमार बाग रेलवे अंडर ब्रिज (आरयूबी) को आउटर रिंग रोड से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण यातायात गलियारे का हिस्सा है। सड़क की वर्तमान चौड़ाई अतिक्रमणों के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हुई है, जिससे नियमित यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न होती है।

चेन्नई बार विवादः कार ने स्कूटी को मारी टक्कर, 18 वर्षीय युवती की मौत; तीन गिरफ्तार

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में एक निजी बार में शुरू हुआ मामूली विवाद सड़क पर हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि युवकों के एक समूह ने कार से दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे 18 वर्षीय युवती की मौत हो गई, जबकि उसकी नाबालिग दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों बालामुरुगन (21), जोशवा (19) और किशोर कुमार (19) को गिरफ्तार किया है। मृतक युवती की पहचान यांसी (18) के रूप में हुई है, जो श्रीलंकाई शरणार्थी परिवार से थी और विलुप्पुरम जिले में रहती थी। पुलिस के अनुसार, यांसी अपने दोस्तों के साथ एक निजी बार में डांस कर रही थी। इसी दौरान वहां मौजूद दूसरे समूह के युवकों के साथ कहासुनी हो गई। स्थिति बिगड़ने पर बाउंसरों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया। हालांकि, बार के बाहर भी दोनों पक्षों के बीच तनाव जारी रहा। बाउंसरों ने दोनों समूहों को वहां से जाने के लिए कहा। बाद में यांसी और उसकी दोस्त स्कूटी से जा रही थीं, तभी

उन्होंने कथित तौर पर विरोधी समूह को कार में देखा। पत्थरबाजी के बाद पीछा कर मारी टक्कर पुलिस का कहना है कि यांसी के दोस्तों ने कथित रूप से कार पर पत्थर फेंके। इससे गुस्साए युवकों ने कार से स्कूटी का पीछा किया और उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि यांसी सड़क पर गिर गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। यांसी की 17 वर्षीय दोस्त गंभीर रूप से घायल हुई है और अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। बार सील, फरार आरोपियों की तलाश घटना के बाद यांसी के परिवार ने सभी आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग की है। पुलिस ने नाबालिगों को प्रवेश देने के आरोप में संबंधित निजी बार को सील कर दिया है।

नया आंदोलन शुरू करने की तैयारी में भाजपा नेता के. अन्नामलाई, युवाओं और स्वयंसेवकों को देंगे ट्रेनिंग

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु भाजपा के कद्दावर नेता के. अन्नामलाई राज्य की सियासत में एक नया दांव खेलने जा रहे हैं। भाजपा नेता अन्नामलाई राज्य में एक नया आंदोलन शुरू करेंगे। इसका उद्देश्य समान विचारधारा वाले लोगों को एकजुट करना और स्वयंसेवकों का एक मजबूत कैडर तैयार कर उन्हें राजनीतिक रूप से प्रशिक्षित करना है। एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से बाताय कि तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई राज्य में एक नया आंदोलन शुरू करेंगे। हालांकि, अन्नामलाई के एनजीओ 'वी द लीडर्स' के जरिए बढ़ने वाले इस आंदोलन की अगले छह महीने तक किसी राजनीतिक दल में बदलने की योजना नहीं है, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही इस नई मुहिम के प्रेरणास्रोत बने हुए हैं। पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई ने 2020 में राजनीति में प्रवेश किया और 2021 में एल मुरुगन की जगह तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष का पद संभाला और 2025 तक इसका नेतृत्व किया था। अन्नामलाई को एक स्वच्छंद और मुखर चेहरे के रूप में

देखा जाता था और उन्हें भाजपा को काफी हद तक पुनर्जीवित करने का श्रेय दिया जाता है। उनकी आक्रामक शैली और मीडिया में उनकी उपस्थिति ने उन्हें केंद्रीय नेताओं के लिए एक महत्वपूर्ण आवाज बना दिया। लेकिन अंततः उन्होंने अपनी सीमा पार कर ली थी, सीएन अन्नादुराई और जे जयललिता पर उनकी विवादास्पद टिप्पणियों ने सहयोगी एआईएडीएमके को उनसे अलग कर दिया था। इसके परिणामस्वरूप 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले गठबंधन टूट गया। दोनों पार्टियों को चुनावी झटके लगे और वे सीटें जीतने में असफल रहीं, जबकि डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन ने चुनावों में शानदार जीत हासिल की।

देश में बच्चों के पोषण स्तर में हुआ सुधार, घटा कम लंबाई का प्रतिशत; रिपोर्ट से समझिए पूरा आंकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के उत्साहजनक संकेत मिले हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-छह (एनएफएचएस-छह) के अनुसार, इस कारण पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में कम लंबाई (स्टंटिंग) की समस्या में करीब 7 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2019-21 में हुए एनएफएचएस-पांच में जहां 35.5 प्रतिशत बच्चे अपनी उम्र के हिसाब से अपेक्षित लंबाई से कम पाए गए थे, वहीं 2023-24 में किए गए एनएफएचएस-छह में यह आंकड़ा घटकर 29.3 प्रतिशत रह गया है। यानी अब पहले की तुलना में अधिक बच्चे स्वस्थ वृद्धि कर रहे हैं और अपनी उम्र के अनुरूप लंबाई हासिल कर पा रहे हैं। पहले हर 100

में लगभग 36 बच्चे कम लंबाई की समस्या से प्रभावित थे, जबकि अब यह संख्या घटकर लगभग 29 रह गई है। यह इस बात का संकेत है कि कुपोषण के खिलाफ लड़ाई में देश ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। सर्वेक्षण में 715 जिलों के 6.79 लाख परिवारों को शामिल किया गया था। विशेषज्ञों के अनुसार, स्टंटिंग बच्चों में लंबे समय तक पोषण की कमी के कारण बनी हुई थी। बताया कि जब किसी बच्चे को पर्याप्त और संतुलित पोषण नहीं मिलता या वह बार-बार बीमार पड़ता है तो उसकी लंबाई उम्र के अनुरूप नहीं बढ़ पाती। एनएफएचएस-छह के आंकड़े बताते हैं कि अब पहले की तुलना में अधिक बच्चे अपनी उम्र के अनुसार सामान्य शारीरिक वृद्धि कर रहे हैं। यह भविष्य में उनके बेहतर स्वास्थ्य, सीखने की क्षमता और कार्यक्षमता के लिए भी सकारात्मक संकेत है। 7.7 प्रतिशत से घटकर 5.2 प्रतिशत हुआ एनएफएचएस-छह में बच्चों के अन्य पोषण संकेतकों में भी सुधार दर्ज किया गया है। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में गंभीर दुबलापन (सीवियर वेस्टिंग) 7.7 प्रतिशत से घटकर 5.2 प्रतिशत हो गया है। वहीं कम वजन वाले बच्चों का प्रतिशत 32.1 से घटकर 31.8 प्रतिशत हो गया है। सर्वेक्षण के अनुसार देश में शिशु पोषण की स्थिति भी बेहतर हुई है। छह माह से कम आयु के 95.6 प्रतिशत बच्चों को स्तनपान कराया जा रहा है। जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान शुरू कराने का प्रतिशत 41.8 से बढ़कर 50.1 हो गया है। वहीं छह से आठ माह के बच्चों को स्तनपान के साथ पूरक आहार दिए जाने का प्रतिशत 45.9 से बढ़कर 59.5 हो गया है।

कैंसर मरीजों के इलाज में मिली नई सफलता, अब बिना मास्क हो सकेगी रेडियोथेरेपी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने कैंसर के इलाज के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल के डाक्टरों ने भारत में पहली बार एआई संचालित सरफेस गाइडेड रेडियोथेरेपी (एसजीआरटी) और एडेप्टिव रेडियोथेरेपी के अनूठे संयोजन का उपयोग करके सिर और गर्दन के कैंसर के मरीज का इलाज किया है। पारंपरिक रेडियोथेरेपी में मरीज के सिर को स्थिर रखने के लिए एक बेहद तंग प्लास्टिक मास्क पहनाया जाता है और सीटी सिमुलेशन स्कैन किया जाता है, जिसमें काफी समय लगता है, लेकिन इस तकनीक से डाक्टरों ने बिना किसी मास्क या सिमुलेशन सीटी स्कैन के सटीक रेडिएशन थेरेपी दी। डॉक्टरों के अनुसार, मुंह के कैंसर से पीड़ित रोगी पिछली सर्जरी और रेडियोथेरेपी उपचारों

के असफल होने के बाद अस्पताल में आया था। ट्यूमर अत्यधिक बढ़ा हुआ था और लगातार ब्लीडिंग हो रही थी। सिर और गर्दन के कैंसर के लिए पारंपरिक रेडियोथेरेपी रोगी की हलचल को रोकने के लिए तंग प्लास्टिक मास्क और सिमुलेशन सीटी स्कैन पर निर्भर करती है, डॉक्टरों ने महसूस किया कि गंभीर रोगी उस कठोर प्रक्रिया को बर्दाश्त नहीं कर सकेगा। रक्तस्राव को रोकने के लिए आवश्यक विकिरण देने हेतु अस्पताल ने इस उन्नत तकनीक का सफलतापूर्वक उपयोग किया। मरीज पर इलाज का सकारात्मक परिणाम रहा और उसे 13 मई को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। सर्फेस गाइडेड रेडियोथेरेपी तकनीक में मरीज की त्वचा को ट्रैक करने के लिए 3 डी कैमरा सिस्टम और एआइ का उपयोग किया जाता है। यदि मरीज थोड़ा भी हिलता है, तो रेडिएशन बीम अपने आप रुक जाती है, जिससे तंग मास्क लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। एडेप्टिव रेडियोथेरेपी एआई-संचालित सिस्टम हर दिन मरीज के शरीर और ट्यूमर के बदलते आकार को रियल टाइम में ट्रैक करता है और उसी अनुसार रेडिएशन की डोज को एडजस्ट करता है। सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल के रेडिएशन आंकोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. प्रसाद राज दांडेकर ने बताया कि यह तकनीक उपचार को अधिक सटीक और प्रभावी बनाती है, जिससे मरीजों के इलाज के परिणाम बेहतर होते हैं।

दिल्ली के जहांगीरपुरी में पानी की किल्लत से मचा हाहाकार, महिलाओं ने किया जोरदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। जहांगीरपुरी में पानी की किल्लत को लेकर लोगों ने प्रदर्शन किया। रविवार की दोपहर लगभग साढ़े बारह बजे जहांगीरपुरी ई ब्लाक स्थित प्राथमिक विद्यालय के बाहर स्थानीय महिलाओं सहित अन्य लोग एकत्र हुए और पानी की मांग को लेकर अपना आक्रोश जाहिर किया।

प्रदर्शन में लोग हाथों में तख्तियां लेकर प्रशासन व सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते दिखें। क्षेत्र में बीते लगभग दो सप्ताह से पानी न आने के कारण जहांगीरपुरी के ई, डी व ईई ब्लॉक सहित विभिन्न जगहों पर पानी की समस्या बनी हुई है।

इसके कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जब लोगों का सबर का बांध टूटा। तो प्रदर्शन के दौरान मटके फोड़कर अपना रोष व्यक्त किया। इस दौरान नीलम, सुमन, मंजू व आदि लोग उपस्थित रहे। टैंकर नहीं कर पा रहे पानी की पूर्ति जहांगीरपुरी के लोगों को पानी मिलने पर टैंकरों से आपूर्ति की जा रही है। यह टैंकर पानी की पूर्ति नहीं कर पा रहे। टैंकरों के माध्यम से लोगों तक पहुंचने वाले पानी से लोगों को थोड़ी राहत जरूर है। लेकिन जलबोर्ड लोगों की मांग को पूरा नहीं कर पा रहा। मजबूरन लोगों को पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है। पानी की किल्लत के कई बार टैंकरों पर मारामारी भी देखने को मिलती है। पानी न आने के कारण टैंकर मंगाने पड़ रहे है। तब जाकर घर के कामकाज पूरे हो पाते है। वरना घर में पीने का पानी तक नहीं होता। इतनी गर्मी में कैसे गुजारा चलेगा।

हमारे यहां लगभग 15 दिनों से पानी की समस्या बनी हुई है। मजबूरन लोग पानी खरीद रहे है या फिर टैंकरों का इंतजार करते रहो। लेकिन ऐसा कब तक चलेगा पता नहीं। घर में पानी नहीं आ रहा। मैं इतनी परेशान हूं कि घर का कोई काम नहीं हो पा रहे। टैंकर से भी इतना पानी नहीं मिलता कि सभी कामकाज पूरे कर सके। हमें पानी चाहिए। गर्मी में पानी की बहुत जरूरत होती है। लेकिन इसी समय हमें पानी नहीं मिल रहा। नहाने व अन्य घरेलू काम कैसे करें? पीने का पानी भी नसीब नहीं हो रहा। जैसे-तैसे गुजारा कर रहे है।

कोई महिला आजीविका के लिए वेश्यावृत्ति करे, तो वह जगह कोठा नहीं', सुप्रीम कोर्ट ने दिया 298 पन्नों का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 70 साल पुराने अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम का गहन विश्लेषण करने के बाद एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि इस कानून का मुख्य उद्देश्य न तो वेश्यावृत्ति को पूरी तरह से खत्म करना है और न ही इसे आपराधिक अपराध बनाना है, बल्कि इसका असली मकसद वेश्यावृत्ति के व्यावसायीकरण पर लगाम लगाना है। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि हम इस बात को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं कि वेश्यावृत्ति को खत्म करना या इसे आपराधिक अपराध बनाना इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य नहीं है। बल्कि, इसका उद्देश्य वेश्यावृत्ति के व्यावसायीकरण को रोकना या समाप्त करना है, यानी वेश्यावृत्ति को आजीविका के एक संगठित माध्यम के रूप में इस्तेमाल करने पर रोक लगाना है। वेश्यालय से छुड़ाई गई महिलाओं के पुनर्वास के मुद्दे पर सुनवाई करते हुए पीठ ने 1956 के इस अधिनियम का गहराई से विश्लेषण किया। अदालत ने बताया कि 20वीं सदी की शुरुआत में वेश्यावृत्ति के लिए महिलाओं की तस्करी बहुत आम थी और समाज में इसे अनैतिक माना जाता था, यही वजह है कि यह शब्द इस कानून के नाम के साथ जुड़ गया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आईटीपीए मुख्य रूप से अपराधियों और तस्करों को सजा देने के लिए लाया गया था, न कि खुद वेश्यावृत्ति करने वाली महिलाओं को दंडित करने के लिए। जस्टिस पारदीवाला द्वारा लिखे गए 298 पन्नों के इस फैसले में स्पष्ट किया गया कि अधिनियम की धारा 7 और 8 इस सामान्य नियम के अपवाद हैं। ये धाराएं विशेष परिस्थितियों में वेश्यावृत्ति के व्यक्तिगत कृत्यों को दंडित करती हैं कि धारा 7 सार्वजनिक स्थानों के करीब वेश्यावृत्ति में शामिल होने वाले किसी भी व्यक्ति को दंडित करती है। वहीं, धारा 8 सार्वजनिक स्थानों पर ग्राहकों को रिझाने

या बुलाने को अपराध मानती है। पीठ ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि हालांकि वेश्यावृत्ति के व्यक्तिगत कृत्यों को सीधे तौर पर पूरी तरह प्रतिबंधित नहीं किया गया है, लेकिन सार्वजनिक शालीनता और सामाजिक नैतिकता को बनाए रखने के लिए यह जरूरी है। सार्वजनिक संस्थानों और अधिसूचित क्षेत्रों के आसपास ऐसे दृश्यों या प्रयासों को रोका जाए ताकि जनता को असुविधा न हो। वेश्यावृत्ति को लेकर कानूनी अस्पष्टता अदालत ने स्पष्ट किया कि वह न तो वेश्यावृत्ति को पूरी तरह से अपराध घोषित करने की वकालत कर रही है और न ही इसे पूरी तरह से अनियंत्रित छोड़ने की बात कह रही है। कोर्ट ने कहा कि हम सिर्फ यह समझाना चाहते हैं कि विधायी उद्देश्य वेश्यावृत्ति के सभी कृत्यों की निंदा करना नहीं है। हालांकि, इसकी परिभाषा में कुछ अस्पष्टता जरूर है, क्योंकि इसे पूरी तरह से केवल शोषणकारी या अपमानजनक रूप में ही चित्रित किया जाता है। अधिनियम की धारा 2 में दिए गए वेश्यागृह शब्द की परिभाषा की जांच करते हुए पीठ ने एक बेहद महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण दिया। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई अकेली महिला अपनी आजीविका के लिए अपने घर में वेश्यावृत्ति करती है, जिसमें कोई दूसरी महिला शामिल नहीं है और न ही उस परिसर के रखरखाव में किसी बाहरी व्यक्ति या बिचौलिए की भूमिका है तो उस महिला के निवास स्थान को कानूनन वेश्यागृह नहीं माना जाएगा।

राजमहल व उधवा में विकास को मिली नई उड़ान, विधायक एमटी राजा ने 2.34 करोड़ की 11 योजनाओं का किया शिलान्यास

बिभा संवाददाता

राजमहल/उधवा। राजमहल विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने राजमहल एवं उधवा प्रखंड क्षेत्र में विशेष प्रमंडल विभाग की 2.34 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 11 विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है तथा जिन इलाकों में पिछले तीन दशकों से सड़क जैसी मूलभूत सुविधा नहीं थी, वहां भी अब सड़क निर्माण कराया जा रहा है। वहीं विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पेयजल एवं सामुदायिक भवनों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। उन्होंने बताया कि विकास कार्यों के माध्यम से गांवों की तस्वीर बदलने का प्रयास किया जा रहा है ताकि लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। वहीं शिलान्यास की गई योजनाओं में राजमहल प्रखंड के लखीपुर बनगांव स्थित मोइनुल इस्लाम मदरसा में तीन कमरों का निर्माण कार्य, गुनिहारी पंचायत अंतर्गत नागेश्वर बाग में डीप बोरिंग एवं जलमीनार निर्माण, प्राणपुर के नवाब पोखर एवं तौफिक आलम तालाब में सीढ़ी घाट निर्माण, नागेश्वर बाग में सार्वजनिक भवन निर्माण कार्य शामिल हैं। इसके अलावा उधवा प्रखंड क्षेत्र के श्रीघर में नारायण मंदिर के समीप पोखर का सौंदर्यीकरण एवं गार्डवाल निर्माण, जोक में काली स्थान चौक से कुदरत के खेत तक पीसीसी सड़क, नाला एवं पुलिया निर्माण, जोका में गेंदा के घर से इमाम शेख के घर तक नाला सहित पीसीसी सड़क निर्माण तथा कार्तिक स्थान से काली स्थान होते हुए कब्रिस्तान तक पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया गया। मौके पर विशेष प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता रमाकांत, विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू, राजमहल झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अनिसुर रहमान, उधवा प्रखंड अध्यक्ष अयूब अली उर्फ बाबू, काजू मल्लिक, अली कमिशन, विकास यादव, अजय दास, मोहम्मद इब्राहिम, मो. यासीन, मो. मंजूर, मो. जियाउल, मो. नईम, हारून रशीद, तमल मंडल, गणेश कीर्तनीयां सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

साहेबगंज वन प्रमंडल की पहल रंग लाई, रक्तदान शिविर में जुटीं 50 यूनिट रक्त

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । विश्व पर्यावरण दिवस सप्ताह के तहत साहेबगंज वन कार्यालय परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण, जनस्वास्थ्य और सामाजिक जिम्मेदारी के संदेश के साथ आयोजित इस शिविर में वन विभाग के अधिकारियों, कर्मियों, समाजसेवियों और स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर में कुल 50 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डीएफओ प्रबल गर्ग ने स्वयं रक्तदान कर की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के साथ मानव जीवन की रक्षा भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद को नया जीवन देता है, उसी प्रकार एक पौधा भविष्य की पीढ़ियों के लिए स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित करता है। शिविर की विशेष पहल के तहत सभी रक्तदाताओं को फलदार पौधे भेंट किए गए। रक्तदान से मानव जीवन बचाएं, वृक्षारोपण से धरती को जीवन दें संदेश के साथ लोगों को पौधारोपण एवं संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर अस्पतालों में रक्त उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मौके पर वन क्षेत्र पदाधिकारी पंचम दुबे, डीपीओ नमामि गंगे अमित कुमार मिश्रा, वनपाल राणा रंजीत चौधरी, प्रधान वनरक्षी अमित कुमार सहित वन विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

जनगणना कार्य में तेजी लाने पर जोर, एचएलओ ऐप में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का निर्देश

राजमहल(बिभा) । राजमहल प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में सोमवार को सीओ सह प्रखंड विकास पदाधिकारी मो. यूसुफ की अध्यक्षता में जनगणना से संबंधित अहम समीक्षा बैठक आयोजित की गई। वहीं बैठक का मुख्य उद्देश्य जनगणना प्रक्रिया को गति देना एवं डेटा की सटीकता सुनिश्चित करना था। वही बैठक को संबोधित करते हुए मो. यूसुफ ने सभी जनगणना सुपरवाइजर को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी सुपरवाइजर अपने-अपने प्रगणकों के माध्यम से एचएलओ ऐप के जरिए सभी एचएलबी में प्रविष्टि कराना सुनिश्चित करें। साथ ही, अब तक हुए संपूर्ण सर्वे को अंतिम रूप देते हुए ऐप में शत-प्रतिशत एंट्री पूरी करने का निर्देश भी दिया गया। वही बैठक में मौजूद अधिकारियों ने कार्य में आ रही बाधाओं को दूर करने और समय सीमा में कार्य पूरा करने पर जोर दिया। अवसर पर सहायक जनगणना पदाधिकारी मो. शम्स आजम, पंचायत राज पदाधिकारी सूर्यनारायण चौधरी, बीपीओ गगन बापू, गणना सहायक निरंजन गुप्ता, अंचल निरीक्षक प्रवीण कुमार, राजीव रंजन, राकेश कुमार, मो. मजहरुल हक, मो. शाहजहां, नीलेश तिवारी, संतोष कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

अग्रिम जमानत के बाद वसीम अकरम बोले- न्यायपालिका पर पूरा भरोसा

साहेबगंज(बिभा) । बरहरवा थाना कांड संख्या 67/26 में आरोपी बनाए गए पत्रकार वसीम अकरम को झारखंड उच्च न्यायालय से अग्रिम जमानत मिल गई है।न्यायमूर्ति रोंगन मुखोपाध्याय की अदालत ने मामले की सुनवाई के बाद वसीम अकरम को अग्रिम जमानत का लाभ प्रदान किया। वहीं उच्च न्यायालय के आदेश के बाद वसीम अकरम ने न्यायपालिका के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके विरुद्ध लगाए गए सभी आरोप पूरी तरह बेबुनियाद, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता के साथ उनका पूर्व से पारिवारिक एवं आर्थिक विवाद चला आ रहा है और उसी विवाद के कारण उन्हें बार-बार झूठे मामलों में फंसाने एवं परेशान करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं वसीम अकरम ने कहा कि उन्हें शुरू से ही न्यायालय पर पूरा भरोसा था और इसी भरोसे के साथ उन्होंने कानूनी लड़ाई लड़ी। उन्होंने दावा किया कि मामले के सभी तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए ही माननीय उच्च न्यायालय ने उन्हें अग्रिम जमानत प्रदान की है। साथ ही उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता एवं उसके परिजनों द्वारा पूर्व में भी उनके विरुद्ध विभिन्न प्रकार के आरोप लगाए जाते रहे हैं, जबकि कई मामलों में न्यायालय एवं जांच के दौरान सच्चाई सामने आ चुकी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान मामला भी उसी श्रृंखला का हिस्सा है और अंततः सत्य सामने आएगा। साथ ही वसीम अकरम ने कहा कि वह जांच में पूरा सहयोग करेंगे तथा न्यायिक प्रक्रिया में पूर्ण विश्वास रखते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि निष्पक्ष जांच के बाद सच्चाई सामने आएगी और उन्हें न्याय मिलेगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के प्रखंड समन्वयक को मिला नियुक्ति पत्र

खूँटी(बिभा) । जिले के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लिए चयनित अभ्यर्थी तोरपा निवासी प्रियंका तोपनो को प्रखंड समन्वयक पद का नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। जिसे उपायुक्त मो० जावेद हुसैन के निर्देश पर उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश ने सोमवार को प्रदान किया। मौके पर उन्होंने नई जिम्मेदारी के लिए प्रियंका को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण सरकार की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य पात्र लाभुकों को आवास उपलब्ध कराना है। ऐसे में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लाभुकों तक समयबद्ध लाभ पहुंचाने में प्रखंड समन्वयक की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। मौके पर, उन्होंने निर्देशित किया कि पूरी निष्ठा, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में सक्रिय योगदान देना है ताकि लाभुकों को बिना कष्ट हुए उनका कार्य हो जाए। इसपर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास गरीबों के लिए केंद्र सरकार का महत्वपूर्ण योजना है। ताकि गरीबों का पक्का मकान बन जाए। इसमें शिकायत नहीं मिलनी चाहिए।

जंगली हाथियों ने खटखुरा गांव में मचाया तांडव, एक घर के किया क्षतिग्रस्त

खूँटी (बिभा)। जिले के रनिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्रामीण इलाकों में जंगली हाथी लोगों को भयभीत कर दिया है। जंगलों से सटे या आसपास के लोग रात चैन की नींद सो पाने में असहजता महसूस कर रहे हैं। रात में लोगों को ये भर लगा रहता है कि कहीं हाथी अपने घर के आसपास मंडरा तो नहीं रहा है। इस संदेह में रात में गरीब किसानों का नींद उड़ जा रही है। वहीं कहीं कहीं तो सोंच सच में बदल जाता है। रविवार की रात को भी यही हुआ। खटखुरा के नरसिंह गाँव में वार्ड सदस्य ममता केरकेट्टा का घर को दो जंगली हाथियों ने क्षतिग्रस्त कर दिया ।जिससे ममता को काफी नुकसान हो गया। रात को अचानक नरसिंह गांव में दो जंगली हाथी पहुंच गये और वार्ड सदस्य के घर को निशाना बनाया ।इसके बाद लोग जग गये और फिर हाथियों को जंगल की ओर का रास्ता दिखाया।

उपायुक्त ने कल्याण योजनाओं की समीक्षा कर लंबित कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। साहेबगंज समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में आईटीडीए एवं जिला कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में छात्रवृत्ति, साइकिल वितरण, स्वास्थ्य सहायता, छात्रावास निर्माण तथा पीवीटीजी सर्वे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के तहत 653 तथा प्री-मैट्रिक में 76 छात्र-छात्राओं के आवेदन स्वीकृत किए गए। वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्राप्त 20,753 साइकिलों में से 18,623 का वितरण किया जा चुका है, जबकि 2,111 साइकिलों की फिटिंग लंबित है। उपायुक्त ने शीघ्र वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत प्राप्त 59 आवेदनों के त्वरित सत्यापन के निर्देश भी दिए गए। बैठक में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, बिरसा मुंडा आवास योजना, सरना-मसना घेराबंदी, आदिवासी कला केंद्र, धुमकुड़िया भवन एवं कब्रिस्तान घेराबंदी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। लंबित कार्यों को जल्द पूरा करने और गुणवत्ता बनाए रखने पर जोर दिया गया। पीएम जनमन योजना के तहत जिले में बनने वाले 14 मल्टीपरपज सेंटर भवनों में से 13 का निर्माण पूरा हो चुका है। वहीं डीएमएफटी मद से 17 पीवीटीजी विद्यालयों में मॉड्यूलर किचन-सह-भोजनालय एवं शौचालय निर्माण कार्य पूर्ण होने की जानकारी दी गई। उपायुक्त ने अल्पसंख्यक छात्रावास निर्माण, शिक्षकों की नियुक्ति, जनजातीय छात्रावासों में बेड क्षमता बढ़ाने तथा पीवीटीजी परिवारों के सर्वे कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। बैठक में आईटीडीए परियोजना निदेशक संजय कुमार दास सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

पहले ही प्रयास में मयंक चौधरी ने आईआईटी परीक्षा में हासिल की 680वीं रैंक, साहेबगंज का बढ़ाया मान

साहेबगंज । राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित आईआईटी परीक्षा में साहेबगंज के होनहार छात्र मयंक चौधरी ने शानदार सफलता हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। जारी परीक्षा परिणाम में मयंक ने अपने पहले ही प्रयास में ऑल इंडिया 680वीं रैंक प्राप्त कर बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। उनकी इस सफलता से परिवार सहित पूरे इलाके में खुशी का माहौल है। पुरानी साहेबगंज निवासी मनोज चौधरी एवं कंचन देवी के पुत्र मयंक बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रहे हैं। परिवारजनों के अनुसार मयंक शुरू से ही पढ़ाई के प्रति गंभीर और मेहनती छात्र रहा है। उनके चाचा मिथिलेश चौधरी, जो विशेष शाखा में एएसआई के पद पर कार्यरत हैं, ने बताया कि मयंक की सफलता उसके कठिन परिश्रम और लगन का परिणाम है।मयंक के पिता मनोज चौधरी पेशे से इंजीनियर हैं, जिनसे प्रेरणा लेकर उसने इंजीनियरिंग के क्षेत्र में आगे बढ़ने का सपना देखा। मयंक ने दसवीं तक की पढ़ाई हैदराबाद स्थित भारती विद्या स्कूल से तथा 12वीं की शिक्षा गाजियाबाद से पूरी की। मयंक की इस उपलब्धि पर परिवार के सदस्यों सहित रिश्तेदारों और शुभचिंतकों ने खुशी जताई है। विशेष शाखा के डीएसपी प्रकाश टोप्पो, सहकर्मी गौतम सिंह, कुंदन कुमार रजक, अजीत भगत, नीरज पाण्डेय तथा पड़ोसी अरुण चौधरी समेत कई लोगों ने मयंक और उसके परिवार को बधाई दी है।

पल्स पोलियो कार्यक्रम की सफलता हेतु एकदिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

बिभा संवाददाता

राजमहल । आगामी 28 जून से प्रारंभ होने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल के सभागार में पर्यवेक्षकों एवं सब डिपो होल्डरों का एकदिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सादिक अंसारी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। वही प्रशिक्षण के दौरान सभी पर्यवेक्षकों को कार्य योजना तैयार करने के साथ-साथ कार्यक्रम के सभी बिंदुओं से अवगत कराते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति का निर्देश दिया गया। डॉ. अंसारी ने स्पष्ट किया कि पल्स पोलियो अभियान की सफलता में पर्यवेक्षकों और सब डिपो होल्डरों की भूमिका अहम है, इसलिए सभी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी गंभीरता से करें। वही प्रशिक्षण में बताया गया कि राजमहल प्रखंड अंतर्गत जन्म से लेकर 5 वर्ष तक के कुल 35,877 बच्चों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कुल 187 बूथों पर कार्यकर्ता तैनात रहेंगे। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु कुल 41 पर्यवेक्षक एवं 16 सब डिपो होल्डर निर्धारित किए गए हैं। साथ ही इस अवसर पर अमित कुमार, प्रखंड डेटा प्रबंधक नितिन मुर्मू, विश्व स्वास्थ्य संगठन के फील्ड मॉनिटर सुनील रंजन, संजय यादव, मनीष टुडू, डेनियल किस्कू, दीपक कुमार सिंह, पायल कश्यप, विनीता कुजूर, मधु अग्रे, सुनीला कुमारी, चितरंजन ठाकुर, रेखा देवी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वही प्रशिक्षण के अंत में सभी प्रतिभागियों ने अभियान को सफल बनाने और पोलियो मुक्त भारत की संकल्पना को साकार करने का संकल्प लिया।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में उपायुक्त ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, साहेबगंज दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय परिसर स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। वहीं निरीक्षण के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में वेयरहाउस के डबल लॉक एवं सीलबंद तीनों विधानसभा कक्षों को को नियमानुसार खोला गया। इसके उपरांत सुरक्षित रखी गई ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों का भौतिक सत्यापन किया गया तथा उनके सुरक्षित रख-रखाव की स्थिति का अवलोकन किया गया। वहीं उपायुक्त ने वेयरहाउस परिसर में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, निगरानी प्रणाली, रिकॉर्डिंग व्यवस्था एवं सुरक्षा प्रबंधन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि निगरानी व्यवस्था को चौबीसों घंटे सक्रिय एवं प्रभावी बनाए रखा जाए तथा सुरक्षा मानकों के अनुपालन में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। इस दौरान वेयरहाउस में उपलब्ध अग्निशमन उपकरणों, विद्युत सुरक्षा व्यवस्था, अभिलेख संधारण तथा अन्य सुरक्षा प्रोटोकॉल की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी व्यवस्थाओं को अद्यतन एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने का निर्देश दिया। वहीं निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने वेयरहाउस भवन की छत एवं परिसर की साफ-सफाई की स्थिति का भी जायजा लिया तथा नियमित सफाई एवं आवश्यक रखरखाव कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। वहीं निरीक्षण उपरांत राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में वेयरहाउस को पुनः डबल लॉक कर विधिवत सीलबंद किया गया। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं सुरक्षा कर्मियों को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने तथा सुरक्षा व्यवस्था की नियमित समीक्षा करते रहने का निर्देश दिया।

एक दिवसीय आधार शिविर में उमड़ी भीड़, कई समस्याओं का हुआ ऑन-द-स्पॉट समाधान

बिभा संवाददाता

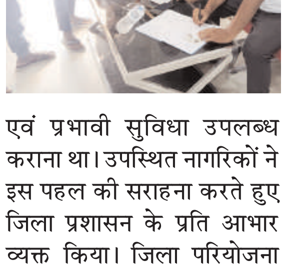

साहेबगंज। सिद्धो-कान्हो स्थित सभागार में सीएससी एएसके सेंटर एवं इंडियन पोस्टल बैंक के सहयोग से आज आधार से संबंधित विभिन्न समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का नेतृत्व जिला परियोजना पदाधिकारी (यूआईडी) संदीप कुमार द्वारा किया गया। इस विशेष शिविर में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के दौरान लगभग 150 लोगों की आधार से संबंधित समस्याओं का ऑन-द-स्पॉट समाधान किया गया। आधार में नाम, पता, मोबाइल नंबर, जन्म तिथि अद्यतन, बायोमेट्रिक अपडेट सहित अन्य तकनीकी समस्याओं का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को आधार सेवाओं से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए एक ही स्थान पर सरल, सुगम एवं प्रभावी सुविधा उपलब्ध कराना था। उपस्थित नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। जिला परियोजना पदाधिकारी (यूआईडी) संदीप कुमार ने बताया कि आधार से संबंधित सेवाओं को आमजन तक सुलभ एवं पारदर्शी रूप से पहुंचाने के लिए भविष्य में भी इस प्रकार के विशेष शिविरों का आयोजन किया जाता रहेगा। जिला प्रशासन नागरिकों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। वहीं शिविर मे सीएससी, एएसके केंद्र और इंडियन पोस्टल बैंक के कर्मी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने खेल परिसरों का निरीक्षण कर बेहतर सुविधा के लिए दिए निर्देश

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के शहरी क्षेत्र में खेल व्यवस्था स्थल की जानकारी लेने के लिए उपायुक्त मो० जावेद हुसैन ने सोमवार को विभिन्न खेल परिसर मैदानों का निरीक्षण किया। ताकि खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने एवं खिलाड़ियों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सके। इस क्रम में उन्होंने कामन्ता इंडोर स्टेडियम, बिरसा मुंडा एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम, बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, एस.एस. +2 एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम तथा एकलव्य आवासीय बालिका प्रशिक्षण केंद्र (खेल आवास) का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने खेल परिसरों में उपलब्ध आधारभूत संरचनाओं, खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, रख-रखाव व्यवस्था एवं संचालित गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को खेल परिसरों की स्वच्छता, सुरक्षा एवं समुचित रख-रखाव सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही परिसर में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए खिलाड़ियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया।

उपायुक्त ने कहा कि खूँटी जिला खेल प्रतिभाओं से समृद्ध है और खिलाड़ियों को बेहतर अवसर एवं सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि खेल परिसरों का नियमित निरीक्षण एवं रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए ताकि खिलाड़ियों को अभ्यास एवं प्रशिक्षण के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान खेल विभाग एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी तथा कर्मी उपस्थित थे।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं. 23-एसडीएसटीई-एएसएन-2026-27, दिनांक 29.05.2026 के लिए ई-निविदा; वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम/स्थान:** आसनसोल मंडल - उम्र सह दशा के आधार पर इंटरलॉक्ड लेवल क्रॉसिंग गेटों के उपकरण का प्रतिस्थापन एवं विश्वसनीयता में सुधार। **निविदा मूल्य :** रु. 2,71,25,059.70; **बयाना राशि :** रु. 5,42,500; **कार्य समापन अवधि :** एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 18 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय :** 22.06.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण:** http://www.ireps.gov.in/
(ASN-119/2026-27)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

म्यांमार हादसे में 55 लोगों की मौत, 100 से ज्यादा मकान तबाह; राहत और बचाव कार्य जारी

यंगून, एजेंसी। म्यांमार के शान प्रांत में हुए एक भीषण विस्फोट में कम से कम 55 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया के अनुसार, हादसा रविवार दोपहर चीन सीमा के निकट नामखाम टाउनशिप के काउंग तात गांव में हुआ। विद्रोही संगठन ताआंग नेशनल लिबरेशन आर्मी ने दावा किया है कि विस्फोट खनन कार्यों के लिए कथित रूप से जमा किए गए विस्फोटक पदार्थों में लापरवाही से हुए धमाके के कारण हुआ। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, विस्फोट ने पूरे गांव में भारी तबाही मचाई है। मृतकों में 25 महिलाएं और 30 पुरुष शामिल हैं। हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। बचाव दल मलबे में दबे लोगों की तलाश कर रहे हैं, जबकि क्षतिग्रस्त इमारतों और तबाह मकानों से शव निकाले जा रहे हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, विस्फोट में 100 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हो गए। गांव का एक हिस्सा पूरी तरह तबाह हो गया है और अनेक परिवार बेघर हो गए हैं। टीएनएलए के राजनीतिक संगठन पलाउंग स्टेट लिबरेशन फ्रंट ने टेलीग्राम पर जारी बयान में मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घटना की जांच करने की जानकारी दी। संगठन ने कहा कि विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है और घटना के जिम्मेदार लोगों या संस्था के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। टीएनएलए ने प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद देने का आश्वासन दिया है। वहीं, स्थानीय प्रशासन और राहत एजेंसियां नुकसान का आकलन करने में जुटी हैं, जबकि बचावकर्मी हादसे में जीवित लोगों की तलाश में अभियान चला रहे हैं।

अब क्या चाहते हैं ट्रंप?: माउंट रशमोर में जगह पाने की चाह, अमेरिकी राष्ट्रपति ने शेयर की एआई से बनी तस्वीर

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर माउंट रशमोर में अपनी जगह बनाने की बहस को हवा दे दी है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर एक एआई से तैयार की गई तस्वीर साझा की है, जिसमें उनका चेहरा अमेरिका के चार ऐतिहासिक राष्ट्रपतियों के साथ माउंट रशमोर स्मारक पर दिखाई दे रहा है। इस तस्वीर में ट्रंप को जॉर्ज वॉशिंगटन, थॉमस जेफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन के साथ दिखाया गया है। खास बात यह रही कि ट्रंप ने इस तस्वीर के साथ कोई टिप्पणी या संदेश साझा नहीं किया। माउंट रशमोर नेशनल मेमोरियल दक्षिण डकोटा के कीस्टोन स्थित ब्लैक हिल्स क्षेत्र में ग्रेनाइट चट्टानों पर उकेरा गया एक विशाल स्मारक है। यहां अमेरिका के चार पूर्व राष्ट्रपतियों के 60 फुट ऊंचे चेहरे तराशे गए हैं। यह स्मारक अमेरिका के जन्म, क्षेत्रीय विस्तार, आर्थिक प्रगति और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थिरता का प्रतीक माना जाता है। स्मारक के मूल मूर्तिकार गुटजोन बोर्गलम ने इन चार राष्ट्रपतियों का चयन अमेरिका के पहले 150 वर्षों के इतिहास को दर्शाने के उद्देश्य से किया था। जॉर्ज वॉशिंगटन को अमेरिकी गणराज्य की स्थापना और स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक माना गया, जबकि थॉमस जेफरसन देश के क्षेत्रीय विस्तार का प्रतिनिधित्व करते हैं। थियोडोर रूजवेल्ट को राष्ट्रीय विकास और वैश्विक मंच पर अमेरिका के उभार के प्रतीक के रूप में शामिल किया गया था। वहीं, अब्राहम लिंकन को अमेरिकी गृहयुद्ध के दौरान देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए सम्मानित किया गया।

पीएसजी के चैंपियन बनते ही सुलग उठा फ्रांस: आधी रात को रणक्षेत्र बनीं सड़कें, हिंसा बाद सैकड़ों हुड़दंगी गिरफ्तार

पेरिस, एजेंसी। पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने चैंपियंस लीग के फाइनल में आर्सेनल को हरा दिया। इस जीत के बाद पूरे फ्रांस में भारी दंगे भड़क गए। फुटबॉल फैंस और पुलिस के बीच हिंसक झड़पें हुईं। इस हिंसा में कुल 219 लोग घायल हो गए हैं। आंतरिक मंत्री लॉरेंट नुनेज ने बताया कि आठ लोगों की हालत बहुत गंभीर है। पेरिस में दंगाइयों ने बस, ट्रेन और रेल सेवा को रोक दिया। उपद्रवियों को काबू करने में 57 पुलिसकर्मी भी जख्मी हुए हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, हिंसा के आरोप में 780 लोग गिरफ्तार हुए हैं। इनमें से 450 से ज्यादा लोग अभी पुलिस की हिरासत में हैं। दंगाइयों ने पेरिस के रिंग रोड को जाम करने की कोशिश की। इसी दौरान एक सड़क हादसे में 24 साल के एक युवक की मौत हो गई। गवाहों के अनुसार वह मोटरसाइकिल से कंक्रीट के ब्लॉक से टकरा गया था। एक अन्य इलाके में हुई लड़ाई में एक किशोर भी गंभीर रूप से घायल हुआ है। अकेले पेरिस से 480 लोग गिरफ्तार हुए हैं, जिनमें 82 नाबालिग हैं। इन पर पुलिस पर हमला करने, संपत्ति तोड़ने, चोरी और हथियार रखने के आरोप हैं। मैच में पेनल्टी शूटआउट के जरिए जीत के बाद चांस-एलिजी सड़क पर हजारों फैंस जमा हो गए थे। वहां लोगों ने हुड़दंग मचाया, दुकानों के शीशे तोड़े और इलेक्ट्रिक बाइक जला दीं। पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े।

दबाव बढ़ेगा तो पुतिन करेंगे बातचीत', जेलेंस्की की रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक बार फिर दुनिया के देशों से रूस पर दबाव बढ़ाने की अपील की है। उनका कहना है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को शांति वार्ता की मेज तक लाने के लिए और कड़े प्रतिबंध तथा अंतरराष्ट्रीय दबाव की जरूरत है। रूस-यूक्रेन युद्ध अब अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और जेलेंस्की लगातार युद्ध समाप्त करने के लिए नए कूटनीतिक रास्ते तलाश रहे हैं। एक इंटरव्यू में जेलेंस्की ने कहा कि आने वाले छह महीनों में अगर यूक्रेन युद्धक्षेत्र में महत्वपूर्ण सफलता हासिल करता है, तो भविष्य की किसी भी शांति वार्ता में उसकी स्थिति काफी मजबूत हो सकती है। उन्होंने कहा कि सर्दियों के आने से पहले किसी न किसी तरह कूटनीतिक रास्ता निकालकर बातचीत शुरू करनी होगी। उनका मानना है कि युद्ध को केवल सैन्य ताकत से नहीं बल्कि बातचीत के जरिए भी खत्म किया जा सकता है। इस बीच, अमेरिकी थिंक टैंक इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर (आईएसडब्ल्यू) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि युद्ध के मोर्चे पर हालात धीरे-धीरे यूक्रेन के पक्ष में बदलते दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार रूसी सेना की बढ़त की गति धीमी पड़ रही है, जबकि यूक्रेनी सेना नई रणनीतियों और आधुनिक युद्ध तकनीकों का इस्तेमाल कर रही है। हालांकि विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि यूक्रेन पूरी तरह से युद्ध का रुख बदल पाएगा या

नहीं। जेलेंस्की ने अमेरिका से अतिरिक्त सैन्य सहायता की भी मांग की है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी कांग्रेस को पत्र भेजकर पैट्रियट मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए और इंटरसेप्टर मिसाइलें उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। यह मांग उस समय की गई जब रूस ने हाल ही में कीव पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमला किया। यूक्रेन का कहना है कि मौजूदा उत्पादन क्षमता उसकी जरूरतों के मुकाबले बहुत कम है और पैट्रियट मिसाइलों की आपूर्ति बढ़ाई जानी चाहिए। अमेरिका के युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका अपनी रक्षा उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि हथियार और मिसाइल बनाने वाली कंपनियों को अधिक उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि यूक्रेन और उसके सहयोगियों की जरूरतें पूरी की जा सकें। हेगसेथ ने यह भी कहा कि यूरोपीय देशों ने भी यूक्रेन की मदद के लिए काफी संसाधन उपलब्ध कराए हैं और अमेरिका इस सहयोग का स्वागत करता है। आईएसडब्ल्यू ने चेतावनी दी है कि यूक्रेन के पास वर्तमान परिस्थितियों का फायदा उठाने के लिए सीमित समय है। संस्था का मानना है कि रूस इस समय युद्धक्षेत्र में कई चुनौतियों का सामना कर रहा है और यदि पश्चिमी देश अपनी सहायता बढ़ाते हैं तो यूक्रेन को महत्वपूर्ण रणनीतिक लाभ मिल सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस पर बढ़ता सैन्य और आर्थिक दबाव पुतिन को अपनी रणनीति पर दोबारा विचार करने के लिए मजबूर कर सकता है। कूटनीतिक मोर्चे पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने स्वीकार किया कि फिलहाल शांति वार्ता की प्रक्रिया धीमी पड़ गई है। हालांकि उन्होंने कहा कि यदि बातचीत के लिए कोई नया अवसर पैदा होता है तो अमेरिका फिर से सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार रहेगा। जेलेंस्की ने विश्वास जताया कि रूस अंततः किसी न किसी समझौते के लिए तैयार हो सकता है। उन्होंने कहा कि अतीत में अमेरिका की भागीदारी के साथ हुई बातचीत भविष्य की वार्ताओं का आधार बन सकती है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने अमेरिकी अधिकारियों मार्को रुबियो, स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर को कीव आने का निमंत्रण भी दिया है। उनका कहना है कि अमेरिकी प्रतिनिधियों को यूक्रेन आकर खुद हालात देखने चाहिए ताकि वे युद्ध की वास्तविक स्थिति को बेहतर ढंग से समझ सकें। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने पुष्टि की है कि इस तरह की यात्रा पर चर्चा हुई है, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। जेलेंस्की का मानना है कि शांति वार्ता में केवल अमेरिका या केवल यूरोप की भूमिका पर्याप्त नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सबसे प्रभावी बातचीत वही होगी जिसमें यूक्रेन, रूस, अमेरिका और यूरोपीय देश सभी शामिल हों। उनके अनुसार, यही ऐसा मंच होगा जो स्थायी शांति का रास्ता तैयार कर सकता है। उन्होंने यह भी दोहराया कि यदि पुतिन बातचीत के लिए तैयार हों तो वह उनसे सीधे मिलने के लिए भी तैयार हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि इसके लिए रूस पर आर्थिक और राजनीतिक दबाव बढ़ाना जरूरी है। जेलेंस्की के मुताबिक अतिरिक्त प्रतिबंध और अंतरराष्ट्रीय दबाव रूस को बातचीत के लिए मजबूर कर सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि रूसी सेना को हर महीने लगभग 35 हजार सैनिकों के नुकसान का सामना करना पड़ रहा है, जिससे देश के भीतर भी दबाव बढ़ रहा है। रूस पर 2022 से कई अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगाए जा चुके हैं, लेकिन ऊंची वैश्विक तेल कीमतों और कुछ विशेष परिस्थितियों के कारण रूस की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह झटका नहीं लगा। इसके बावजूद जेलेंस्की को उम्मीद है कि अमेरिका भविष्य में और सख्त आर्थिक कदम उठाएगा। सैन्य तकनीक के क्षेत्र में भी यूक्रेन नए समझौतों की तैयारी कर रहा है। जेलेंस्की ने बताया कि उनके देश ने कुछ मध्य-पूर्वी और यूरोपीय देशों के साथ ड्रोन संबंधी समझौते किए हैं।

होर्मुज में अमेरिकी सेना का बड़ा एक्शन: अब तक 118 व्यापारिक जहाज खदेड़े, पांच को किया पंगु

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया के समंदर में तनाव बहुत बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने ईरान के बंदरगाहों को पूरी तरह घेर लिया है। अमेरिकी सैन्य कमान (सेंटकॉम) ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। अमेरिकी सेना ने ईरान जाने और वहां से आने वाले 118 व्यापारिक जहाजों का रास्ता बदल दिया है। यही नहीं, अमेरिकी सेना की बात न मानने वाले पांच जहाजों को पूरी तरह अपाहिज यानी निष्क्रिय कर दिया गया है।

अमेरिका ने ईरान की यह नौसैनिक नाकेबंदी 13 अप्रैल को शुरू की थी। अमेरिकी सेना ने साफ चेतावनी दी है। वे ईरान के बंदरगाहों की तरफ आने-जाने वाले सभी जहाजों को रोकते रहेंगे। हैरत की बात यह है कि कार्रवाई तब हो रही है जब दोनों देश शांति की राह पर आने के लिए बातचीत भी कर रहे हैं।

ट्रंप ने पलटी बाजी, शर्तें कीं और कड़ी : कुछ दिन पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि समझौता लगभग तय है। लेकिन अब मामला अटक गया है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने अपने सलाहकारों के साथ दो घंटे बैठक की। इसके बाद ट्रंप ने समझौते का ड्राफ्ट वापस कर दिया। ट्रंप अब इस समझौते में और ज्यादा कड़ी शर्तें चाहते हैं।

ट्रंप चाहते हैं कि ईरान के परमाणु

कार्यक्रम पर सख्ती बरती जाए। वे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते को हमेशा खुला रखने की गारंटी चाहते हैं। ट्रंप ईरान को कोई आर्थिक राहत देने के पक्ष में नहीं हैं। वे ओबामा के समय हुए समझौते जैसी नरमी नहीं बरतना चाहते। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान के समृद्ध यूरेनियम को जब्त कर नष्ट करेगा। वहीं ईरान इस पर बात करने को भी तैयार नहीं है।

ईरान का दो टूक जवाब-हम नहीं झुकेंगे : ईरान ने भी अमेरिका के सामने झुकने से साफ मना कर दिया है। तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबाफ ने कहा कि जब तक उनके अधिकार सुरक्षित नहीं होंगे, वे कोई समझौता नहीं मानेंगे। उन्होंने कहा कि हमें दुश्मन के वादों पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। हमें ठोस नतीजे चाहिए। दूसरी तरफ अमेरिकी सीनेटर क्रिस कून्स का कहना है कि ट्रंप की शर्तें कागजों पर अच्छी हैं, लेकिन इन्हें जमीन पर लागू करना बहुत मुश्किल होगा।

ईरान समझौते के मसौदे में ट्रंप ने मांगे बड़े बदलाव, परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज पर सख्त शर्तें

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ प्रस्तावित समझौते के मसौदे को वापस भेजकर उसमें कई महत्वपूर्ण बदलाव करने को कहा है। इससे दोनों देशों के बीच चल रही बातचीत लंबी खिंच सकती है और समझौते को लेकर नई अनिश्चितता पैदा हो गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ट्रंप ने अपने सलाहकारों के साथ हुई बैठक में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर और अधिक सख्त शर्तें जोड़ने की मांग की है। साथ ही उन्होंने रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोलने को भी समझौते का अहम हिस्सा बनाने पर जोर दिया है। बताया जा रहा है कि ट्रंप ईरान को दिए जाने वाले आर्थिक राहत पैकेज को लेकर भी सतर्क हैं। उन्हें आशंका है कि अगर ईरान को ज्यादा वित्तीय रियायतें दी गईं तो इसकी तुलना पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के दौर के परमाणु समझौते से की जा सकती है, जिसकी ट्रंप पहले भी आलोचना कर चुके हैं। कुछ दिन पहले ही ट्रंप ने कहा था कि समझौता लगभग अंतिम चरण में पहुंच चुका है और दोनों देशों के बीच तनाव जल्द खत्म हो सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने भी संकेत दिए थे कि एक ऐसा समझौता तैयार किया जा रहा है जिससे संघर्ष रुकेगा, होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से पूरी तरह खुलेगा और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर आगे की बातचीत का रास्ता बनेगा। हालांकि शुक्रवार को हुई करीब दो घंटे की बैठक के बाद भी कोई अंतिम फैसला नहीं हो सका। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि अमेरिका ईरान के उच्च स्तर पर संवर्धित यूरेनियम के भंडार को अपने कब्जे में लेकर नष्ट करना चाहता है। दूसरी ओर, ईरान का कहना है कि मौजूदा वार्ता में उसके परमाणु कार्यक्रम के तकनीकी विवरण पर चर्चा नहीं हो रही है। वित्तीय मुद्दों पर भी दोनों पक्षों में मतभेद बने हुए हैं। ट्रंप का कहना है कि समझौते में धन के आदान-प्रदान पर कोई चर्चा नहीं हुई, जबकि ईरान का मानना है कि किसी भी समझौते में आर्थिक प्रावधान शामिल होना जरूरी है। इस बीच ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर कालिबाफ ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक ईरान के अधिकार और हित सुरक्षित नहीं किए जाते, तब तक अमेरिका के साथ किसी समझौते को मंजूरी नहीं दी जाएगी।

पश्चिम एशिया में बढ़ा तनाव, अमेरिका ने ईरान पर किए हवाई हमले; हिजबुल्ला पर लगे आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिका ने ईरान पर मिसाइलें दागी हैं। वहीं ईरान में राष्ट्रपति पेजेश्कियन के इस्तीफे को लेकर विवाद हो रहा है। ईरान के सरकारी चैनल पर जारी बयान में इस्तीफे का खंडन किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक तेहरान में हुए बवाल में कई लोग घायल हुए हैं। आक्रोशित जनता सड़कों पर उतर आई है। अमेरिका ने आरोप लगाया है कि हिजबुल्ला, इस्राइल के साथ युद्धविराम की कोशिशों को कमजोर कर रहा है। अमेरिका का कहना है कि यह समूह हमले रोकने से इनकार कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने हाल ही में लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की। यह बातचीत इस्राइल और लेबनान के बीच चल रहे कूटनीतिक प्रयासों का हिस्सा थी। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, 'इस बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिका ने एक साफ योजना दी। जिसके तहत पहले हिजबुल्ला को इस्राइल पर सभी हमले रोकने होंगे। इसके बदले में इस्राइल भी बेरूत में किसी तरह की और सैन्य कार्रवाई नहीं करेगा। इससे धीरे-धीरे तनाव कम करने और लड़ाई खत्म करने का रास्ता बनेगा।'

अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति जोसेफ आउन इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाना चाहते थे और सभी पक्षों के बीच सहमति बनवाने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन यह कोशिश लेबनान के संसद अध्यक्ष नबीह बेरी के जवाब के बाद रुक गई। नबीह हिजबुल्ला के करीबी सहयोगी माने जाते हैं। अधिकारी के अनुसार, बेरी ने कहा कि वे हिजबुल्ला की तरफ से सीजफायर का भरोसा दिला सकते हैं, लेकिन उन्होंने शर्त रखी कि पहले इस्राइल को सैन्य कार्रवाई रोकनी होगी।

अमेरिका ने इस संघर्ष के लिए ईरान को भी जिम्मेदार ठहराया है। अधिकारी ने कहा, 'ईरान हिजबुल्ला को निर्देश दे रहा है। उसे लेबनान के लोगों की भलाई में कोई रुचि नहीं है। ईरान चाहता है कि यह संघर्ष लंबा चले ताकि वह बाद में स्थिति संभालने का श्रेय ले सके।'

ईरान का भी अमेरिका पर पलटवार का दावा : ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने बताया है कि अमेरिकी हमले के जवाब में उन्होंने भी अमेरिका के उन एयरबेस को निशाना बनाया है, जहां से ईरान पर हवाई हमले किए गए। हालांकि आईआरजीसी ने इस मामले में ज्यादा जानकारी नहीं दी।

कुवैत का दावा- उन पर हुए हवाई हमले : कुवैत ने दावा किया है कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने देश की ओर बढ़ रहे ड्रोन और मिसाइलों को इंटरसेप्ट किया है। इन हमलों के दौरान कुवैत के कई इलाकों में विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं, जिन्हें कुवैती सेना ने इंटरसेप्शन ऑपरेशन का हिस्सा बताया। क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं।

ईरान पर अमेरिका ने किए हवाई हमले अमेरिकी सेना ने कहा है कि उसने ईरान के रडार और ड्रोन कमांड ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। यह कार्रवाई तेहरान द्वारा अमेरिकी प्रीडेटर ड्रोन को मार गिराए जाने के बाद की गई। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, हमले ईरान की आक्रामक गतिविधियों के जवाब में किए गए। हमलों में ईरान के ड्रोन नियंत्रण और रडार प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने एक बयान में कहा है कि उन्होंने ईरान के शहरों गोरुक और केशम में हमले किए हैं।

शादी के बाद हेलिकॉप्टर में भरी उड़ान, भारतीय मूल के युवक समेत पायलट की मौत; पत्नी बची

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में हुए एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में भारतीय मूल के एक युवक और पायलट की मौत हो गई। यह हादसा युवक की शादी के कुछ घंटों बाद ही हुआ। हेलिकॉप्टर दुर्घटना में नवविवाहिता पत्नी घायल हो गई। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी सामने आई है।

डेल्टा एयर लाइंस में पायलट और अटलांटा निवासी 25 वर्षीय डेव फिजी बीते शुक्रवार को डॉसन काउंटी के डॉसनविल के पास एक पांच सीटों वाले रॉबिन्सन हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से मारे गए। उनकी पत्नी जेस्नी घायल हो गईं और उन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

केरल से एर्नाकुलम से जाकर अमेरिका में बसा था परिवार : परिवार के अनुसार, डेव और जेस्नी ने उसी दिन डॉसनविल के पास स्थित द रिवेरे नाम के कार्यक्रम स्थल पर शादी की थी। समारोह में सैकड़ों मेहमान शामिल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, डेव के माता-पिता जॉर्ज और फेबा फिजी कई वर्ष पहले केरल के एर्नाकुलम जिले से अमेरिका आकर बस गए थे। जेस्नी का परिवार भी केरल के अलप्पुझा जिले से जुड़ा हुआ है।

बेटे की मौत के बाद पिता जॉर्ज फिजी ने कहा, 'वह हमारे लिए बेहद अनमोल बच्चा था, वह भगवान का दिया हुआ उपहार था।' उन्होंने कहा, 'हम कह सकते हैं कि यह एक आदर्श शादी थी। हम इससे अधिक कुछ नहीं मांग सकते थे।' हालांकि, इसके बाद परिस्थितियां अचानक बदल गईं।

पिता ने बताया कैसे हुआ हादसा : पिता ने बताया कि नवविवाहित जोड़े को हेलिकॉप्टर से कार्यक्रम स्थल से निकलकर पीचट्री-डीकाल्ब एयरपोर्ट जाना था। हालांकि, समारोह के अंत तक मौसम खराब हो गया था। जॉर्ज फिजी के अनुसार, रात करीब 9:30 बजे समारोह समाप्त हुआ। इसके बाद कोहरे और बारिश की वजह से दृश्यता काफी कम हो गई थी। अनुभवी कमर्शियल पायलट डेव ऐसे मौसम में उड़ान को लेकर सहज नहीं थे। उनके पिता ने बताया, 'उसने कहा था कि मैं ऐसी दृश्यता में उड़ान नहीं भरूंगा।'

इसके बावजूद हेलिकॉप्टर ने उड़ान भरी। बताया गया कि पायलट ने अधिक ऊंचाई पर उड़ान भरने का फैसला किया था। बाद में हेलीकॉप्टर डॉसनविल के दक्षिण-पश्चिम में घने जंगल और पहाड़ी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

पत्नी को मलबे से निकालने में लग गए पांच घंटे : जॉर्ज फिजी ने बताया कि जेस्नी मलबे और गिरे हुए पेड़ों के नीचे करीब पांच घंटे तक फंसी रहीं, जिसके बाद बचाव दल उन्हें निकाल सका। उन्होंने कहा, 'उसने बताया कि जब उसे होश आया तो वह मलबे के नीचे थी।' उन्होंने आगे कहा, 'उसने देखा कि डेव उसकी छाती पर पड़े हुए थे। वह खुद नर्स है। जब उसने उन्हें छुआ और आवाज लगाई तो पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी।' जेस्नी को कई जगह चोटें लगी हैं। हालांकि, डेव की मौत से वह गहरे सदमे में हैं। डॉसन काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, शुक्रवार देर रात एक संभावित हेलिकॉप्टर दुर्घटना की सूचना मिली थी। बाद में संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने पुष्टि की कि रात करीब 10:30 बजे डॉसनविल के पास एक रॉबिन्सन आर66 हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें तीन लोग सवार थे।

पेज एक का शेष

विद्यार्थियों को एसआईआर और जनगणना...

मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान गढ़वा, देवघर और साहिबगंज जिलों में निर्मित अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने इन विद्यालयों में उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों, आधारभूत संरचना, छात्र-छात्राओं की नामांकन स्थिति और संचालन व्यवस्था की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिया कि इन संस्थानों का संचालन उच्च गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सके।

साइकिल वितरण योजना की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वर्तमान आवश्यकताओं और बदलते परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को पारंपरिक साइकिल के स्थान पर ई-साइकिल उपलब्ध कराने के लिए एक समन्वित एवं व्यावहारिक कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने इस दिशा में कल्याण विभाग, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग और उद्योग विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष बल दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के दूरस्थ, ग्रामीण एवं दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले छात्र-छात्राओं के लिए विद्यालय तक पहुंच एक बड़ी चुनौती होती है। ऐसी स्थिति में ई-साइकिल जैसी सुविधा उपलब्ध कराना न केवल उनकी शिक्षा तक पहुंच को आसान बनाएगा, बल्कि उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने में भी सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना का लाभ पात्र विद्यार्थियों को समयबद्ध ढंग से उपलब्ध कराया जाए, ताकि उनकी पढ़ाई किसी भी प्रकार से प्रभावित न हो।

कल्याण विभाग की ओर से संचालित अस्पतालों की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं पहुंच को और बेहतर बनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि रिम्स सहित राज्य के सभी जिला अस्पतालों में अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति वर्ग के मरीजों की सुविधा के लिए विशेष हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएं। इन हेल्प डेस्क पर संबंधित वर्ग के प्रशिक्षित कर्मियों की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि मरीजों को पंजीकरण, परामर्श, जांच एवं उपचार की प्रक्रिया में आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग के मरीजों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ सहजता से प्राप्त हो सकेगा।

बैठक में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री चमरा लिंडा, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, विभागीय सचिव कृपानंद झा सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

पीएम बालेन शाह के भारतीय जमीन पर कब्जे वाले बयान पर बढ़ा विवाद, नेपाल के विदेश मंत्रालय को देनी पड़ी सफाई

काठमांडू, एजेंसी। भारत-नेपाल सीमा विवाद को लेकर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के बयान पर उठे विवाद के बाद अब नेपाल के विदेश मंत्रालय को सफाई देनी पड़ी है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि प्रधानमंत्री के 'नेपाल द्वारा भारतीय जमीन पर अतिक्रमण' वाले बयान का मतलब सरकारी कब्जा नहीं, बल्कि सीमा के पास दोनों देशों के लोगों द्वारा जमीन के इस्तेमाल और नो-मैन्स लैंड से जुड़े मुद्दे थे। इस बयान के बाद नेपाल में राजनीतिक और कूटनीतिक बहस और तेज हो गई है।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने संसद में कहा था कि उन्हें जानकारी मिली है कि सिर्फ भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया, बल्कि नेपाल की तरफ से भी कई जगह भारतीय जमीन का इस्तेमाल हुआ है। उनके इस बयान पर नेपाल में भारी विवाद शुरू हो गया था। इसके बाद विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री की टिप्पणी 'दसगजा' यानी नो-मैन्स लैंड और सीमा पार कब्जे से जुड़े मामलों को लेकर थी। मंत्रालय ने कहा कि इसे किसी सरकारी कब्जे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सफाई में क्या कहा : नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और नेपाल की मौजूदा सीमा 1816 की सुगौली संधि पर आधारित है। मंत्रालय ने कहा कि लिपुलेख, लिम्पियाधुरा, कालापानी और सुस्ता जैसे कुछ क्षेत्र अब भी पूरी तरह सीमांकित नहीं हुए हैं। विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों देश इन मुद्दों को बातचीत और कूटनीतिक माध्यम से सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि कई सीमावर्ती इलाकों में दोनों देशों के लोगों द्वारा एक-दूसरे की जमीन का इस्तेमाल किया जाता रहा है।

दसगजा और सीमा पार कब्जे का क्या मतलब है : नेपाल सरकार ने कहा कि

'दसगजा' उन नो-मैन्स लैंड क्षेत्रों को कहा जाता है जो सीमा स्तंभों के बीच खाली छोड़े जाते हैं। कई जगह सीमा स्तंभ टूट गए या गायब हो गए हैं, जिसके कारण जमीन को लेकर भ्रम की स्थिति बनती रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कुछ मामलों में भारतीय सीमा के लोग नेपाली जमीन का इस्तेमाल करते हैं और कुछ मामलों में नेपाली लोग भारतीय जमीन का उपयोग करते हैं। प्रधानमंत्री का बयान इसी तरह के मामलों से जुड़ा था।

भारत-नेपाल के बीच विवाद किन इलाकों को लेकर है : भारत और नेपाल के बीच कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को लेकर लंबे समय से सीमा विवाद चल रहा है। भारत का कहना है कि ये इलाके उत्तराखंड का हिस्सा हैं। वहीं नेपाल इन क्षेत्रों पर अपना दावा करता है। हाल ही में कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर भी दोनों देशों के बीच बयानबाजी हुई थी। भारत ने नेपाल के दावों को 'एकतरफा कृत्रिम विस्तार' बताया था और कहा था कि ऐसे दावे स्वीकार नहीं किए जा सकते।

क्या दोनों देश बातचीत से समाधान चाहते हैं : नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों की तकनीकी टीमें लंबे समय से सीमा स्तंभों की मरम्मत, सीमा निर्धारण और जमीन के इस्तेमाल से जुड़े तथ्यों पर काम कर रही हैं। मंत्रालय ने कहा कि भारत और नेपाल ऐतिहासिक दस्तावेजों, नक्शों और समझौतों के आधार पर विवाद सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नेपाल ने साफ किया कि वह सीमा विवाद का समाधान शांति, संवाद और कूटनीतिक रास्ते से चाहता है।

नेपाल में बयान पर इतना विवाद क्यों हुआ : प्रधानमंत्री बालेन शाह के बयान के बाद नेपाल में राजनीतिक हलचल तेज हो गई थी। कई लोगों ने सवाल उठाया कि क्या नेपाल ने आधिकारिक तौर पर कभी भारतीय जमीन पर कब्जा स्वीकार किया है। मीडिया और विपक्षी दलों ने भी इस मुद्दे पर सरकार से जवाब मांगा। इसी दबाव के बाद विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर पूरे मामले को स्पष्ट करने की कोशिश की।

पीएम स्वनिधिः गुजारे से आत्मनिर्भरता की ओर

बिहान भारत

पीएम स्वनिधि भारत की अनाधिकारिक शहरी अर्थव्यवस्था में काम करने वाले आपूर्तिकर्ताओं को सहायता देने वाली एक बड़ी पहल के तौर पर उभरी है। बिना किसी गारंटी के ऋण देने के अलावा, इस योजना ने डिजिटल तरीकों को अपनाने को बढ़ावा दिया है, संस्थागत ऋण तक पहुंच को बेहतर बनाया है और सामाजिक सुरक्षा के दायरे को बढ़ाया है। वर्ष 2020 में शुरू होने के बाद से, अब तक 1.12 करोड़ से ज्यादा ऋण वितरित किए जा चुके हैं। इस पहल से शहरों और कस्बों में 75 लाख से ज्यादा लाभार्थियों को फायदा हुआ है। इस योजना के तहत 17,800 करोड़ रुपये से ज्यादा के ऋण दिए गए हैं। इसका असर न सिर्फ. सरकारी आंकड़ों में दिखता है, बल्कि उन लोगों की रोजमर्रा की ज़िंदगी में भी नजर आता है जो अपनी आजीविका को ज्यादा मजबूत और टिकाऊ बना रहे हैं।

भारत के रेहड़ी-पटरी वालों की बदलती कहानी

किसी भीड़भाड़ वाले बाजार में सब्जी बेचने वाला और किसी व्यस्त दफ़्तर के बाहर चाय बेचने वाला–ये भारतीय शहरों में आम नजारे हैं। गलियों में घूमकर फल बेचने वाला और सड़क के किनारे फुटपाथ पर जूते ठीक करने वाला मोची भी रोजमर्रा की शहरी ज़िंदगी के लिए उतने ही जरूरी हैं। ये लाखों रेहड़ी-पटरी वाले मिलकर हर दिन भारत की शहरी अर्थव्यवस्था को चलाते रहते हैं। वे स्थानीय बाजारों और आस-पड़ोस की आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखते हुए किफायती सामान और जरूरी सेवाएं देते हैं। हालांकि, औपचारिक ऋण तक उनकी पहुंच बहुत कम थी, जिसकी वजह से कई विक्रेताओं को बहुत ज्यादा ब्याज दरों पर अनौपचारिक ऋण पर निर्भर रहना पड़ता था। उनकी इन मुश्किलों को दूर करने के लिए, जून 2020 में 'प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि' (पीएम स्वनिधि) योजना शुरू की गई। यह अपनी तरह की पहली सूक्ष्म वित्त (माइक्रो-क्रेडिट) पहल थी, जो रेहड़ी-पटरी वालों पर केंद्रित थी और जिसे सरकार की क्रेडिट गारंटी का सहारा मिला हुआ था। इस योजना का मकसद रेहड़ी-पटरी वालों को ₹स्वरोजगार, स्वावलंबन और स्वाभिमान₹ देना था। आज, पीएम स्वनिधि सिर्फ.एक ऋण देने वाली सामान्य योजना से कहीं आगे बढ़कर एक देशव्यापी आंदोलन बन गई है, जो भारत की अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में काम करने वाले लाखों लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, डिजिटल दुनिया से जोड़ने और सामाजिक सुरक्षा देने का काम कर रही है।

पिछले कुछ वर्षों में, इस योजना ने देश भर के शहरों और कस्बों में जबरदस्त तरक्की की है। 75.5 लाख से ज्यादा लाभार्थियों ने 1.12 करोड़ से ज्यादा ऋण लिए हैं, जिनकी कुल रकम 17,800 करोड़ रुपये से ज्यादा है। इस योजना के तहत 55 लाख से ज्यादा लाभार्थियों को डिजिटल माध्यम से जोड़ा गया है। एक साथ मिलकर, उन्होंने लगभग 8.96 लाख करोड़ रुपये के 841 करोड़ से ज्यादा डिजिटल ट्रांजैक्शन किए हैं। पीएम स्वनिधि के तहत लाभार्थियों को डिजिटल कैशबैक प्रोत्साहन और ब्याज सब्सिडी के जरिए लगभग 800 करोड़ रुपये भी मिले हैं। इन मजबूत उपलब्धियों और महसूस किए जाने वाले प्रभाव को देखते हुए, इस योजना को मार्च 2030 तक बढ़ा दिया गया है।

पीएम स्वनिधि योजना की मुख्य विशेषताएं

1. कार्यशील पूंजी ऋणः बिना किसी गारंटी के 15,000 रुपये, 25,000 रुपये और 50,000 रुपये के ऋण, ब्याज सब्सिडी और क्रेडिट गारंटी सहायता के साथ, तीन चरणों में दिए जाते हैं।
2. यूपीआई -लिंक्ड रुपे क्रेडिट कार्डः जो विक्रेता दूसरे चरण का ऋण सफलतापूर्वक चुका देते हैं, वे 30,000 रुपये तक की सीमा वाले यूपीआई -लिंक्ड रुपे क्रेडिट कार्ड के लिए पात्र होते हैं।
3. डिजिटल प्रक्रिया को अपनानाः डिजिटल प्रक्रिया को अपनाने और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए, स्ट्रीट वेंडरों को खुदरा/थोक डिजिटल ट्रांजैक्शन के लिए 1,600 रुपये तक के कैशबैक प्रोत्साहन दिए जाते हैं।
4. स्वनिधि से समृद्धि (एसएसएस): लाभार्थियों और उनके परिवारों का सामाजिक-आर्थिक विश्लेषण किया जाता है, ताकि उन्हें आठ चुनी हुई केंद्रीय कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा सके और एक व्यापक सामाजिक सुरक्षा जाल बनाया जा सके।
5. क्षमता निर्माण और उद्यमिता विकासः विक्रेताओं को एफएसएसएआई के सहयोग से वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, और खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता में प्रशिक्षण दिया जाता है।

पीएम स्वनिधि योजना का असर

पीएम स्वनिधि का स्वतंत्र असर मूल्यांकन 2023 और 2025 में किया गया था। इन अध्ययनों में निम्नलिखित महत्वपूर्ण सुधार सामने आएः

आर्थिक सशक्तिकरण

इस योजना ने देश भर के विक्रेताओं के लिए व्यापार की स्थिरता को मजबूत किया है और उनकी आमदनी में सुधार किया है। लगभग 95 प्रतिशत लाभार्थियों ने पीएम स्वनिधि के तहत पहली बार औपचारिक संस्थागत ऋण प्राप्त किया। लगभग 30 प्रतिशत लोगों ने बाद में स्वनिधि ऋणों के अलावा अतिरिक्त ऋण भी प्राप्त किया, जो उनकी बेहतर ऋण पात्रता और वित्तीय समावेशन को दर्शाता है। लाभार्थियों की आय में भी औसतन लगभग 20 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई।

पारिवारिक कल्याण में सुधार

पीएम स्वनिधि के तहत हुए आर्थिक लाभों ने लाभार्थियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस योजना ने आवास की अधिक स्थिरता और पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक बेहतर पहुंच में सहायता प्रदान की।

पीएम स्वनिधि ने शहरी क्षेत्रों के कमजोर समुदायों के बीच सामाजिक समावेशन को भी मजबूत किया है। इस योजना के तहत लगभग 46 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं, जो इसमें मजबूत लैंगिक समावेश को दर्शाता है। लगभग 70 प्रतिशत लाभार्थी हाशिए पर रह रहे समुदायों से हैं, जो इस योजना की समावेशी पहुंच को उजागर करता है।

दृढ़ता और सशक्तिकरण की आवाजें

आंकड़ों और ऋण वितरण के पीछे दृढ़ता, साहस और नई उम्मीदों की कहानियां हैं। कई विक्रेताओं के लिए, पीएम स्वनिधि ने स्थिरता, विकास और उन अवसरों के दरवाजे खोल दिए हैं, जिन्हें कभी उनकी पहुंच से बाहर माना जाता था। देश के अलग-अलग हिस्सों से मिले ये अनुभव इस बात को उजागर करते हैं कि कैसे सही समय पर मिली मदद छोटे व्यवसायों को उबरने, खुद को ढालने और ज्यादा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने में मदद कर रही है।

एक छोटी स्टॉल से एक दुकान तक

गाज़ियाबाद के नंदग्राम की बबीता शर्मा, एक स्थानीय मंदिर के पास पूजा का सामान बेचने वाली एक छोटी सी दुकान चलाती हैं। हर दिन, श्रद्धालु अगरबत्ती, दीये, फूल, नारियल और पूजा के लिए जरूरी अन्य सामान खरीदने के लिए उनके स्टॉल पर आते हैं। हालांकि इस व्यवसाय से उनके परिवार का गुजारा हो जाता था, लेकिन सीमित पूंजी के कारण उन्हें अक्सर अपने व्यवसाय का विस्तार करने और ग्राहकों की मांग को पूरा करने में मुश्किल होती थी। जुलाई 2020 में, बबीता को शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) के अधिकारियों के माध्यम से पीएम स्वनिधि योजना के बारे में पता चला। अपनी आजीविका को बेहतर बनाने के एक अवसर के रूप में देखते हुए, उन्होंने इस योजना के तहत ऋण के लिए आवेदन किया। पहला पीएम स्वनिधि ऋण मिलने के बाद, बबीता ने उस राशि का निवेश अतिरिक्त स्टॉक खरीदने और अपने स्टॉल पर और भी नए उत्पाद लाने में किया। उत्पादों की इस विस्तृत श्रृखला ने ज्यादा ग्राहकों को आकर्षित किया और उनकी दैनिक बिक्री और आय को बढ़ाने में मदद की। अपने व्यवसाय में हुए सुधार से उत्साहित होकर, उन्होंने समय पर ऋण चुका दिया और दूसरी किस्त के लिए पात्र हो गईं। उन्होंने इस ऋण का उपयोग एक ठेला खरीदने और अपने बिक्री के सेटअप को बेहतर बनाने के लिए किया।

उद्यम के माध्यम से सीमाओं का विस्तार

तिरुवनंतपुरम की शांति आर, एक दशक से भी ज्यादा समय से सूखी मछली के अपने व्यवसाय के माध्यम से अपने परिवार की मुख्य कमाने वाली सदस्य रही हैं। पीएम स्वनिधि से पहले, वह ऊंची ब्याज दरों वाले सूक्ष्म वित्त ऋण पर निर्भर थीं, जिनकी साप्ताहिक किस्तें चुकाना बहुत मुश्किल होता था। इन वित्तीय दबावों ने उनके व्यवसाय के विकास को सीमित कर दिया था और उनके दैनिक कामकाज पर भी असर डाला था। पीएम स्वनिधि ने शांति को आसानी से उपलब्ध संस्थागत ऋण के माध्यम से धीरे-धीरे अपने व्यवसाय को मजबूत बनाने में मदद की। जैसे-जैसे उनका व्यवसाय स्थिर हुआ, उन्होंने केवल सड़क पर बेचने तक ही खुद को सीमित न रखते हुए, सूखी मछली की पैकिंग और स्थानीय दुकानों में आपूर्ति करने के क्षेत्र में भी अपने व्यवसाय का विस्तार किया। शांति को इस योजना के तहत पहली किस्त के रूप में 10,000 रुपये मिले और बाद में वह तीसरी किस्त के रूप में 50,000 रुपये का ऋण पाने की पात्र हो गईं। इससे उनके पास नकदी का प्रवाह बेहतर हुआ और उन्हें अपने स्टॉक का प्रबंधन ज्यादा कुशलता से करने में मदद मिली। जनवरी 2026 में उन्हें एक स्वनिधि क्रेडिट कार्ड भी मिला, जिसने उनके बढ़ते व्यवसाय को और भी अधिक मजबूती प्रदान की। शांति आर का अनुभव दिखाता है कि कैसे पीएम स्वनिधि महिला उद्यमियों को अपने व्यापार को अलग-अलग क्षेत्रों में फैलाने और टिकाऊ आजीविका बनाने में मदद कर रहा है।

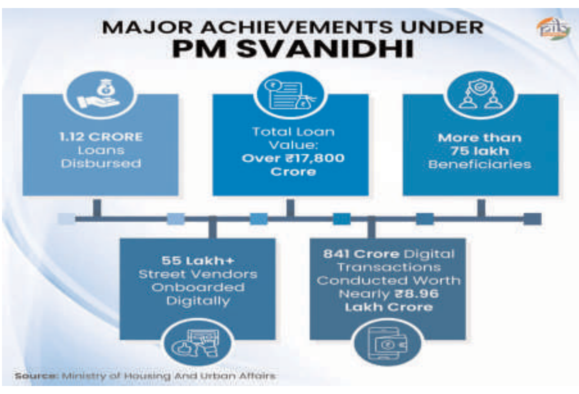

चुनौती को अवसर में बदलना

गुवाहाटी के नूनमती की हलचल भरी सड़कों पर, सेवाली कलिता कभी अपने चार लोगों के परिवार का गुजारा चलाने के लिए एक छोटी सी पान की दुकान चलाती थीं। मुश्किल समय में, गुजारा करने के लिए उन्हें पड़ोसियों से पैसे भी उधार लेने पड़े। गुवाहाटी नगर निगम के अधिकारियों से बातचीत के दौरान सेवाली को पीएम स्वनिधि के बारे में पता चला। 10,000 रुपये का ऋण लेकर, सेवाली ने अपने अंदर की उद्यमी भावना को जगाया। उन्होंने महामारी के दौरान ऑर्गेनिक सब्जियों की बढ़ती मांग को पहचाना। उन्होंने स्थानीय स्तर पर ताजी सब्जियां खरीदना शुरू किया और उन्हें अपनी पान की दुकान के साथ बेचना शुरू कर दिया। जैसे-जैसे बिजनेस बढ़ा, सेवाली ने अपने बच्चों को वापस स्कूल में दाखिला दिलाया और धीरे-धीरे अपने बिजनेस का विस्तार किया। इसके बाद उन्होंने क्रमशः 20,000 रुपये और 50,000 रुपये के अतिरिक्त ऋण भी लिए। इस आर्थिक मदद से वह अपना कर्ज चुका पाईं, अपना स्टॉक बढ़ा पाईं और सब्जियों के लिए एक अलग दुकान खोल पाईं। आज, सेवाली गुवाहाटी में अपने पति के साथ मिलकर एक फलता-फूलता बिजनेस चला रही हैं। अब वह अपने बढ़ते बिजनेस से हर महीने लगभग 8,000 रुपये का मुनाफा कमाती हैं। उनकी यह प्रगति दृढ़ता और अवसरों का एक सशक्त उदाहरण है।

छोटा ऋण, बड़ा बदलावः एक रेहड़ी वाले के जीवन में आया बदलाव

योगराज माली, 30 साल के बी. कॉम के छात्र हैं, जो गांधीनगर में 'छोलाफली' बेचकर स्ट्रीट फूड का बिजनेस चलाते थे। बदकिस्मती से, कोविड-19 महामारी ने उनके बिजनेस को बुरी तरह प्रभावित किया। लेकिन, पीएम स्वनिधि योजना के तहत मिले ऋण के रूप में उम्मीद की एक किरण सामने आई। इस ऋण ने न सिर्फ उनके बिजनेस को फिर से खड़ा किया, बल्कि उन्हें और उनके परिवार को भी अपार खुशियां दी, क्योंकि अब उन्हें आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ रहा था। इस ऋण की मदद से योगराज ने डिजिटल पेमेंट को अपनाया, जिससे उन्हें कैशबैक रिवॉर्ड्स का भी फायदा मिला। इसके अलावा, उन्होंने सरकार की दूसरी योजनाओं, जैसे - प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा और श्रमयोगी मान धन योजना का भी लाभ उठाया। सरकार से मिली इस मदद के लिए आभार जताते हुए योगराज कहते हैं कि मुश्किल समय में सरकार एक मजबूत सहारे के तौर पर खड़ी रहती है, खासकर उन लोगों के लिए जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

ऋण से आगेः बदलता शहरी परिदृश्य

भीड़भाड़ वाले बाजारों से लेकर सड़क किनारे की तंग गलियों तक, पीएम स्वनिधि ने पूरे देश में अनगिनत रोजमर्रा की यात्राओं को चुपचाप बदल दिया है। इस योजना ने विक्रेताओं को काम पर लौटने और अपने छोटे व्यवसायों का विस्तार करने में सक्षम बनाया है। इसने डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा दिया है और सुरक्षित, अधिक व्यवस्थित व्यावसायिक तरीकों को प्रोत्साहित किया है। इसने वंचित समुदायों के लिए संस्थागत सहायता तक पहुंच को भी व्यापक बनाया है।

इस योजना की बढ़ती पहुंच विकास और समावेशन में एक बड़े बदलाव को दर्शाती है। अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में काम करने वाले लाखों लोगों के लिए, पीएम स्वनिधि ने अवसरों के ऐसे रास्ते बनाए हैं, जिन तक पहुंचना कभी मुश्किल था। कई मायनों में, यह पहल शहरी शासन की बदलती सोच को दशार्ती है। छोटे विक्रेताओं को अब हाशिये पर रह रहे लोगों के रूप में नहीं देखा जाता। इसके बजाय, उन्हें भारत की आर्थिक विकास गाथा में योगदान देने वालों के रूप में तेजी से पहचाना जा रहा है।

कारोबार

बाजार की गिरावट से निवेशकों को लगा 3.75 लाख करोड़ का चूना

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनातनी बढ़ने की खबर, कच्चे तेल की कीमत में तेजी, बिकवाली का दबाव और एफएमसीजी सेक्टर में आई बड़ी गिरावट की वजह से घरेलू शेयर बाजार एक बार फिर धराशाई हो गया। आज के कारोबार की शुरूआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में और तेजी आ गई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया। इस बिकवाली की वजह से दोनों सूचकांक गिरते चले गए। बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि बीएसई का सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से लगभग 1,165 अंक टूट गया। इसी तरह निफ्टी भी ऊपरी स्तर से 375 अंक से अधिक लुढ़क गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.68 प्रतिशत और निफ्टी 0.70 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

आज दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी, मीडिया और मेटल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी का आईटी इंडेक्स 2.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह बीएसई का टेक इंडेक्स 1.34 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल, पावर और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में आज लगातार बिकवाली होती रही। इसके अलावा बैंकिंग, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, कैपिटल गुड्स, हेल्थकेयर, पब्लिक सेक्टर इंटरप्राइज और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने चार लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 460.72 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 464.47 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.75 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,549 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,589 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,761 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 199 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 3,015 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 924 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,091 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से छह शेयर बढ़त के साथ और 24 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 10 शेयर हरे निशान में और 40 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 427.28 अंक की मजबूती के साथ 75,203.02 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी ही देर में यह सूचकांक 592.19 अंक उछल कर 75,367.93 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स की चाल में गिरावट आने लगी। हालांकि खरीदार बीच-बीच में लिवाली का जोर बनाने की भी कोशिश करते रहे। इसके बावजूद बिकवाली के दबाव में यह सूचकांक लगातार लुढ़कता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 1,164.25 अंक का गोता लगा कर 572.06 अंक की कमजोरी के साथ 74,203.68 अंक के स्तर तक आ गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 508.40 अंक की गिरावट के साथ 74,267.34 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 106.75 अंक की छलांग लगा कर 23,654.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही लिवाली के सपोर्ट से यह सूचकांक 185.95 अंक उछल कर 23,733.70 अंक के स्तर पर आ गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से निफ्टी की चाल में गिरावट आने लगी। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 375.75 अंक फिसल कर 189.80 अंक की कमजोरी के साथ 23,357.95 अंक के स्तर तक गिर गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई मामूली खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी दिन के निचले स्तर से करीब 25 अंक की रिकवरी कर 165.15 अंक की कमजोरी के साथ 23,382.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टेक महिंद्रा 4.01 प्रतिशत, इंफोसिस 3.58 प्रतिशत, कोल इंडिया 3.21 प्रतिशत, टीसीएस 1.70 प्रतिशत और जेएसडब्ल्यू स्टील 1.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर 3.21 प्रतिशत, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 2.98 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 2.97 प्रतिशत, मैक्स हेल्थकेयर 2.76 प्रतिशत और आईटीसी 2.53 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार सेवाओं का दायरा बढ़ाना ही असली बैंक की पहचान : हितेंद्र झा

रांचीः झारखंड-बिहार में बैंकिंग अब सिर्फ खाता खोलने और पैसे जमा करने तक सीमित नहीं रह गई है। पिछले कुछ वर्षों में लोगों की जरूरतें बदली हैं और इसके साथ ही बैंकिंग सेवाओं का दायरा भी बढ़ा है। अब ग्राहक चाहते हैं कि उन्हें बचत खाते के साथ निवेश, बीमा, क्रेडिट कार्ड, डिजिटल बैंकिंग और लोन जैसी सुविधाएँ भी एक ही जगह पर मिलें। यही बदलाव बिहार में वित्तीय समावेशन को नई गति दे रहा है। बिहार में बैंकिंग को लेकर लोगों की जागरूकता तेजी से बढ़ी है। गाँवों से लेकर शहरों तक लोग औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ रहे हैं और इसका सीधा फायदा ग्राहकों के साथ-साथ राज्य की अर्थव्यवस्था को भी मिल रहा है।

ग्राहकों के लिए शुरू की हैं नई सुविधाएँकई प्रकार के लोन उपलब्धग्रीन एनर्जी और गैस प्लांट प्रोजेक्ट्स के लिए विशेष लोन देने की योजनालोन पोर्टफोलियो में किया जा रहा बदलावअत्यंत महत्वपूर्ण बाजारबैंकिंग संचालन का परिणाम कारगरलाभप्रद है बैंक की वर्तमान वित्तीय स्थिति।

ग्राहकों से लगातार सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। लोग चाहते हैं कि उन्हें और नई बैंकिंग सुविधाएँ मिलें और बैंक उसी दिशा में काम कर रहा है। बिहार में बैंक की 61 शाखाओं में से 10 शाखाएँ पूरी तरह ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। वहीं, पटना में कुल 7 शाखाएँ संचालित हो रही हैं, जिनमें 5 शहर में और 2 जिले के अन्य हिस्सों में स्थित हैं।

बढ़ती आय, वित्तीय जागरूकता और बैंकिंग सेवाओं तक आसान पहुँच के कारण बिहार तेजी से बैंकिंग विस्तार का बड़ा केंद्र बन रहा है। ऐसे में शाखाओं का विस्तार, नई सेवाओं की शुरूआत और बढ़ती लोन उपलब्धता न सिर्फ ग्राहकों को बेहतर बैंकिंग अनुभव दे रही है, बल्कि राज्य की आर्थिक प्रगति को भी नई रफ्तार प्रदान कर रही है।

देश का औद्योगिक उत्पादन अप्रैल में 4.9 फीसदी बढ़ा, विनिर्माण क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन

नई दिल्ली। देश के औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि दर अप्रैल में विनिर्माण क्षेत्र में 6.2 फीसदी की मजबूत वृद्धि के चलते सालाना आधार पर अप्रैल में 4.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। यह अप्रैल, 2025 में 5.7 फीसदी रही थी।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि यह आधार वर्ष में संशोधन कर 2022-23 किये जाने के बाद आईआईपी का पहला आंकड़ा है। आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल में चार क्षेत्रोंङ्कखनन और उत्खनन, विनिर्माण, बिजली एवं गैस आपूर्ति, जल आपूर्ति, दूषित जल और अपशिष्ट प्रबंधनङ्ककी वृद्धि दर क्रमशः -5.1 फीसदी, 6.2 फीसदी, 4.9 फीसदी और 6.6 फीसदी रही है। मंत्रालय ने औद्योगिक उत्पादन सूचकांक का आधार वर्ष 2011-12 से बदलकर 2022-23 कर दिया है। वस्तुओं की संशोधित सूची में 1,042 उत्पाद शामिल किया गया हैं, जिन्हें 463 मद समूहों में वर्गीकृत किया गया है। इनमें 120 नए मद समूह शामिल हैं।

आधार वर्ष में यह संशोधन अखिल भारतीय औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (टीएसी-आईआईपी) के आधार वर्ष संशोधन को लेकर तकनीकी सलाहकार समिति के तहत किया गया है। इसके तहत अप्रैल में आईआईपी 118.9 रहने का अनुमान है, जो अप्रैल, 2025 में 113.1 था। आईआईपी को संदर्भ माह से 28 दिन के अंतराल के साथ हर महीने जारी किया जाएगा।

ब्रजेश कुमार सिंह केनरा बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ब्रजेश कुमार सिंह को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, केनरा बैंक का प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। वह के. सत्यनारायण राजू का स्थान लेंगे।

आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने ब्रजेश कुमार सिंह को बेंगलुरु मुख्यालय स्थित केनरा बैंक एमडी और सीईओ के पद पर नियुक्त करने को अपनी मंजूरी दे दी है। उनकी यह नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तारीख से लेकर उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख यानी 30 अप्रैल, 2029 तक प्रभावी रहेगी। ब्रजेश कुमार सिंह वर्तमान में इंडियन बैंक में कार्यकारी निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। वह 30 अप्रैल, 2029 सेवानिवृत्ति की आयु तक इस पद पर कार्य करेंगे। वह के. सत्यनारायण राजू की जगह लेंगे, जो दिसंबर 2025 में अपने पद से सेवानिवृत्त हुए थे। वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो (एफएसआईबी) ने दिसंबर 2025 में केनरा बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ पद के लिए सिंह के नाम की सिफारिश की थी।

राष्ट्रपति आज 'बिरसा लाइव्स इन न्यू भारत वीक' के तहत 200 आदिवासी छात्रवृत्ति लाभार्थियों से करेंगी संवाद

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रव्यापी समारोह 'जनजातीय गरिमा उत्सव' के हिस्से के रूप में, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में जनजातीय मामलों के मंत्रालय की प्रमुख केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजनाओं के लगभग 200 आदिवासी छात्र से जल्द ही एक विशेष संवादात्मक बैठक में संवाद करेंगी।

जनजातीय मामलों के मंत्रालय के अनुसार यह संवाद ?बिरसा लाइव्स इन न्यू भारत वीक? के दौरान आयोजित किया गया है, जो 25 मई से 2 जून 2026 तक भगवान बिरसा मुंडा की प्रेरणादायक विरासत की स्मृति में मनाया जा रहा है जबकि राष्ट्रव्यापी 'जनजातीय गरिमा उत्सव' 10 मई से 9 जून 2026 तक जारी रहेगा।, यह संवाद शिक्षा सशक्तिकरण, सामाजिक समावेशन और राष्ट्र निर्माण के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेगा।

इस विशेष संवाद का मुख्य उद्देश्य आदिवासी छात्रों को अकादमिक उत्कृष्टता, नेतृत्व और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे समावेशी और परिवर्तनकारी आदिवासी सशक्तिकरण के साथ 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्यों को साकार किया जा सके। इसमें देश भर के लगभग 200 मेधावी आदिवासी छात्र, जो उच्च शिक्षा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले देशभर से करीब 200 मेधावी आदिवासी छात्र शामिल हैं।

इस ऐतिहासिक संवाद में भाग लेने वाले छात्र भारत सरकार के जनजातीय मामलों के मंत्रालय की तीन प्रमुख छात्रवृत्ति योजनाओं के लाभार्थी हैं। इसमें अनुसूचित जनजातियों के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप (एनएफएसटी), अनुसूचित जनजाति के छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना और अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए राष्ट्रीय विदेशी छात्रवृत्ति (एनओएस) योजना शामिल है।

मंत्रालय के अनुसार ये 200 छात्र आदिवासी समुदायों के उन सबसे प्रतिभाशाली युवाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो उन्नत अनुसंधान, उच्च शिक्षा और अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक गतिविधियों में देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

धनबाद मंडल में 33 सेवानिवृत कर्मचारियों को किया गया समापक भुगतान

बिभा संवाददाता

धनबादः धनबाद मंडल में मई माह 2026 में सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों का समापक भुगतान किया गया। इस माह में कुल 33 सेवानिवृत्ति के मामले आए थे, जिनमें सभी कर्मचारियों का समापक भुगतान कर दिया गया है` विदित हो कि धनबाद मंडल में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के समापक भुगतान को प्राथमिकता दी जाती है मंडल प्रशासन सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है` उल्लेखनीय है कि धनबाद मंडल में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के समापक भुगतान की प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने के लिए कई कदम उठाए गए है` मंडल प्रशासन सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा तत्पर रहता है।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री अखिलेश मिश्र द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित किया गया एवं उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया गया` उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं` इस अवसर पर मंडल के अन्य अधिकारीगण तथा यूनियन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

डीआरएम कार्यालय, आसनसोल में ऑन-डेट सेटलमेंट भुगतान कार्यक्रम आयोजित

आसनसोल(बिभा): पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल के कार्मिक विभाग द्वारा मई 2026 माह के लिए 01 जून 2026 को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, आसनसोल के न्यू कॉन्फ्रेंस रूम में ऑन-डेट सेटलमेंट भुगतान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान 31 लाभार्थियों, जिनमें सेवानिवृत्त कर्मचारी तथा मृत रेल कर्मचारियों के पात्र पारिवारिक सदस्य शामिल थे, को सेटलमेंट देय राशि, पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ), सेटलमेंट दस्तावेज तथा यूएमआईडी कार्ड प्रदान किए गए। ऑन-डेट सेटलमेंट भुगतान कार्यक्रम सेवानिवृत्ति निपटान प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसके माध्यम से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों तथा पात्र पारिवारिक लाभार्थियों को सेवानिवृत्ति लाभ एवं पेंशन संबंधी दस्तावेज समय पर उपलब्ध कराए जाते हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी/आसनसोल, वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी, मंडलीय रेल चिकित्सालय/ आसनसोल तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के अवसर पर धनबाद मंडल में पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया गया

धनबाद(बिभा): धनबाद मंडल में विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026 के अठारहवें दिवस के अवसर पर व्यापक पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत मंडल की विभिन्न रेलवे कॉलोनियों में विशेष जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर रेलकर्मियों एवं उनके परिवारों को सिंगल-यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों तथा इसके उपयोग को न्यूनतम करने की आवश्यकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही सूखे एवं गीले कचरे के पृथक्करण, पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) को बढ़ावा देने, डस्टबिन के समुचित उपयोग तथा वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, प्लास्टिक थैलियों के विकल्प को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न स्टेशनों पर विशेष अभियान चलाकर यात्रियों एवं स्थानीय नागरिकों के बीच बड़ी संख्या में जूट एवं कपड़े के थैलों का निःशुल्क वितरण किया गया` अभियान का मुख्य उद्देश्य रेलवे कॉलोनियों एवं स्टेशनों पर स्वच्छता को बढ़ावा देना, प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाना तथा कचरा प्रबंधन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना था।

आरपीएफ ने 61 किलो गांजा के साथ तीन तस्करों को किया गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांचीः रांची रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ फ्लाइंग टीम रांची, आरपीएफ पोस्ट रांची एवं आरपीएफ की अपराध शाखा, रांची द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन नारकोस के तहत एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 61 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया तथा तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया। 30 मई 2026 को रांची रेलवे स्टेशन पर चेकिंग के दौरान ट्रेन संख्या 18309 संबलपुर-जम्मू तवी एक्सप्रेस के कोच संख्या बी-3 में तीन संदिग्ध व्यक्तियों को चार ट्रॉली बैग एवं तीन पिट्ठू बैग के साथ पाया गया। पूछताछ के दौरान उन्होंने बैगों में गांजा होने की बात स्वीकार की। ट्रेन के रवाना होने पर सभी संदिग्धों को उनके सामान सहित नामकुम रेलवे स्टेशन पर उतारकर विधिसम्मत जांच की गई। जांच के दौरान आयुष सिंह (22 वर्ष), प्रिंस कुमार (21 वर्ष) एवं अंकित पाठक (19 वर्ष), निवासी जिला बक्सर (बिहार) के कब्जे से कुल 61 पैकेट गांजा (61 किलोग्राम) तथा तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए। सहायक सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ, रांची श्री प्रताप सिंह नेगी के निर्देशन में डीडी किट से परीक्षण करने पर बरामद पदार्थ गांजा पाया गया। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 30.50 लाख रुपये आंकी गई है। बरामद गांजा एवं अन्य सामग्री को जब्त कर तीनों आरोपियों को अग्रिम कानूनी कार्रवाई हेतु लिखित प्राथमिकी के साथ जीआरपी रांची को सुपुर्द कर दिया गया। इस सफल कार्रवाई में इंस्पेक्टर शिशुपाल कुमार, इंस्पेक्टर लालबहादुर, एएसआई योगेंद्र कुमार, एएसआई अनिल कुमार, एएसआई अभिषेक कुमार, स्टाफ ए.जे. अंसारी, आर.के. सिंह, हेमंत तथा छोटे कुमार सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

महिला कल्याण संगठन/उत्तर मध्य रेलवे की अध्यक्षा ने सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का किया उदघाटन

प्रयागराज : महिला कल्याण समिति/प्रयागराज मण्डल द्वारा रेलवे ट्रैफिक कॉलोनी में संचालित सिलाई - द टेलरिंग सेंटर नामक सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन महिला कल्याण संगठन, उत्तर मध्य रेलवे की अध्यक्षा हिमा चौहान सिंह द्वारा किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना तथा उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। यह केंद्र प्रशिक्षणार्थियों को सिलाई एवं परिधान निर्माण से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

इस अवसर पर महिला कल्याण समिति, प्रयागराज मण्डल की अध्यक्षा, वंदना अग्रवाल श्री उपाध्यक्षा, मती प्रज्ञा दीपक कुमार, गुलशन वारिस, वंदना सिंह, सचिव निहारिका सिंह सदस्या प्रवीणा सिंह, प्रिया तिवारी, पूर्वी कन्नौजिया, महनिशा उपस्थित रहे ।

समिति द्वारा संचालित यह प्रशिक्षण केंद्र उन इच्छुक महिलाओं एवं युवाओं के लिए विशेष रूप से लाभकारी होगा, जो सिलाई एवं टेलरिंग के क्षेत्र में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर अपने भविष्य को सशक्त बनाना चाहते हैं। केंद्र में अनुभवी एवं प्रशिक्षित प्रशिक्षकों द्वारा सिलाई, कटिंग एवं आधुनिक टेलरिंग तकनीकों का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे प्रशिक्षणार्थी अपने कौशल का विकास कर आत्मविश्वास के साथ कार्य कर सकें। महिला कल्याण समिति का मानना है कि कौशल आधारित प्रशिक्षण आज के समय में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस केंद्र की स्थापना की गई है, ताकि अधिक से अधिक महिलाओं एवं युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके।

एयर मार्शल तरुण चौधरी ने मध्य वायु कमान के वायु अफसर कमांडिंग-इन-चीफ का कार्यभार संभाला

बिहान भारत

प्रयागराज : एयर मार्शल तरुण चौधरी, एवीएसएम, वीएसएम ने 01 जून 2026 को मध्य वायु कमान मुख्यालय के वायु अफसर कमांडिंग-इन-चीफ का कार्यभार संभाला। उन्होंने दिसंबर 1989 में भारतीय वायु सेना की फाइटर स्ट्रीम में कमीशन प्राप्त किया। वे राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, वायु युद्ध-पद्धति कॉलेज और राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के पूर्व छात्र रहे हैं।

अपने प्रतिष्ठित करियर के दौरान, एयर मार्शल ने कई महत्वपूर्ण परिचालन, स्टाफ और राजनयिक पदों पर कार्य किया है, जिसमें भारतीय दूतावास, स्वीडन में डिफेंस अटैचे (रक्षा सचिव) व नॉर्वे, फिनलैंड और डेनमार्क के समवर्ती का पद भी शामिल रहा उन्होंने आईडीएस मुख्यालय और वायु सेना मुख्यालय में विभिन्न प्रोजेक्ट्स, अधिग्रहण और मानव संसाधन प्रबंधन के क्षेत्रों में विशेषज्ञता वाले प्रमुख स्टाफ पदों पर भी कार्यवहन किया है। एयर मार्शल ने भारतीय वायु सेना में क्षमता वृद्धि और भविष्य की तकनीकों के समावेश के उद्देश्य से कई परिवर्तनकारी परियोजनाओं का नेतृत्व किया है। मध्य वायु कमान का पदभार ग्रहण करने से पूर्व, वे दक्षिणी वायु कमान मुख्यालय में वरिष्ठ वायु स्टाफ अफसर' के पद पर सेवारत थे।

100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बिहान भारत

हाजीपुर : सेंट्रल सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, पटना के ओपीडी परिसर में भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे सघन 100 दिवसीय टी.बी. मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत चौथे जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन चिकित्सा निदेशक डॉ. सुबोध कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. मनीषा ने महिलाओं में होने वाले फिमेल जेनिटल टीबी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होने इसके लक्ष्णों,

समय पर पहचान, जांच एवं उपचार के महत्व को सरल एवं प्रभावी भाषा में समझाया। इसके उपरांत स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डॉ. संध्या किरण ने अपने संबोधन में महिला महिला जननांग तपेदिक या बच्चेदानी की टीबी से जुड़ी व्यावहारिक समस्याओं एवं उनके समाधान पर चर्चा की। उन्होंने महिलाओं में जागरूकता बढ़ाने एवं समय पर चिकित्सकीय सलाह के महत्व पर विशेष जोर दिया।

कार्यक्रम के अंत में चिकित्सा निदेशक डॉ. सुबोध कुमार मिश्रा ने जनजागरूकता की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि टी.बी. की समय पर पहचान, सही जांच एवं नियमित उपचार से इस बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण पाया जाता है एवं साथ ही सेन्ट्रल सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, पटना में टी.बी. से संबंधित उपलब्ध सुविधाओं के बारे में बताया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. स्वीटी ने किया। साथ ही उपस्थित लोगों से टी.बी. के प्रति सचेत रहने एवं समाज में जागरूकता प्रसारित करने की अपील की गई। इस कार्यक्रम में उपस्थित लगभग 250 से ज्यादा मरीजों एवं परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

प्रगति की लयः यात्री सुविधा और सुरक्षा के लिए हर पल समर्पित पूर्व रेलवे

बिहान भारत

कोलकाताः एक मधुर संगीत की तरह, रेलवे नेटवर्क भी सामंजस्य पर आधारित होता है। प्लेटफॉर्म पर टिक-टिक करती हर घड़ी, वातावरण में गूंजती हर उद्घोषणा और चमकते हुए प्रत्येक डिस्प्ले बोर्ड मिलकर एक ऐसी लय का निर्माण करते हैं, जो सुरक्षित, आरामदायक और निर्बाध यात्रा का आधार बनती है। प्रत्येक यात्रा को यादगार बनाने के लिए चौबीसों घंटे कार्य करने के संकल्प के साथ, महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर के नेतृत्व में पूर्व रेलवे ने अप्रैल 2026 के मात्र एक महीने के दौरान अपने स्टेशनों पर व्यापक परिवर्तन किए हैं। यह केवल तकनीकी उन्नयन की सूची नहीं है, बल्कि उन लाखों यात्रियों के प्रति एक भावनात्मक प्रतिबद्धता है जो प्रतिदिन अपने जीवन और सपनों के लिए रेलवे पर भरोसा करते हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यात्रा के हर चरण में यात्रियों को सुरक्षा, सुविधा और आत्मीयता का अनुभव हो।

व्यस्त रेलवे प्लेटफॉर्म पर कदम रखते समय यात्रियों को कभी-कभी भ्रम और असुविधा का सामना करना पड़ता है, लेकिन पूर्व रेलवे अब इस भ्रम को स्पष्टता और चिंता को विश्वास में बदल रहा है। ट्रेन के कोच की सही स्थिति जानना अब पूरी तरह आसान हो गया है। हावड़ा मंडल के साइंथिया स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 1 एवं 2 तथा आजिमगंज स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 6 पर कुल 58 नए कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड लगाए गए हैं, जिससे यात्री आत्मविश्वास के साथ अपने कोच के आगमन स्थल पर खड़े हो सकेंगे। वहीं, प्रतिदिन हजारों यात्रियों की आवाजाही वाले प्रतिष्ठित सियालदह स्टेशन पर एक विशाल आउटडोर वीडियो वॉल स्थापित की गई है, जो वास्तविक समय में ट्रेन संबंधी महत्वपूर्ण सूचनाएं प्रदर्शित करेगी ताकि कोई भी यात्री आवश्यक जानकारी से वंचित न रहे। इसके साथ ही, कैनिंग स्टेशन पर सार्वजनिक संबोधन प्रणाली को सुदृढ़ बनाया गया है ताकि महत्वपूर्ण सुरक्षा घोषणाएं स्टेशन के हर कोने तक स्पष्ट रूप से पहुँच सकें। समय की सटीक जानकारी उपलब्ध कराने और यात्रियों की यात्रा को सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए कैनिंग एवं मध्यमग्राम स्टेशनों पर 10 अतिरिक्त जीपीएस आधारित प्लेटफॉर्म घड़ियां भी लगाई गई हैं।

पूर्ण सुरक्षा के बिना वास्तविक सुविधा संभव नहीं है। इसी उद्देश्य से पूर्व रेलवे ने पर्दे के पीछे रहकर ऐसे अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए हैं जो यात्रियों और उनके प्रियजनों की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करते हैं। रेलवे फाटकों पर सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए हावड़ा मंडल के मसाग्राम और गुराप सहित सियालदह मंडल के बनगांव, बारासात, काकद्वीप तथा लक्ष्मीकांतपुर स्टेशनों के अंतर्गत कुल 12 इंटरलॉक्ड समपार फाटकों पर वॉयस रिकॉर्डिंग सुविधा युक्त उन्नत गेट टेलीफोन लगाए गए हैं। इससे गेटकीपर और स्टेशन मास्टर के बीच होने वाला संचार सुरक्षित, स्पष्ट और रिकॉर्डेड रहेगा। डिजिटल सेवाओं को भी और अधिक सशक्त बनाया गया है। सियालदह स्टेशन पर ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीनों के लिए कनेक्टिविटी को उन्नत किया गया है, जिससे टिकट लेने के लिए लगने वाली लंबी कतारों में कमी आएगी। वहीं, आवश्यक माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु आसनसोल और दुगार्पुर गुड्स शेडों में 8 नए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। रेलवे संचार प्रणाली को निर्बाध बनाए रखने के लिए सोदपुर ऑप्टिकल फाइबर हट में पुराने बैटरी सेटों को बदलकर अत्यधिक विश्वसनीय नई प्रणालियां स्थापित की गई हैं। इसके अतिरिक्त, मालदा मंडल के बसुदेवपुर में नव-निर्मित इंटरमीडिएट ब्लॉक हट (क्इल्र) में डेटा लॉगर और सुरक्षा प्रणालियों सहित अत्याधुनिक दूरसंचार उपकरण सफलतापूर्वक चालू किए गए हैं, जो ट्रेनों के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखने और दुर्घटनाओं की संभावना को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

अप्रैल 2026 के दौरान बिछाई गई प्रत्येक तार, स्थापित किया गया प्रत्येक कैमरा और समन्वित की गई प्रत्येक घड़ी पूर्व रेलवे और उसके यात्रियों के बीच गहरे भावनात्मक संबंध का प्रतीक है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा कि रेलवे स्टेशन केवल कंक्रीट और लोहे की संरचना नहीं है, बल्कि यह भावनाओं, मिलन और नई शुरूआतों का केंद्र है। उन्होंने कहा कि अप्रैल माह में किए गए प्रत्येक तकनीकी उन्नयन का उद्देश्य यात्रियों के लिए एक मौन संरक्षक के रूप में कार्य करना है। चाहे वह किसी यात्री को अपना कोच नंबर स्पष्ट रूप से देखने में मदद करना हो या किसी गेटकीपर को स्टेशन मास्टर से तुरंत बात करने में सक्षम बनाना हो। पूर्व रेलवे चौबीसों घंटे यात्रियों की सेवा में तत्पर है क्योंकि यात्री सुरक्षा उसके लिए सर्वोच्च कर्तव्य है और यात्री सुविधा उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि।

आसनसोल मंडल ने समपार सुरक्षा आधुनिकीकरण के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की

बिहान भारत

आसनसोल : पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने कुनुरी एवं सैंथिया स्टेशनों के मध्य स्थित समपार संख्या 27/सी/ई के इंटरलॉकिंग कार्य को 31 मई 2026 को रात्रि 23:58 बजे सफलतापूर्वक चालू कर समपार सुरक्षा आधुनिकीकरण के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है। यह कार्य श्री संग्रह मौर्य, मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल तथा श्री प्रवीण कुमार प्रेम, अपर मंडल रेल प्रबंधक, आसनसोल के मार्गदर्शन में संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों से संपन्न किया गया। इस कार्य के अंतर्गत कुनुरी स्टेशन तथा समपार संख्या 26/एसपीएल पर आवश्यक सिग्नलिंग संशोधन किए गए, जिसके परिणामस्वरूप समपार संख्या 27/सी/ई को नॉन-इंटरलॉक्ड से इंटरलॉक्ड श्रेणी में उन्नत किया गया।

नव चालू की गई यह प्रणाली समपार फाटक को सिग्नलिंग नेटवर्क के साथ पूर्णतः एकीकृत करती है। अब रेलगाड़ियों के आवागमन हेतु सिग्नल तभी ऑफ किए जा सकेंगे, जब समपार फाटक सड़क यातायात के लिए पूर्णतः बंद एवं सुरक्षित रूप से लॉक होगा। यह व्यवस्था मानवीय त्रुटियों की संभावना को उल्लेखनीय रूप से कम करती है तथा रेल एवं सड़क दोनों उपयोगकताओं की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाती है।

उन्नत प्रणाली में विद्युत इंटरलॉकिंग व्यवस्था सम्मिलित है, जो यह सुनिश्चित करती है कि रेलगाड़ी के आवागमन के दौरान समपार फाटक लॉक अवस्था में रहे तथा रेलगाड़ी के सेक्शन को पूर्णतः पार कर लेने तक उसे खोला न जा सके। इसके अतिरिक्त, प्रणाली में डिजिटल एक्सल काउंटर भी लगाए गए हैं, जो रेलगाड़ी के आगमन एवं सेक्शन क्लियर होने का सटीक पता लगाकर फाटक के सुरक्षित एवं विश्वसनीय संचालन को सुनिश्चित करते हैं।

यह इंटरलॉकिंग व्यवस्था स्टेशन कर्मचारियों एवं गेटमैन के बीच मैनुअल समन्वय की आवश्यकता को कम कर परिचालन दक्षता में वृद्धि करेगी। फाटक संचालन का सिग्नलिंग प्रणाली के साथ एकीकरण रेलगाड़ियों के सुचारु परिचालन में सहायक होगा तथा फाटक प्रबंधन से संबंधित विलंब को न्यूनतम करेगा।

निगरानी एवं जवाबदेही को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से फाटक बंद करने, फाटक लॉक करने, सिग्नल क्लियरेंस प्रदान करने तथा फाटक खोलने जैसी सभी महत्वपूर्ण गतिविधियों को डेटा लॉगर प्रणाली के माध्यम से स्वचालित रूप से रिकॉर्ड किया जाएगा। ये अभिलेख तकनीकी निगरानी, प्रणाली विश्लेषण एवं सुरक्षा ऑडिट में सहायक सिद्ध होंगे।

सड़क उपयोगकताओं को फाटक बंद होने की पूर्व सूचना प्रदान करने के लिए उन्नत श्रव्य एवं दृश्य चेतावनी उपकरण भी उपलब्ध कराए गए हैं। चेतावनी हूटर एवं फ्लैशिंग लाइट्स वाहन चालकों तथा पैदल यात्रियों को समय रहते सचेत करेंगी, जिससे असुरक्षित रूप से समपार पार करने की घटनाओं में कमी आएगी।

समपार संख्या 27/सी/ई के इंटरलॉकिंग कार्य का सफल क्रियान्वयन आसनसोल मंडल की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह उन्नयन समपार सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करेगा, रेल परिचालन को अधिक सुगम बनाएगा तथा परिचालन विश्वसनीयता में वृद्धि करेगा, जिससे इस खंड में रेल एवं सड़क दोनों उपयोगकताओं को लाभ प्राप्त होगा।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com